* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

31 मार्च, 2023
चैत्र, शुक्ल पक्ष, दशमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 08, अंक 160

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नये संसद भवन का किया औचक निरीक्षण चल रहे कामकाज का लिया जायजा

चहुंओर गूंजा 'जय श्रीराम'

■ उल्लास, भक्ति, समर्पण का अद्भुत संगम दिखा
■ शोभायात्रा, झांकी देखने उमड़ा आस्था का सैलाब

● रामनवमी पर राम की भक्ति में लीन रहे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चैत्र शुक्ल नवमी, यानी गुरुवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जयंती के मौके पर झारखंड समेत पूरे देश में उल्लास, भक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। नयनाभिराम झांकियों और शोभायात्राओं को देखने के लिए सड़कों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। खराब मौसम के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गयी। झारखंड के गांव से लेकर शहर तक 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंजते रहे। रामनवमी महोत्सव के दौरान सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किये गये थे। शोभायात्रा की ड्रोन से निगरानी की जा रही थी। कहीं से किसी अप्रिय वारदात की सूचना नहीं है। राजधानी रांची के अलावा धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, दुमका, देवघर, हजारीबाग, चाईबासा, जमशेदपुर, गुमला, लोहरदगा, मेदिनीनगर, गढ़वा और दूसरे शहरों में भी रामनवमी इसी उल्लास के साथ मनाया गया।

मौसम ने बदला मिजाज : राजधानी रांची सहित राज्य के कई शहरों में तीसरे पहर मौसम ने एक बार फिर करवट ली। रांची तेज हवा के साथ- कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। इसके बावजूद शोभायात्रा देखने के लिए भीड़ के उत्साह में कोई कमी नहीं आयी।

तपोवन मंदिर के पास तेज आंधी की वजह से गिरा साउंड सिस्टम, चार घायल : तेज आंधी की वजह से रांची के तपोवन मंदिर के पास लगाया गया साउंड सिस्टम गिर गया। इस हादसे में चार लोग घायल हो गये। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तपोवन मंदिर में पूजा कर राज्य की उन्नति और खुशहाली की कामना की

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामनवमी के मौके पर तपोवन मंदिर में पूजा की और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने लोगों को रामनवमी की अनंत बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी हमारे आदर्श हैं। रामनवमी महापर्व आपसी एकता, बंधुत्व, सौहार्द और वर्षों से चली आ रही परंपरा और संस्कृति को मजबूत बनाता है। उन्होंने तपोवन मंदिर में भगवान श्रीराम जानकी का दर्शन करने के बाद कहा कि हम अपने जीवन में भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करें, क्योंकि इसमें सबका कल्याण निहित है। मुख्यमंत्री ने यहां हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष रामनवमी महापर्व के अवसर पर तपोवन की पवित्र भूमि को विकसित करने की घोषणा की थी। इस वर्ष रामनवमी पर मंदिर और आसपास के क्षेत्र का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य शुरू हो चुका है और अगले वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर यहां भगवान श्रीराम जानकी के भव्य मंदिर का आप दर्शन करेंगे। तपोवन मंदिर परिसर के विकास पर 14 करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च किये जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर और भी राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक-धार्मिक स्थलों को संरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। तपोवन मंदिर और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है। इस मंदिर को एक प्रतीक के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आर्थिक तंगी से परेशान पिता दो बच्चों का पेट नहीं भर सका, मार डाला

हत्या के बाद आत्महत्या की कोशिश, गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जामताड़ा। पिता ने दो मासूम बच्चों की गलादबाकर हत्या कर दी। पिता ने हत्या की वजह आर्थिक तंगी को बताते हुए कहा कि उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वह दोनों बच्चों का पेट भर सकते इसलिए उन्होंने बच्चों को मार डाला। घटना झारखंड के जामताड़ा इलाके के करमाटांड़ की बताई जा रही है। दोनों बच्चों की हत्या के बाद पिता ने भी आत्महत्या की कोशिश की लेकिन ग्रामीणों ने पिता की जान बचा ली। तुरंत इसकी सूचना पुलिलस को दी गयी जिसके बाद पिता को गिरफ्तार कर लिया। बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना करमाटांड़ थाना क्षेत्रान्तर्गत मुर्गाबनी गांव की है। सुबह मनोरंजन मरांडी ने जंगल में अपनी तीन वर्षीय बेटी और डेढ़ वर्षीय बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। पिता मनोरंजन मरांडी खुद भी गमछा के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश करने लगा। जंगल में पशुओं की चराने निकले हे ग्रामीणों ने देख लिया और पिता की जान बच गयी जान बचने के बाद आरोपी पिता ने भागने की कोशिश की घटनास्थल पर ही मासूम बच्चों का शव और अपनी साइकिल छोड़कर जंगल में छिपा।

ग्रामीणों ने दी पुलिस को जानकारी : ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर मनोज कुमार व थाना प्रभारी नागेश्वर साव पहुंचे शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों ने ही पिता की तलाश की और हत्यारे पिता को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

हत्यारा पिता जेल में : हत्यारे पिता के बड़े भाई निरंजन मरांडी ने इसकी लिखित शिकायत की पुलिस ने करमाटांड़ थाना कांड संख्या 29/23 के तहत भादवि की धारा 302 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और पूरे मामले की जांच कर रही है । पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह आर्थिक तंगी से परेशान था उसके पास बच्चों के पेट भरने के लिए पैसे नहीं थे। परिजनों ने बताया कि वह सुबह अपने घर से दोनों बच्चों को नदी में स्नान कराने की बात कहकर घर से ले गया था। रास्ते में ही उसने बच्चों की हत्या कर दी।

पीएम मोदी से मिलीं ऑस्कर विनर गुनीत मोंगा, अवॉर्ड के लिए दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। फिल्म 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने ऑस्कर 2023 में अवॉर्ड जीत कर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया। अब फिल्म की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा और डायरेक्टर कार्तिकी गोंजालवेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली। 95वें अकादमी अवॉर्ड में 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म की कैटेगरी में जीत हासिल की और अवॉर्ड अपने नाम किया। ऑस्कर 2023 में सम्मान मिलने के बाद अब प्रधानमंत्री ने दोनों को उनकी जीत पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट करते हुए गुनीत मोंगा और कार्तिकी गोंजालवेज के साथ तस्वीरें शेयर की और लिखा, 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' के सिनेमेटिक जादू और सफलता ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा और तारीफ बटोरी। आज फिल्म से जुड़ी शानदार टीम से मिलने का मौका मिला। उन्होंने भारत को बहुत गौरवान्वित किया है।

ऑस्कर में भारत ने जीते दो अवॉर्ड : साल 2023 में ऑस्कर अवॉर्ड भारत के लिए बेहद खास रहा। 95वें अकादमी अवॉर्ड में देश की तरफ से तीन फिल्में नॉमिनेट की गयी थी। इनमें 'ऑल दैट ब्रीद्स', 'आरआरआर' और 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' का नाम शामिल है। 'ऑल दैट ब्रीद्स' जीतने से चूक गयी, लेकिन 'आरआरआर' ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग और 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म की कैटेगरी में अवॉर्ड अपने नाम किया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 56,700 रु./10 ग्राम
चांदी 74,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 31 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in
02

कर्नाटक में भाजपा-कांग्रेस को देनी होगी कड़ी परीक्षा

भाजपा के सामने दक्षिण का दुर्ग बचाने की चुनौती : राहुल गांधी प्रकरण के नफा-नुकसान तौलेगी कांग्रेस

आजाद सिपाही विशेष

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। राज्य की 224 विधानसभा सीटों के लिए 10 मई को वोट डाले जायेंगे और नतीजे 13 मई को घोषित होंगे। यह चुनाव इस साल होनेवाले विधानसभा चुनावों की शृंखला की दूसरी कड़ी है। पहली कड़ी में तीन पूर्वोत्तर राज्यों में चुनाव हुए थे, जहां भाजपा ने अपना परचम लहराया था। इस साल के विधानसभा चुनाव की अंतिम कड़ी मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में साल के अंत में होनेवाले चुनाव होंगे। फिलहाल कर्नाटक में होनेवाला चुनाव भाजपा और कांग्रेस, दोनों के लिए अग्निपरीक्षा है। एक तरफ भाजपा दक्षिण भारत के अपने इकलौते दुर्ग को बचाने की चुनौती का सामना कर रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और उन पर हुई कानूनी कार्रवाई के नफा-नुकसान को तौलने का मौका मिलेगा। इसलिए कर्नाटक विधानसभा चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइल माना जा रहा है। दक्षिण भारत में पैर पसारने के भाजपा के प्रयासों को बल कर्नाटक से ही मिलता है, क्योंकि दक्षिण में केवल इसी राज्य में भाजपा सत्ता में है। इस बार यदि यह राज्य उसके हाथ से फिसला, तो फिर पार्टी के लिए न केवल हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में मुश्किल खड़ी हो जायेगी, बल्कि 2024 के आम चुनाव में उसके हैट्रिक की संभावनाओं पर सवालिया निशान लग जायेगा। दूसरी तरफ कांग्रेस के लिए वापसी के चैलेंज के साथ बाद के चुनावों के लिए खुद को खड़ा करने का सवाल भी है। चूंकि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह राज्य भी है, इसलिए यह उनके अनुभवों की भी परीक्षा होगी। क्या है कर्नाटक का चुनावी परिदृश्य और क्या हो सकते हैं मुद्दे, बता रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव की घोषणा हो गयी है। यहां 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी। उम्मीदवारों के नामाकंन दाखिल करने की आखिरी तारीख 20 अप्रैल होगी। कर्नाटक में इस समय भाजपा की सरकार है, जिसका नेतृत्व बासवराज बोम्मई कर रहे हैं। कांग्रेस की कमान सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के हाथों में है, जबकि वहां की सियासत के तीसरे प्रमुख खिलाड़ी जद-एस के एचडी कुमारस्वामी हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पुत्र हैं। यह चुनाव राजनीतिक रूप से कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले एक साल में इस प्रदेश के पांच दौरे कर चुके हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृहराज्य होने के कारण यहां से उनकी प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है।

आंकड़ों के आइने में कर्नाटक

कर्नाटक अलग राज्य के रूप में एक नवंबर 1956 को अस्तित्व में आया, लेकिन तब इसे मैसूर कहा जाता था। वर्ष 1973 में इसे कर्नाटक के नाम से जाना जाने लगा, जो 1.91 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। उत्तर में महाराष्ट्र से लेकर दक्षिण में केरल तक और उसी तरह पूर्व में आंध्र प्रदेश से लेकर पश्चिम में अरब सागर तक यह राज्य कुल 31 जिलों में फैला हुआ है। गोवा इसके उत्तर-पश्चिम में है, तो तमिलनाडु इस राज्य के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इसलिए कर्नाटक को दक्षिण भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य माना जाता है। इसे दक्षिण भारत के हृदय के रूप में भी देखा जाता है। कर्नाटक की आबादी लगभग साढ़े छह करोड़ है। यहां विधानसभा की 224 सीटें हैं, जबकि लोकसभा की 28 और राज्यसभा की 12 सीटें हैं। यहां कुल 5.21 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें पुरुषों और महिलाओं के बीच बहुत कम अंतर है। राज्य में कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या 2.62 करोड़ है, वही महिला मतदाताओं की संख्या भी 2.59 करोड़ है।

इस चुनाव के दौरान पहली बार वोट डालने वाले वोटरों की संख्या 9.17 लाख होगी। इसके अलावा 41 हजार ऐसे मतदाता हैं, जो एक अप्रैल, 2023 को 18 साल के हो जायेंगे और आगामी विधानसभा के चुनावों में उन्हें वोट डालने का अधिकार मिल जायेगा। राज्य की 224 विधानसभा सीटों में से 36 सीटें अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, वहीं 15 सीटों को अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किया गया है। इस बार जिन मतदाताओं पर सबकी नजर रहेगी, वो हैं 80 साल और अधिक उम्र के बुजुर्ग। इनकी संख्या करीब 12.50 लाख है। राज्य में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 58 हजार से अधिक है। इस राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग उपज होती है, जिसमें जौ, धान और सब्जियों के अलावा फूलों की खेती भी शामिल है। कर्नाटक अपने मसालों और अचार के लिए भी जाना जाता है, जबकि यहां की विश्व प्रसिद्ध मिठाई है मैसूर पाक, जो सत्तू से बनती है। कर्नाटक की 84 प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म का पालन करती है। जबकि ऐसे सबूत भी मिले हैं कि इस राज्य में कभी जैन धर्मावलंबियों की बड़ी संख्या हुआ करती थी। कुल जनसंख्या के 13 प्रतिशत के आसपास मुसलामानों की आबादी है, जबकि दो प्रतिशत इसाइ यहां रहते हैं। पूरे देश की जीडीपी में कर्नाटक का योगदान आठ प्रतिशत का है। वह इसलिए, क्योंकि सूचना तकनीक, 'सॉफ्टवेयर', बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस और रक्षा उपकरणों के उद्योगों का हब इसी राज्य में है।

भाजपा का उदय

बात साल 1983 की है, जब भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा की 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसमें से वह 18 जीतने में भी कामयाब हो गयी थी। उसने आठ प्रतिशत का अपना वोट शेयर खड़ा कर लिया था। इन जीते हुए विधायकों में से नौ ऐसे थे, जो तटवर्ती इलाके के रहने वाले थे, जहां जनता दल के रामकृष्ण हेगड़े और उन्हीं के दल के अब्दुल नजीर का खासा प्रभाव हुआ करता था। ऐसे में यह पहला मौका था, जब भाजपा ने हेगड़े या यूं कहें जनता दल के किले में सेंध मार दिया था। भाजपा ने हेगड़े की सरकार को समर्थन भी दिया था। लेकिन बाद के दिनों में कुछ साल भाजपा को अंदरूनी कलह का सामना करना पड़ा था, जब अनंत कुमार और वी धननंजय कुमार जैसे दिग्गज आपस में ही भिड़ पड़े थे। यह बात हो रही है साल 1987-88 की, जब इन दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के लिए बीएस येदियुरप्पा को संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष चुना। यहां से कर्नाटक की राजनीति में येदियुरप्पा के राजनीतिक सितारे का उदय होने लगा। वर्ष 1989 में भारतीय जनता पार्टी ने फिर चुनाव लड़ा और उसने 119 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये, लेकिन उसे सिर्फ चार सीटों पर ही जीत मिल सकी थी। वर्ष 1990 से मंडल आयोग की सिफारिशों से उपजे आंदोलन और राम जन्मभूमि के आंदोलन की वजह से भाजपा ने फिर से अपना आधार मजबूत करना शुरू कर दिया। लेकिन वह साल 2004 के विधानसभा चुनाव ही थे, जहां से भाजपा ने खुद को पूरी तरह स्थापित कर लिया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। भाजपा को विधानसभा की 224 सीटों में से 71 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। फिर उसी साल भाजपा ने लोकसभा की 18 सीटों को भी जीत लिया था। कहा जाता है कि भाजपा की इस उड़ान का श्रेय यहां के लिंगायत समुदाय को जाता है, जिसने भाजपा का जमकर समर्थन किया। कर्नाटक की कुल आबादी में 16 से 17 प्रतिशत लोग लिंगायत समुदाय के हैं। इसी समुदाय से भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा भी आते हैं। यह समुदाय राजनीतिक रूप से काफी जागरूक है और इनमें से एक वीरेंद्र पाटिल कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। कहते हैं कि इस समुदाय का साथ जिस भी राजनीतिक दल को मिल जायेगा, उसके लिए सत्ता का रास्ता आसान हो जायेगा। इस बार लिंगायत मतदाताओं को रिझाने में जनता दल (सेक्यूलर) और कांग्रेस ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है।

अभी का माहौल

2018 के विधानसभा के चुनावों के बाद राज्य में जनता दल (सेक्यूलर) और कांग्रेस के गठजोड़ की सरकार बनी। लेकिन अगले ही साल बागी विधायकों के साथ मिलकर भाजपा ने सरकार बना ली। बगावत के बाद कांग्रेस के पास विधानसभा में 70 विधायक हैं, जबकि जनता दल (सेक्यूलर) के पास 30। वहीं अब भाजपा के पास 121 विधायक हैं। इस दौरान भाजपा ने दो मुख्यमंत्रियों को बदला। पहले येदियुरप्पा और फिर उनको हटाकर बासवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया गया। इस बार कांग्रेस भी सत्ता विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश में है और उसने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश किया है। वहीं जनता दल (सेक्यूलर) के एचडी कुमारस्वामी ने भी इतने सालों तक कांग्रेस और भाजपा से दूरियां ही बना कर रखी हुई हैं। उनकी पार्टी भी किसानों के मुद्दों और कल्याणकारी नीतियों को लेकर मतदाताओं के बीच जाती रही है।

इस पूरे परिदृश्य में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत का सिलिकॉन वैली कहे जानेवाले इस प्रदेश में भाजपा अपना जलवा बरकरार रख पाती है या फिर कांग्रेस की वापसी की कहानी इसी राज्य से शुरू होगी।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में 9 मई को अगली सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आय से अधिक संपत्ति मामले में सजायाफ्ता पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की सजा के खिलाफ दायर आपराधिक अपील पर गुरुवार को झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति नवनीत कुमार की बेंच ने निचली अदालत से केस से जुड़े ओरिजिनल रिकॉर्ड की मांग की है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई नौ मई को निर्धारित की है।

सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने 28 मार्च 2022 को तत्कालीन मांडर

विधायक बंधु तिर्की को तीन साल की सजा और तीन लाख रुपये के जुर्माने का फैसला सुनाया था। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर बंधु तिर्की को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के कार्यकाल में शिक्षा मंत्री रहे बंधु तिर्की पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप था।

पहले इस मामले में एक सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने केस दर्ज किया। इसके बाद वर्ष 2010 में सीबीआइ ने आय से अधिक संपत्ति मामले में केस दर्ज किया था।

बोकारो में महिला ने एक साथ दिया तीन बच्चों को जन्म

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड के बोकारो में 31 वर्षीय प्रियंका कुमारी ने मुस्कान अस्पताल में एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। इसमें एक लड़का और दो लड़कियां हैं। सफलतापूर्वक प्रसव के बाद मां और बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। इससे डॉक्टर और परिजनों में काफी खुशी का माहौल है।

खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के लिए 15 तक मांगे गये आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के लिए आवेदन मंगाए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी 24 जिलों में 15 अप्रैल तक आवेदन दिए जाने की अपील जिला खेल पदाधिकारी के स्तर से की जा रही है। खूंटी, सिमडेगा सहित अन्य जिलों ने तो बाकायदा विज्ञापन जारी कर खिलाड़ियों से इसका लाभ उठाने को कहा है। राज्य के ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने 10 जून, 2022 के बाद अंतर्राष्ट्रीय, भारतीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त खेलों की विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किया हो, उन्हें सम्मान राशि का लाभ राज्य की नयी खेल नीति के आधार पर मिलेगा। यहां तक कि अगर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी भी हुई हो तो राज्य सरकार उन्हें लाभान्वित करेगी। जिले या खेल विभाग की वेबसाइट से योग्य खिलाड़ी आवेदन पत्र प्राप्त कर खेल विवरणी के साथ निर्धारित अवधि तक अपना आवेदन डीएसओ कार्यालय में जमा कर दें।

झारखंड की सड़कों पर जल्द ही चलेंगी इलेक्ट्रिक एसी बसें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की सड़कों पर जल्द ही इलेक्ट्रिक एसी बसें चलेंगी। राजधानी रांची से इसकी शुरुआत की जायेगी। इसके बाद धीरे-धीरे दूसरे जिलों में भी बसों का परिचालन शुरू किया जायेगा। फिलहाल रांची के लिए 24 नयी इलेक्ट्रिक एसी बसों की खरीद की स्वीकृत दी गयी है। केंद्र सरकार के सुझाव पर यह सेवा शुरू की जा रही है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही राज्य सरकार को निर्देश दिया था। रांची में बसों का परिचालन मंत्रालय के सुझाव के अनुसार पीपीपी मोड पर किया जायेगा। इसके लिए भाड़ा भी तय कर दिया गया है। यात्रियों से फिलहाल कम से कम पांच रुपये और अधिकतम 20 रुपये किराया

लिया जायेगा। योजना के अनुसार रांची और उसके आसपास के क्षेत्र के लिए 244 बसों की जरूरत है। बसों के परिचालन पर कुल लागत 42.1 रुपये प्रति किमी आयेगी। बसों के परिचालन से 44.8 रुपये प्रति किलोमीटर की कमाई होगी। इस हिसाब से 17.3 रुपये प्रति किलोमीटर का घाटा होगा। वर्तमान में इन बसों का परिचालन पूर्व निर्धारित 13 रूटों पर किया जायेगा। रास्ते में 110 पड़ाव होगा। पहले मेन रोड समेत शहर की प्रमुख सड़कों पर इन बसों का परिचालन किया जायेगा। एसी इलेक्ट्रिक बसों के लिए चौड़ी सड़कों की जरूरत है। एसी बसों की लंबाई भी सामान्य सिटी बसों से ज्यादा होती है। ऐसे में रांची नगर निगम भी 220 सामान्य सिटी बसों की खरीदारी करेगी। राज्य सरकारी कि पिछली कैबिनेट की बैठक में इसके लिए प्रस्ताव पारित किया जा चुका है।

मछली-मांस बेचनेवालों को लॉटरी से वेंडर मार्केट में किया जायेगा शिफ्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने लालपुर-कोकर सड़क के किनारे सब्जी दुकान लगाने वालों, मांस-मछली विक्रेताओं को डिस्टलरी पुल के नीचे बने लालपुर वेंडर मार्केट में शिफ्ट किया जायेगा। एक अप्रैल को निगम कार्यालय के आठवें तल्ले पर दोपहर 12 बजे लॉटरी सिस्टम की प्रक्रिया अपनाएगी। इसके जरिये 74 मांस, मछली विक्रेताओं को चबूतरा का आवंटन करेगा। इन 74 विक्रेताओं को नगर विक्रय समिति द्वारा निरीक्षण, अनुशंसित और अनुमोदित किया गया था। निगम ने इन सभी अनुशंसित विक्रेताओं को आधार कार्ड एवं सर्वेक्षण पावती के साथ एक अप्रैल को लॉटरी सिस्टम में भाग लेने को निगम कार्यालय बुलाया है। जिन 74 लाभुकों का नाम लॉटरी के लिए तय किया गया है, उसकी लिस्ट निगम की वेबसाइट रांची मुन्सिपल डॉट कॉम पर जारी की जा चुकी है। काफी लंबे समय से यह मांग हो रही थी कि डिस्टलरी पुल के आसपास सब्जी बाजार, मीट-मछली की दुकानों के चलते लालपुर-कोकर रोड जाम हो जाता है जो बेहद कष्टदायक होता है। खासकर ऑफिस, स्कूल जाने-आने के समय पर। ऐसे में इसके निदान के लिए नगर निगम ने रोड पर सब्जी, मीट मछली बेचने वालों का सर्वे कराया। अब इसी आधार पर चिन्हित लाभुकों को लॉटरी सिस्टम के जरिये डिस्टलरी पुल के ही समीप बने वेंडर मार्केट में बैठने को चबूतरा दिया जा रहा है। इससे लालपुर-कोकर का ट्रैफिक लोड घटेगा और मीट मछली विक्रेताओं को भी कारोबार करने को एक सुरक्षित जगह मिलेगी। साथ ही लोगों को भी आने-जाने के लिए सुविधा होगी।

हेमलाल मुर्मू की 11 अप्रैल को होगी घर वापसी, नौ साल पहले छोड़ा था झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के टिकट पर राजमहल सीट से दो बार लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हेमलाल मुर्मू की घर वापसी होगी। नौ साल के बाद वे 11 अप्रैल को फिर से झामुमो में शामिल हो जायेंगे। बरहेट के धनजोरी गांव में इसके लिए एक भव्य कार्यक्रम होगा। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद इस दौरान मौजूद रहेंगे। वहीं झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन समेत पार्टी के कई अन्य बड़े नेताओं के भी कार्यक्रम में उपस्थित रहने की बात हो रही है। बताते चलें कि 2014 लोकसभा चुनाव से पहले तक हेमलाल की गिनती झामुमो के कद्दावर नेता के रूप में होती थी। वे बरहेट सीट से 1990, 1995, 2000 एवं 2009 यानी चार बार झामुमो के टिकट पर विधायक रहे चुके हैं। इसके अलावा 2004 में

झामुमो के टिकट पर कांग्रेस से दोस्ताना संघर्ष में वेराजमहल सीट से सांसद भी रहे हैं। हालांकि, 2014 में हुए लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वे भाजपा में शामिल हो गये थे। इस संबंध में हेमलाल ने कहा कि झामुमो उनका परिवार है, वे इससे कैसे दूर रह सकते हैं।

नौ साल का राजनीतिक वनवास अब होगा खत्म : हेमलाल मुर्मू 2014 में जब से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए तब से एक तरह से राजनीतिक वनवास पर ही रहे। 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव हारे। मगर अब नौ साल के बाद राजनीतिक वनवास से वापसी की उम्मीद उन्हें जगी है। मालूम हो कि बीते वर्ष पाकुड़ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान पहली बार हेमलाल मुर्मू वहां नजर आए। पूछने पर कहा था कि स्वेच्छा से आया हूँ।

संताल परगना में विकल्प बनेंगे हेमलाल : झारखंड मुक्ति मोर्चा को हेमलाल की वापसी से संताल परगना में मजबूती मिलेगी। वैसे भी अभी साहिबगंज की 3 विधानसभा सीटों में से दो पर झामुमो का कब्जा है। राजमहल लोकसभा सीट पर भी झारखंड मुक्ति मोर्चा का ही कब्जा है। दूसरी ओर बीते एक साल से झामुमो के वरीय नेता लोबिन हेंब्रम के बगावती तेवर और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर किये जा रहे व्यक्तिगत हमलों को देख कर यह माना जा रहा है कि हेमलाल मुर्मू को इस बार बोरियो सीट से झामुमो प्रत्याशी बना सकता है।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.4 °C	20.4 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.04 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.44 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 31 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in

रामनवमी के दिन निरसा के भुरकुंडाबाड़ी में गोकशी से तनाव, आरोपित के बेटे को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

मुख्य आरोपित हुआ फरार, बंधक बने युवक को बचाने पहुंची पुलिस के तरीके से नाराज ग्रामीणों ने किया हंगामा

स्थिति की गंभीरता देख गांव में की गई पुलिस बलों की तैनाती

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/निरसा। हिंदुओं के पवित्र पर्व रामनवमी के दिन गुरुवार को निरसा थाना क्षेत्र के भुरकुंडाबाड़ी गांव में नसरुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति के घर में गोकशी की घटना से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने नसरुद्दीन के घर धावा बोल दिया। उसके बेटे शहाबुद्दीन अंसारी को बंधक बना लिया। साथ ही गौ मांस को ग्रामीणों ने जब्त कर लिया। आरोपित के घर पर पथराव भी किया। दूसरी ओर, युवक को बंधक बनाए जाने की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंच गई और उसे ग्रामीणों के चंगुल से छुड़कर अपने कब्जे में ले लिया। लेकिन युवक को बचाने की कार्रवाई से ग्रामीण बेहद नाराज हो गए। पुलिस आरोपी को भीड़ से बचाकर जैसे ही उसे साथ ले जाने के लिए वाहन तक पहुंची। तो भीड़ ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। भीड़ ने पुलिस के कई वाहनों को भी पलट दिया। बाद में मौके पर वरीय पुलिस अधिकारी पहुंचे, जिसके बाद स्थिति पर काबू पाया जा सका। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। गांव में पुलिस टीम कैंप कर रही है। पुलिस-प्रशासन की ओर से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है।

गोकशी की घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पलटी पुलिस की गाड़ियां।

आरोपित नसीरुद्दीन के बेटे को पेड़ से बांधकर बंधक बनाये ग्रामीण।

घटना के बाद इलाके में तनाव

घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव कायम है। पुलिस दोनों पक्षों को समझाने में जुटी हुई है। इस घटना के बाद भाजपा के कई कार्यकर्ता और नेता मौके पर पहुंच कर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन लोगों को संदेह हुआ तो उसके घर पर पहुंच गए। देखा कि उसके घर में बछड़े का सिर और मांस को टुकड़ों में करके बोरे में रखा गया है। ग्रामीणों के पहुंचते ही नसरुद्दीन किसी तरह से वहां से भागने में सफल रहा। जबकि उसकी पत्नी तैमून बीवी एवं उसकी दो बच्चियां घर पर हैं। घटना के बाद से पुरुष-महिलाएं सभी आक्रोशित हैं।

आरोपित नसीरुद्दीन की बीवी ने उगला सारा सच

इस बाबत आरोपित की पत्नी तैमून बीवी ने बताया कि भुरकुंडाबाड़ी गांव के ही जाकिर अंसारी एवं छोटू अंसारी के सहयोग से मेरे पति ने बछड़े को जिबह किया है। मेरे पति एवं उसके दोस्त गांव में ही खरीदार खोजने गए थे। इसी बीच ग्रामीण घर पर पहुंच गए। इधर, ग्रामीणों ने आरोपित जाकिर के घर पर जमकर पथराव किया। बतातें चलें कि अभी कुछ दिन पहले निरसा से एक और ऐसा मामला सामने आया था, जिसमें खून टपकते एक ट्रेलर को जब्त किया गया। इसमें गौ मांस लदे होने की आशंका जताई जा रही थी। उस दिन भाजपा नेता रमेश पांडे गोविंदपुर से निरसा आ रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि उनकी गाड़ी के आगे चल रहे ट्रेलर से खून टपक रहा है। उन्होंने इसे रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन ट्रेलर ड्राइवर गाड़ी को और तेजी से भगाने लगा। नेता ने उसका पीछा किया और बाद में स?थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया। इस मामले में ट्रेलर चालक ने सफाई देते हुए कहा कि ट्रेलर में चमड़ा लोड है।

धुर्वा में लहराया झारखंड का सबसे बड़ा 1100 मीटर लंबाई का महावीरी झंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के धुर्वा के टंकी साइड में झारखंड का सबसे बड़ा महावीरी झंडा लहराया गया। झंडा को उठाने के लिए क्रेन की मदद ली गई। करीब 200 लोगों ने झंडे का रस्सी पकड़ा था तब जाकर यह झंडा खड़ा हो सका। समिति के लोगों का कहना है कि हम पिछले 3 दिन से झंडा को खड़ा करने में लगे हैं। लेकिन झंडा काफी बड़ा और भारी होने के कारण बार-बार गिर जा रहा था। तीन बार झंडे का बांस भी टूट गया था। इसलिए आज क्रेन की मदद ली गई। पिछले साल इसी जगह पर 650 मीटर का झंडा फहराया गया था। गूगल में सर्च करने पर भी यह झंडा सबसे बड़ा महावीरी झंडा के रूप में सामने आता है। मोहल्ले वाले 3 महीने पहले से ही रामनवमी की तैयारी करने लगते हैं। महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। रामनवमी से 1 सप्ताह पहले पूरा मोहल्ला ठीक से सो भी नहीं पाता है। सब लोग झंडा को खड़ा करने के लिए उसके पीछे रात दिन लगे रहते हैं।

झंडे का रंग लाल : ग्यारह सौ मीटर का झंडा काफी बड़ा लंबा और चौड़ा है। इस बार झंडे का रंग लाल रखा गया है। पिछले साल का झंडे का रंग पीला है। वह भी अह तक खड़ा है। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, युवा सबने मिलकर क्रेन की मदद से आखिर का झंडा खड़ा कर ही दिया। पूरा मोहल्ला जय श्रीराम के जयकारों से गूंज रहा है।

751 मीटर का झंडा आकर्षण का केंद्र

रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य में गुरुवार को राजधानी रांची में भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। इस वर्ष शोभायात्रा में 751 मीटर की महावीरी ध्वजा आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। इस दौरान पर्व को भव्यता प्रदान करने के लिए पूरा शहर सजकर तैयार था। सड़कों को महावीरी झंडों और पताकों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिरों में बिजली की सज्जा की गयी थी। शहर और आसपास के क्षेत्रों से 300 से अधिक अखाड़े हथियार लेकर ध्वजा, झांकी, तासा, ढ़ोल और नृत्य के साथ जुलूस निकाला। वहीं श्री महावीर मंडल के सचिव मुनचुन राय ने बताया कि शोभायात्रा में झंडे के साथ ढोल-नगाड़ों की विशेष व्यवस्था की गयी थी। इस साल की शोभायात्रा के लिए नागपुर से ताशा कलाकारों की 51 सदस्यों की टीम रांची पहुंच चुकी थी। इसके साथ रामगढ़ से 15 सदस्यों की तासा टीम भी पहुंची। जागरण करने के लिए टीमें 30 मार्च को शाम तक धनबाद और जमशेदपुर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि श्री महावीर मंडल के सदस्य 25 दिन पहले से जश्न के लिए झंडे मंगवा लिये थे और रामनवमी के लिए पिछले एक महीने से तैयारियों में जुटे थे। हर साल झंडे की ऊंचाई बढ़ाने की परंपरा का पालन करते हुए इस साल समिति के कुछ सदस्यों ने पिछले साल की तुलना में अपने झंडे की ऊंचाई बढ़ा दी थी। आरआर स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष राहुल यादव ने कहा कि पूजा उत्सव के लिए नए जोश के साथ हम हर साल झंडे की ऊंचाई बढ़ाते हैं। इस वर्ष क्लब के ध्वज की ऊंचाई 75 से बढ़ाकर 101 फीट कर दी गयी। पिछले 50 सालों से सबसे बड़ा झंडा फहराने वाले रातू रोड निवासी देवेंद्र रजक ने कहा कि हर साल हम झंडे का कुछ आकार बढ़ाते हैं। पिछले साल 621 मीटर का झंडा फहराया गया था। इस साल आकार बढ़ाते हुए हमने झंडे का आकार बढ़ाकर 751 मीटर रखा है। शोभायात्रा के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह का प्रमुख आकर्षण का केंद्र होता है। सर्वश्रेष्ठ झांकी को पुरस्कार दिया जायेगा। युवा रांची महानगर रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष नंद किशोर चंदेल ने कहा कि इस साल हमने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार का दायरा बढ़ा दिया है।

श्री महावीर मंडल रांची ने निकाली भव्य शोभायात्रा

रांची। गुरुवार को श्री रामनवमी मोहत्सव के उपलक्ष्य में श्री महावीर मंडल रांची के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। यह शोभायात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए तपोवन मंदिर पहुंची, जहां राम भक्तों ने भगवान श्री राम के चरणों मे श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्री महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा ने श्री रामनवमी मोहत्सव के उपलक्ष्य में निकली गयी शोभायात्रा शातिपूर्ण और सफल सम्पन्न कराने में सभी छेत्र के नेतृत्वकर्ता एवं अखाड़ाधारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मिश्रा ने बताया कि लाखों की संख्या में शोभायात्रा में शामिल हुए महाबली हनुमान के भक्तों को श्री रामनवमी मोहत्सव के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वागत शिविर लगाने वाले लोगों एवं सामाजिक संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री महावीर मंडल श्री सनातन महापंचायत के समन्वय में निकला ऐतिहासिक जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री महावीर मंडल के अखाड़ाधारी अपने झंडे के साथ जोश उत्साह के साथ निकले। राम के भक्त विभिन्न क्षेत्र के अखाड़ा धारी पंडरा बजरा बनोहरा बड़गाई अरगोड़ा गोंदा सहित विभिन्न अखाड़ों से निकले। श्री सनातन महापंचायत महावीर मंडल के केंद्रीय संजोजक ललित नारायण ओझा के नेतृत्व में 151 झंडे के साथ पंडरा बजरा सहित विभिन्न अखाड़ों के हजारों राम भक्तों के साथ निकले। शोभायात्रा लाहकोठी शिव दुर्गा मंदिर बजरंगबली मंदिर दुर्गा मंदिर महावीर चौक शहीद चौक किराए लाल होते निवारनपुर तपोवन मंदिर पहुंचकर झंडा स्पर्श कराकर पूजा अर्चना की। साथ में झारखंड की उन्नति, विकास उज्ज्वल भविष्य की कामन की। उन्होंने कहा कि रांची के प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने सामाजिक संगठनों स्वागत शिविर का तहे दिल से आभार और अभिनंदन किया, जिन्होंने राम भक्तों को स्वागत किया। श्री सनातन महापंचायत और श्री महावीर मंडल का जुलूस में भाजपा प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर, रांची की मेयर आशा लकड़ा, रांची के विधायक सीपी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित होकर इस रामनवमी जुलूस का उत्साह बढ़ाया। शोभायात्रा में संजय कुमार जयसवाल, संजय मिनोचा, मृत्युंजय शर्मा, चुन्नू मिश्रा, दीपक ओझा, रामाशंकर तिवारी, अमित ओझा, बाबू पाठक, शशांक राज, अमित चौधरी आदि उपस्थित थे।

बड़ागांई से 51 झंडों, आकर्षक झांकी के साथ गगनभेदी जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री महावीर मंडल, रांची के तत्वावधान में 1929 से निकलने वाली शोभायात्रा की एक कड़ी में 1952 से ग्राम बड़ागांई का मुख्य अखाड़ा वेलटंगरा से भी शोभायात्रा प्रारंभ हुई थी। यूं तो 1951 में ही श्रीराम नवमी महोत्सव शोभायात्रा निकालने के लिए द्वारिका महतो, सूरज मिस्त्री, दर्शन महतो, गणपत साहू, भवानी साहू, मलाल मिस्त्री, लोकनाथ महतो, बंधन उरांव, बहादुर पहान, जीवाधन महतो, दशरथ पहान आदि ने बेलटंगरा में बैठक की थी, लेकिन उस साल मुस्लिम समुदाय के विरोध एवं शांति समिति का गठन न होने के कारण प्रशासन ने शोभायात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी, तब बेलटंगरा मुख्य अखाड़ा में ही एक चबूतरा बना कर एवं आम की डाल का खूंटा गाड़ कर एक महावीरी पताका लगाकर शुभारंभ किया गया। 1952 में पिछले साल के विरोध को देखते हुए गांव के प्रमुख लोगों ने श्री महावीर मंडल, रांची से संपर्क किया। उस समय के मंडल पदाधिकारियों किशोरी यादव, झन्नालाल यादव आदि ने सहयोग किया। प्रशासन से मिल-जुलकर लाइसेंस निर्गत करने एवं जुलूस का मार्ग निर्धारित कराने में उन लोगों ने मदद की। इस तरह इस शोभायात्रा की विधिवत शुरुआत 1952 में हुई। तय मार्ग से आज भी शोभायात्रा निकाली जाती है। 19 अप्रैल, 1956 प्रशासन ने सौ आदमी, पांच बजे, पांच तलवार, 25 लाठी, दो झंडा की अनुमति प्रदान की थी। जुलूस का लाइसेंस द्वारिका महतो के नाम निर्गत हुआ। 1953 में द्वारिका महतो के नेतृत्व में बेलटंगरा में श्रीश्री हनुमान मंदिर का निर्माण कराया गया, जो आज भी है। बड़ागाई वासी पहली बार 1952 में लगभग सात सौ से एक हजार की संख्या में स्त्री, पुरुष एवं बच्चे मिल कर रांची के महावीर चौक स्थित हनुमान मंदिर पहुंच कर मुख्य शोभायात्रा में शामिल होकर निवारणपुर स्थित राममंदिर में महावीरी पताका सहित पूजा-अर्चना की थी। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ग्राम बड़ागाई में महाअष्टमी की रात अस्त्र-शस्त्र व गाजे-बाजे के साथ झांकी निकाली गयी थी। सभी महावीरी चबूतरा में महावीरी पताका / झंडा खड़ा किया गया।

गुरुवार को महानवमी के पावन वेला में 11:30 बजे विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू ने झंडा धारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए प्रस्थान किये। श्री महावीर मंडल बड़ागाई के अध्यक्ष डॉ जीवाधन प्रसाद, मंत्री बस कुमार साहू, रामदास साहू, अशोक साहू, रामचंद्र साहू, दीपक साहू, शेखर साहू, मनीष साहू, रमेश तिर्की, बैजनाथ महतो, रामदास महतो आदि के संयुक्त नेतृत्व में बड़ागाई मुख्य आखाड़ा बेल टंगरा से 51 महावीरी पताका / झंडा, अस्त्र-शस्त्र, बाजे गाजे एवं आकर्षक झांकी के साथ गगनभेदी जयकारों के बीच शोभा यात्रा निकली गयी। चबूतरों में खड़े महावीरी पताका को ग्राम भ्रमण कराया गया। प्रत्येक घर के सामने घर की महिलाएं पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किये। निर्धारित मार्ग से ग्राम भ्रमण कर समस्त ग्रामवासी महावीरी पताकों को लेकर मेन रोड होते हुए निवारनपुर स्थित तपोवन हनुमान- श्रीराम मंदिर गये। वहां पूजन-अर्चन कर पुनः गांव वापस आये। मुख्य अखाड़ा बेल टंगरा पहुंचने पर झंडा धारियों का पारंपरिक गीतों से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। प्रसाद के रूप में शरबत पिलाये तथा पैर पखारते हुए आशीर्वाद प्राप्त किये। यह जानकारी श्री महावीर मंडल, बड़ागांई के मंत्री बस कुमार साहू ने दी।

रांची के करोड़पति कारोबारी अश्विनी जायसवाल की जमशेदपुर के होटल में सदिग्ध अवस्था में मौत

युवती के साथ पति बन कर रह रहा था जमीन कारोबारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/जमशेदपुर । साकची थाना क्षेत्र के होटल देवदूत में ठहरे रांची के एक युवा करोड़पति कारोबारी की गुरुवार की सुबह 10 बजे रहस्यमय तरीके से मौत हो गयी। उसकी मौत होने की पुष्टि टीएमएच के डॉक्टरों ने तब की, जब उसे टीएमएच ले जाया गया था। उसके साथ एक युवती भी थी। घटना की जानकारी पाकर साकची पुलिस की परेशानी बढ़ गयी है और पूरे मामले की जांच में जुट गयी है।

कारोबारी की पहचान रांची के लालपुर, हजारीबाग रोड देवी मंदिर के बगल के रहनेवाले जमीन कारोबारी अश्विनी जायसवाल (27) के रूप में हुई है, जबकि युवती सरायकेला-खरसावां जिले के बड़ा गम्हरिया साइनगर की रहनेवाली है। घटना के समय साथ में युवती भी थी। बातचीत में युवती ने बताया कि उसने अश्विनी से दो माह पूर्व ही शादी की थी। उसकी मौत कैसे हुई है, उसे भी पता नहीं है। सुबह के 9.30 बजे जब वह होटल देवदूत के कमरे से निकलकर चिल्लाने लगी थी, तब होटल के कर्मचारियों को इसकी जानकारी मिली थी। इसके बाद अश्विनी को टीएमएच ले जाया गया था, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अश्विनी और युवती दोनों साथ में 11 दिनों से होटल में रह रहे थे। होटल के कर्मचारियों को दोनों ने बताया था कि वे पति-पत्नी हैं। गुरुवार को अचानक युवती चिखने-चिल्लाने लगी ,तब होटल के कर्मचारियों को घटना की जानकारी मिली। यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि हो सकता है हार्ट-अटैक आने से कारोबारी की मौत हुई हो। युवती का कहना है कि अश्विनी की तबीयत बुधवार की देर रात ही बिगड़ गयी थी। इस बीच उसने आदित्यपुर थाने में भी फोन किया था, लेकिन वहां की पुलिस ने यह कह कर रिस्पांस नहीं दिया कि मामला साकची थाने का है। गुरुवार की सुबह 9.30 बजते-बजते कारोबारी की हालत काफी बिगड़ गयी थी, तब युवती चिल्लाने लगी थी। अश्विनी और युवती के बारे में बताया जा रहा है कि दोनों बीएमडब्ल्यू कार से होटल देवदूत पहुंचे हुए थे, तबीयत बिगड़ने पर होटल की ओर से ही आपात घड़ी में एंबुलेंस की व्यवस्था कर उसे एमजीएम अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन युवती के कहने पर अश्विनी को टीएमएच में लेकर गये, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अब अश्विनी के परिवार के लोगों के आने के बाद ही पता चलेगा कि आखिर उसकी मौत कैसे हुई है और युवती कौन है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 31 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in
04

रामनवमी पर जय श्रीराम के जयकारे से गूंजा कोडरमा, सड़कों पर उमड़ा रामभक्तों का सैलाब

डंके की आवाज और महावीरी ध्वज लिये रामभक्तों ने दिखाया पराक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। अद्भुत खेल पारंपरिक अस्त्र शस्त्रों के साथ विहंगम दृश्य गुरुवार को कोडरमा जिले की सड़को पर दिखा। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव का महापर्व रामनवमी की शान से पूरा जिला जय श्री राम के जयकारे से गूंज उठा। रामनवमी के भजनों से एक एक गली और चौक चौराहे गूंज रहा था। डंके की आवाज राम भक्तो का जोश बढ़ा रहा था। तो दूसरी तरफ बड़े बड़े महावीरी ध्वज थामे भक्तों की भीड़ जय श्री राम के जयकारे के साथ शौर्य का प्रदर्शन कर रहे थे। हर और महावीरी ध्वज ही लहरा रहे थे। रामभक्तो का यह जोश और उत्साह सालों बाद सड़कों पर फिर देखने को मिला। पारंपरिक अस्त्र शस्त्र के प्रदर्शन के साथ लाठियो का अद्भुत खेल दिखाते युवा खिलाड़ियों के जुनून को हिंदू संगठन के कार्यकर्ता उत्साह बढ़ा रहे थे। अहले सुबह से ही हे बजरंगबली, दुखियों का दुखड़ा दूर करो, संकट मोचन कहलाओ तुम, है मयार्दा पुरुषोत्तम बोलो तुमने मयार्दा क्यों तोड़ दी, श्रीराम जानकी बैठे.. जैसे भजन और डंके की आवाज ने राम भक्तो की नींद तोड़ा। दिन में लाठियो के साथ पारंपरिक अस्त्र शस्त्रों के साथ खिलाड़ी अपना शक्ति प्रदर्शन दिखाने सड़क पर निकले। हर एक राम भक्त भगवान राम की भक्ति में डूबा दिखा। कोडरमा, झुमरीतिलैया, सतगावां, मरकच्चो, चंदवारा, जयनगर और डोमचांच समेत अन्य जगहों पर शौर्य पराक्रम का प्रदर्शन भी हुआ। इस दौरान सुरक्षा को लेकर कोडरमा में एसडीओ संदीप कुमार मीणा, एसडीपीओ प्रवीण पुष्कर पेट्रोलिंग

करते दिखे। थाना प्रभारी द्वारिका राम भारी संख्या में पुलिस बल के साथ तैनात थे। अलग अलग इलाके से करीब 30 से अधिक अखाड़ा समितियों के नेतृत्व में खिलाड़ियों की भीड़ लाठी और अस्त्र शस्त्र लिए कई चौक चौराहे में जुटे।

झुमरीतिलैया में देर रात तक होता रहा प्रदर्शन : झुमरीतिलैया शहर और ग्रामीण इलाकों से दर्जनों की संख्या में अखाड़ा समितियों के खिलाड़ी झंडा चौक पहुंचे और अपने शौर्य पराक्रम का प्रदर्शन शुरू किया। रामभक्तो के जोश से पूरा चौक समेत शहर के कई इलाकों में जनसैलाब उमड़ पड़ा। चारो तरफ राम भजनों की धुन के साथ डंके की आवाज के बीच खिलाड़ी अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे थे, और जय श्री राम के साथ माता सीता और संकट मोचन हनुमान का जयकारा लगा रहे थे। इस दौरान पांव रखने तक की जगह लोगो को नही मिली।

विभिन्न अखाड़ा समितियों ने झांकियों के साथ निकाला जुलूस : कोडरमा में महारामनवमी पर सुंदर झांकियों को निकाला गया। इस दौरान अखाड़ा समितियों के लोगों ने परंपरा हत्यारों लाठियां के साथ शानदार खेल का भी प्रदर्शन किया। कोडरमा में इंदरवा परिसर से शुरू होकर जलवाबाद, नगरखारा आदि जगहों से लोग पहुंचे, जो देर रात तक आने-जाने का सिलसिला चलता रहा। वहीं डोमचांच में इस दौरान विभिन्न स्थानों से निकाले गए आकर्षक झांकी लोगों को बरबस कई युगों की यादें ताजा कर दी। जिसमें भगवान राम के विभिन्न अवतारों, राम सीता विवाह आदि कई मनमोहक झांकी आकर्षक रूप से सजाया गया था।

हर अखाड़ा दल का किया गया स्वागत : वहीं जिले के कोडरमा समेत अन्य जगहों पर विभिन्न स्थानों से आने वाले सभी अखाड़ा दलों के लिए जहां एक ओर जिला प्रशासन वहीं दूसरी ओर विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल आदि का मंच सुसज्जित था, वहीं अपने अखाड़ा से शहरों की ओर आने पर विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था की गयी थी। अखाड़ा दलों का ध्वनि विस्तारक यंत्र से जोरदार स्वागत किया जा रहा था। जिससे अखाड़ा दलों में शामिल लोगों का उत्साह काफी दुगना हो जा रहा था। कोडरमा के जलवाबाद में निकाले गए जुलूस में उमेश राम, अनिल राम, विनोद राम, धीरज राम, अमित कुमार, संतोष कुमार, सुमित कुमार, मनीष कुमार, झुन्नी कुमार, मनोज कुमार, भोला कुमार, बबलू कुमार, बंटी कुमार, संजय पासवान, गुड्डू कुमार, ईशु कुमार, मंकू कुमार, मोनू कुमार, नीरज कुमार, सूरज कुमार, सुधांशु कुमार, अनिल सिंह, अवधेश कुमार, बबलू सिंह, संदीप साव, बंटी साव, दीपक कुमार, वीरेंद्र कुमार सिंह, सिद्धार्थ कुमार, प्रदीप राम, चंदन कुमार, रंजन कुमार, विक्की चंद्रा, अजय पांडे, गोपाल कुमार, मनोज कुमार झुन्नू, अमित कुमार आदि शामिल थे। **कलंदरिया एसोसिएशन ट्रस्ट ने जुलूस में शामिल लोगों के बीच बांटे पानी :** कोडरमा थाना अंतर्गत नगरखारा जलवाबाद में रामनवमी के जुलूस शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में निकाला गया। इस दौरान डीजे के धुन पर रामभक्त जय श्री राम के नारे लगाते दिखे। वहीं जलवाबाद में सांप्रदायिक सौहार्द और एकता की मिसाल देखने को मिली। जहां कलंदरिया एसोसिएशन ट्रस्ट के द्वारा रामनवमी जुलूस में शामिल हुए लोगों को पानी की बोतल बांटी तो रामभक्तों ने भी मुस्लिम युवाओं से गले मिल उनका धन्यवाद किया। इस दौरान ट्रस्ट के एडवाइजर मोहम्मद फैज वारसी ने कहा कि हमने विभिन्न समुदायों के लोगों के बीच स्नेह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पानी की बोतलों को वितरित करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के हाजी आफताब आलम, सचिव मो सकीब, मो शाहबाज प्रिंस, ऐयाज, बलिस्टर, मो रियाज, प्रवेज, मो इरशाद, दानिश हयात, गुलाम मुस्तफा, फैजान, अनस आदि की भूमिका अहम रही।

प्रशासन की रही चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था : रामनवमी जुलूस के दौरान प्रशासन की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था दिखी। जलवाबाद में जुलूस के आगे एसडीओ ससंदीप कुमार मीणा, एएसपी प्रवीण पुष्कर और कोडरमा थाना प्रभारी द्वारिका राम पुलिस बल के साथ पैदल चलते नजर आये।

राम जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। राम जन्मोत्सव पर रामनवमी महापर्व को लेकर रामभक्तो ने भव्य मोटरसाइकिल शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा दुर्गा पूजा शोभा समिति, विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड समिति बरकट्ठा के बैनर तले श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य बाइक शोभायात्रा निकाला गया जिसकी अगुवायी प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव ने किया। शोभायात्रा दुर्गा मंदिर से नगर भ्रमण करते हुए दुर्ग बरकट्ठा गोरहर थाना से होते हुए बरकट्ठा प्लस टू हाई स्कूल बरकट्ठा से वापस बाजार रोड़ होते हुए बुढ़िया माता मंदिर से पुनः वापस दुर्गा मंदिर बरकट्ठा में समापन किया गया। रामनवमी के अवसर पर बरकट्ठा समेत विभिन्न गांवों के दुर्गा मंदिरों में आकर्षक मूर्ति लाइट व लाउडस्पीकर लगाया गया है जहां भक्ति गीतों के धुन पर श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ रही है रामनवमी पूजा समिति व शोभा समिति के संयुक्त प्रयास से पूजा को सफल बनाने की कोई कोर कसर नही छोड़ रहे है वही शोभायात्रा के दौरान मुख्य रूप से विधायक अमित कुमार यादव जीप सदस्य कुमकुम देवी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, पंसस प्रतिनिधि संजय गुप्ता, जिला परिषद प्रतिनिधि सीके पांडेय, बजरंग दल संयोजक दीपक राणा, प्रचार प्रसार प्रमुख धीरज गुप्ता, रानी कुमारी, सुरेश पांडेय, सुमन गुप्ता, दीपक महाकाल, पूर्व पंसस प्रतिनिधि अशोक गुप्ता, रामनवमी पूजा समिति अध्यक्ष रामखेलावन यादव, शोभा समिति अध्यक्ष महेश मंडल, मिथलेश भारती, विक्की गुप्ता, विक्की चंद्रवंशी, युवराज गुप्ता, राज गुप्ता, विश्वाश चंद्रवंशी, राजेन्द्र यादव, रामदेव यादव, सुजल राज, राजकुमार मंडल, सूरज श्रीवास्तव, रंजन यादव, विशाल कुमार, रामजी मंडल, गुड्डू गुप्ता, दिलीप दास, बिट्टू मोदी धीरज गुप्ता, अशोक गुप्ता समेत बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुये।

राम की पूजा अर्चना कर निकाली शोभा यात्रा

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र का विख्यात रामनवमी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है झरपो स्थित देवी मंडप से अस्त्र शस्त्र की पूजा कर भव्य रामनवमी के उपलक्ष्य में शोभा यात्रा निकाला गया, इस कार्यक्रम में बजरंग दल संघर्ष समिति के नवयुवक संघ ने पंकज कुमार, सह संयोजक साहिल रंजन, धर्म प्रसार प्रमुख पिंटू सोनी सुरेस मिश्र, सत्संग प्रमुख अरविंद पांडेय, दुर्गा वाहिनी की सभी सदस्य, उप प्रमुख रवि वर्णवाल, मुखिया शिबू प्रसाद सोनी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह सांसद प्रतिनिधि उमेश प्रसाद, छोटन कुमार सरयू प्रसाद, ने शस्त्र का पूजन के जय श्री राम का नारा लगाते हुए निकल गए इस अवसर पीआर रवि कुमार पंकज सोनी, करण कुमार, गौरव कुमार, रिशु कुमार वर्णवाल, उत्तम गुप्ता, केदार गौरव, रवि यादव, छोटन कुमार दास, राम राज, अर्जुन रविदास, विकाश वर्णवाल, चीकू वर्णवाल, रोहित माली, विशाल, सूरज, श्याम पंडा, राहुल पंडा, रोशन पंडा, सहित महिलाएं ने भाग लिया इनके अलावा 200 से अधिक संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।

बरसोत मेला में श्रद्धालुओं की निःशुल्क सेवा

बरही (आजाद सिपाही)। महारामनवमी के अवसर पर बरसोत सार्वजनिक वासंती दुर्गा मंडप परिसर में स्थानीय मेला के अवसर पर मुखिया मोतीलाल चौधरी के सौजन्य से नींबू शर्बत, पानी-चाय एवं चना गुड बेदाम का उत्तम व्यवस्था की गयी है। मुखिया मोतीलाल चौधरी ने मेला में आए श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि निःशुल्क सेवा को अनुगृहित करें। वहीं उन्होंने बताया कि मेला में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन की गयी है। व्यवस्थापक मुखिया मोती लाल चौधरी, पंचायत समिति प्रतिनिधि सुजीत कुमार, पत्रकार प्रभाकर पाठक, वासंती दुर्गा पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष रूपेश कुमार, युवराज मनोज कुमार देव, समाजसेवी मुक्तेश्वर पाठक, पूर्व उप मुखिया प्रतिनिधि पप्पू पांडेय, भाजपा के अरविंद रामराज आदि हैं।

डीजे को प्रशासन ने किया जब्त

पदमा (आजाद सिपाही)। पदमा प्रखंड के दोनई कला में गुरुवार को पदमा प्रशासन ने रामनवमी जुलूस के डीजे को जप्त कर लिया। ज्ञात हो कि इस बार रामनवमी में डीजे पर पूरी तरह रोक लगा दिया गया है। इस संदर्भ में पदमा थाना प्रभारी ने बताया कि पिकअप गाड़ी के साथ डीजे को जप्त करते हुए सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जायेगा। जप्ती के दौरान पदमा सीओ मोजाहिद अंसारी, पदमा बीडीओ मनीष कुमार के साथ पदमा पुलिस उपस्थित रहा।

रामनवमी पर विशाल भंडारे का आयोजन

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्राम दशारो में पूजा समिति व भंडारा सेवा समिति दशारो के द्वारा रामनवमी के अवसर पर गुरुवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। क्षेत्र के हजारों भक्तों ने खीर-पूड़ी सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर जिप अध्यक्ष रामधन यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, प्रखंड प्रमुख मरकचो विजय कुमार सिंह, स्थानीय मुखिया उपासना देवी, पंसस जाकिर हुसैन मुख्य रूप से उपस्थित थे। भंडारा सेवा समिति के अध्यक्ष पुनीत राणा व सचिव सुरेश राणा ने संयुक्त रूप से बताया पिछले कई वर्षों से लगातार रामनवमी वाले दिन भंडारे का आयोजन किया जाता है। भंडारे को सफल बनाने में पंचदेव यादव, सुरेश राणा, मिंटू राणा, पंकज राणा, यमुना राणा, सुरेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, सुरेश रजक, अभिमन्यु राणा, सुरेश यादव, मुकेश राणा, पूजा समिति अध्यक्ष अरुण यादव, पूजा प्रभारी अर्जुन यादव, राजेश यादव, विजेंद्र ठाकुर, बीरेंद्र ठाकुर, प्रदीप यादव, सहदेव पासवान, वीरेंद्र यादव, सरजू चौधरी, सुनील राणा समेत कई ग्रामीणों की भूमिका सराहनीय रही।

हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। मरकच्चो प्रखंड के बेरहवा जंगल को हाथियों का झुंड ने महीनों दिन से अपना बसेरा बना लिया है। दिनभर जंगल में आराम करने के बाद रात में हाथी खाना की तलाश में निकलते हैं। रात्रि में मदमस्त होकर हाथी फसल के साथ-साथ अन्य सामानों को भी बर्बाद करता है। बुधवार की रात्रि हाथियों का झुंड बेरहवा जंगल स्थित कर्मा धाम में जमकर उत्पात मचाया। वहां कर्मा धाम में लगे कई गेट, पंडितों के सामान रेरखने वाला खपरैल का मकान, कृष्णकांत पांडे के द्वारा लगाया गया गुमटी, पेयजल का नल, शौचालय का दरवाजा, वन विभाग द्वारा लगाए गए कई बोर्ड समेत कई सामानों को नुकसान पहुंचाया है। वही कर्मा धाम मंदिर परिसर में लगे वटवृक्ष को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। कर्मा धाम परिसर में हाथियों के उत्पात से वहां रह रहे पंडितों दुकानदारों एवं पूजा करने आने वाले ग्रामीणों में काफी भय का माहौल है। वहां रह रहे पंडितों दुकानदारों व कर्मा धाम के श्रद्धालुओं ने वन विभाग से कर्मा धाम परिसर में बड़े सोलर लाइट लगवाने की मांग की है। वहीं दूसरी और हाथियों के झुंड ने पपलो पंचायत के ग्राम महुवा टांड निवासी इसराइल अंसारी का आम बागवाणी व अब्दुल हमीद के प्याज व चना को भी खाकर व रोंद कर बर्बाद कर दिया।

रामनवमी पर निकाली गयी शोभा यात्रा

सतगावां (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बासोडीह बाजार में गुरुवार को रामनवमी पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष बबलू सिंह, शिवराज सिंह, बजरंग दल के बबलू कुमार वर्णवाल के प्रयास से बाद भव्य जुलूस यात्रा निकाला गया जिसमें प्रखण्ड के हरेक पंचायत के नौजवान, सभी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यहां थाना प्रभारी आनंद कुमार साह के नेतृत्व में थाना के जवान और जैप के जवान मुस्तैद थे, और पूरे भीड़ को ड्रोन कैमरे से नजर बनाए रखे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम, बीडीओ बैधनाथ उरांव, बीईईओ मोहम्मद शेख शकील अहमद, इंस्पेक्टर निरंजन उरांव, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी विजयशंकर, जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी, उपप्रमुख मनोज निराला, सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव, बालमुकुंद सिंह, विधायक प्रतिनिधि धनन्जय यादव, जयशंकर प्रसाद, रंजीत सिंह, मनोज भगत, भोला सेठ, विकास कुमार, विकास राणा, रामविलास यादव, रंजन कुमार, सुजीत कुमार, विजय सिंह, राजेश यादव, विक्रम यादव, मुन्ना यादव, अखलेश यादव, मोहन यादव, राजेश कुमार, मोहन लाल मौजूद थे।

दर्जनों झांकी के साथ पहुंचे हजारों राम भक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड में मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्मोत्सव महारामनवमी के अवसर पर 81 वर्षों से आयोजित ऐतिहासिक हरली रामनवमी मेला में गुरुवार को क्षेत्र के 83 गांव व अखाड़ों से सैकड़ों महावीरी झंडा दर्जनों झांकी व पारंपरिक हथियार के साथ हजारों हजार राम भक्त का जनसैलाब पहुंचकर मेले में अपना-अपना सनातन धर्म आधारित प्रदर्शन किया। साथ ही साथ कई लोगों ने लाठी समेत पारंपरिक हथियारों का बेहतर कला प्रदर्शन किया जिसे हरली रामनवमी महासमिति की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए हौसले को बुलंद किया।वही त्यौहार को शांतिपूर्वक, हर्ष उल्लास के साथ मनाने को लेकर बड़कागांव प्रशासन व पुलिस अलर्ट रहे। जिसको लेकर प्रखंड के दर्जनों स्थानों पर जिला प्रशासन के निर्देशन में एनटीपीसी द्वारा सीसी कैमरा लगाकर निगरानी की गई।

मेले में कहां- कहां से पहुंचे महावीरी झंडा ,जुलूस व झांकी लेकर राम भक्त : पूर्वजों द्वारा 1942 से लगाए जा रहे ऐतिहासिक हरली रामनवमी मेला स्थल में जहां एक दिशा व छोर से मोतरा, अंबाजीत, चपरी, जोराकाठ, सेहदा, गोंदलपुरा, गाली, बलौदर, राउतपारा, बादम, एवं महूंगाई कला, महूंगाई खुर्द, सोती से हरली हाई स्कूल पहुंचे। वहीं दूसरी दिशा व छोर से नापोकला, मधुईया ढाब, कुतुलुवा, चुनातरी, बेला बेलतौल से हरली शिव मंदिर स्थल पहुंचे। तथा तीसरी दिशा व छोर से गुसाई बलिया, गंगादोहर , तलसवार, सिमरातरी, नयाटांड़, महूदी छोड़, सोनपुरा , शिवाडीह, सांढ़-छपेरवा, पिपराडीह, विश्रामपुर से हरली विवाह भवन चौक पहुंचे। जहां पर उक्त सभी स्थलों पर पहुंचे राम भक्तों को हरली रामनवमी महासमिति की ओर से स्वागत के उपरांत मेला स्थल पहुंचकर अपना-अपना कलात्मक, सांस्कृतिक व धार्मिक प्रदर्शन किया।

रामनवमी त्योहार को शांति पूर्वक संपन्न कराने को लेकर प्रशासन व पुलिस अलर्ट 15 जगहों पर लगाए गए सीसी कैमरा - जहां एक ओर हजारीबाग जिला प्रशासन के निर्देशन में बुधवार को बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांव में एसडीपीओ अमित कुमार सिंह एवं बीडीओ सह सीओ जितेंद्र कुमार पांडे के नेतृत्व में तथा पुलिस इंस्पेक्टर नीरज कुमार सिंह एवं थाना प्रभारी विनोद कुमार तिर्की के देखरेख में रैपिड एक्शन फोर्स का भ्रमण कराया गया। मेले को संपन्न कराने में मुख्य रूप से महासमिति अध्यक्ष रामसुंदर दांगी, सचिव उमेश कुमार, कोषाध्यक्ष धनेश्वर महतो, संयोजक उमेश दांगी, महेंद्र महतो, सुरेश दांगी, भुनेश्वर महतो, विगेश्वर महतो पुजारी सबूर महतो, मुखिया कविता देवी पंसस कोशीला देवी उप मुखिया सुनील कुमार, उपाध्यक्ष नरेश कुमार, उप सचिव प्रेम कुमार भारती, पूर्व अध्यक्ष त्रिवेणी महतो, पूर्व पंसस उपेंद्र कुमार, कार्तिक उर्फ दिनेश्वर महतो, केशव नाथ महतो, संतोष कुमार राणा, कन्हाई कुमार बालेश्वर कुमार, प्रदीप कुमार, सेवंती कुमारी हरली पूजा समिति सदस्यों एवं महलदारों का सराहनीय योगदान रहा। मेले में मुख्य रूप से मंच का उद्घाटन पूर्व सासंद भुनेश्वर मेहता, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पूर्व जिला परिसर सदस्य सह प्रमुख टुकेश्वर महतो, पूर्व डीएसपी मुटुकधारी महतो, आजसू पार्टी के केंद्रीय महा सचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रौशन लाल चौधरी, केंद्रीय सदस्य सन्दीप कुशवाहा, मुखिया कविता देवी, पूर्व मुखिया महेंद्र महतो,जय नरायण प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर महतो समेत अन्य लोगों मौजूद थे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले गांव व अखाडों को हरली रामनवमी महासमिति की ओर से पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित रामनवमी के अवसर पर ऐतिहासिक मेला हरली में बेहतर प्रदर्शन करने वालों में रामनवमी महासमिति की ओर से प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं अन्य लोगों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बेडमका में भक्ति जागरण का आयोजन

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। टाटीझरिया प्रखंड के खैरा पंचायत अंतर्गत बेडमका में भक्ति जागरण का आयोजन अष्टमी के रात को किया गया। भक्ति जागरण का कार्यक्रम रामनवमी पुजा समिति के बैनर तले किया गया जिसमें रामगढ़ के कलाकारों ने भाग लिया । समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि जागरण कार्यक्रम होने से क्षेत्र में भक्ति का माहौल बनता है साथ ही महिला-पुरुष एवं युवाओं में भक्ति का प्रेम बढ़ता है । जागरण में बेडमका समेत आस पास के महिला, पुरुष एवं युवाओं ने उमंग के साथ मनोरंजन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि महेश अग्रवाल, मुखिया प्रतिनिधि मिथलेश वर्मा एवं पंसस विनय दास उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष रंजीत कुमार, सचिव केदार प्रसाद, कोषाध्यक्ष सौरभ सिंह, सदस्य प्रमोद सिंह, समन कुमार, शंकर शर्मा, बिनोद महतो, सेवा महतो, मनिष यादव, शम्भु प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, पप्पु रविदास, राजेंद्र प्रसाद, राजेश रविदास, राजु पासवान, साहेब पासवान, मनोज कुमार, अनिल कुमार, बिशुन महतो, दीपक कुमार, कृष्णा प्रसाद, बद्री प्रसाद, विरेन्द्र कुमार, युगल प्रसाद समेत गांव के लोग शामिल हैं।

तैलिक साहू समाज ने निकाला नवमी जुलूस

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। तैलिक साहू समाज समिति ओकनी द्वारा शहर के विभिन्न मार्गों में भव्य और आकर्षक नवमी जुलूस निकाला गया। जुलुस में विशेष रूप से सदर विधायक मनीष जायसवाल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और रामभक्तों का उत्साहवर्धन किया। तैलिक समाज के लोगों ने सदर विधायक श्री जायसवाल सहित अन्य आगंतुक अतिथियों का भवगा पगड़ी बांधकर ओकनी मोड़ के समक्ष स्वागत किया। तत्पश्चात महावीरी पताखा और भगवा ध्वज हाथों में लेकर विधायक जायसवाल ने अगुवाई करके इस जुलुस का श्रीगणेश कराया। जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से होकर पुनः ओकनी साईं मंदिर के समक्ष पंहुचकर संपन्न हुआ। इस क्रम में पूरा शहर भगवामय और भक्तिमय हो गया। तैलिक समाज के महिला- पुरुष, बच्चे- बूढ़े और नौजवान के साथ अन्य समाज के लोगों द्वारा हाथों में महावीरी पताके लिए कतारबद्ध तरीके से जय श्री राम, जय वीर बजरंगी का नारा लगाते हुए गुंजायमान करके चल रहे थे तो पुरुष वर्ग हाथों में लाठी, डंडा और तलवार लिए तासों की तड़तडाहट के संग अपना हैरतअंगेज करतब दिखा रहे थे। यह मनभावन नजारा देखते ही बन रहा था ।

सौ से अधिक झांकियां आज निकलेंगी हजारीबाग की सड़कों पर

36 घंटे रामभक्त सड़क पर उतर लगायेंगे जय श्रीराम के जयकारे

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही संवाददाता)। हजारीबाग का इंटरनेशनल रामनवमी को लेकर महीनों से जारी प्रशासन और रामभक्तो की तैयारी पूरी हो चुकी है। आज दशमी की रात सौ से अधिक झांकियां हजारीबाग की सड़को पर उतरेंगी जो एकादशी को देर शाम समाप्त होगी। रामभक्त 36 घंटे से अधिक समय तक सड़क पर उतर जय श्री राम के जयकारा करेंगे। सैकड़ों अखाड़ों के लोग भगवान श्रीराम के आदर्शों का अनुशरण करते हुए साम्प्रदायिक सद्भाव और भाईचारगी का संदेश देने हेतु हाथों में केशरिया परचम लिए एक अद्भूत जोश, जूनून और

उमंग के साथ तासों की पुरनूर झंकार और गडगड़ाहट, लाठियों के तड़तडाहट, नुक्कड़ों के शोर के जोर संग थिरकते- नाचते- झूमते सड़क पर उतरेंगे। इस दौरान सामाजिक जागरूकता, राष्ट्रीय एकता, भारतीय संस्कृति और सभ्यता, धार्मिकता और सामाजिकता के साथ भाईचारगी का संदेश बिखेरता दर्जनों ऐतिहासिक झांकियों का कतारबद्ध कारवां, नन्हें- नन्हें विद्युतीय बल्बों से निकलती रोशनी के बीच चुंधियाती आंखें और अखाड़ा धारियों द्वारा लाठी, डंडा, भुजाली, तलवार आदि से कला- कौशल का हैरतअंगेज कारनामे दिखाना जुलुस को और मनोहारी बना देता है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, देवों के देव महादेव और वीर बजरंगबली के नारे से हजारीबाग के चारों दिशाएं गूंज उठती है। जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के सेवार्थअल्पाहार हेतु चना और पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी और खोया- पाया केंद्र भी लगाया जायेगा। हजारीबाग रामनवमी जुलूस का मार्ग भी सुनिश्चित किया गया है। झंडा चौक, बड़ा अखाड़ा, महावीर स्थान चौक, ग्वाल टोली होते हुए जामा मस्जिद रोड में जुलूस समाप्त होता है। झंडा चौक के निकट प्रशासन का वॉच टावर बनाया गया है, जहा से जिले के वरीय पदाधिकारी पूरे जुलूस पर नजर

दशमी मेले में महा भंडारा का आयोजन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव के सिकरी पंचायत में महा रामनवमी पूजा के शुभ अवसर पर दशमी के दिन मेले में प्रिया सेनेटरी बड़कागांव के प्रोपराइटर सत्येंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा नौ कन्या पूजन, भोजन एवं महा भंडारे का आयोजन मेला प्रांगण में दोपहर 3:00 बजे से मेला समाप्ति तक किया जायेगा । महा भंडारे में खीर एवं पुरी की व्यवस्था की गयी है। इसकी जानकारी सत्येंद्र गुप्ता के द्वारा दी गयी है। मेले में आने वाले तमाम श्रद्धालुओं आग्रह होगा कि आप सब महा भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए प्रसाद वितरण स्थल पर पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करें और आयोजन कर्ता के आयोजन को सफल बनाने में आप सब अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। महा भंडारे के आयोजन में सहयोग कर्ता के रूप में सत्येंद्र कुमार गुप्ता, रोहित कुमार गुप्ता, दीपक कुमार गुप्ता, अंकित कुमार गुप्ता, रोहित कुमार गुप्ता, पृथ्वीराज गुप्ता, देवेंद्र कुमार गुप्ता, अशोक कुमार शर्मा, भोला कुमार गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार गुप्ता, अजय कुमार गुप्ता, अंशु कुमार गुप्ता, सोनू कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, राहुल कुमार गुप्ता, अभिषेक कुमार गुप्ता, सचिन कुमार गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता, आशीष कुमार दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहेंगे ।

जय श्रीराम-जय हनुमान के जयकारों से गूंजा भुरकुंडा का रामनवमी मैदान

आस्था और विश्वास का उमड़ा जन सैलाब, कई गांवों से निकाली गयी आकर्षक झांकियां

आजाद सिपाही संवाददाता

भुरकुंडा। जय श्रीराम-जय हनुमान आदि भक्ति उद्घोषों से गुरूवार को भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास का ग्रामीण इलाका गूंजता रहा। अवसर था श्री राम नवमी पर्व का। पर्व को ले श्रीश्री रामनवमी पूजा समिति लक्ष्मी टॉकीज भुरकुंडा के तत्वावधान में ऐतिहासिक रामनवमी मैदान में आयोजित मेला में हजारों की संख्या में श्रीराम-हनुमत भक्त महावीरी पताकों व आकर्षक झांकियों के साथ शामिल हुए। भुरकुंडा, भदानीनगर, लपंगा, बासल, सौंदा डी, सेंट्रल सौंदा, रिवर साईड सहित ग्रामीण इलाको में रामनवमी पर्व हर्षोल्लास, धूमधाम व एकता-भाईचारगी के साथ मनाया गया। लक्ष्मी टॉकिज भुरकुंडा स्थित ऐतिहासिक रामनवमी मैदान में रामनवमी का भव्य मेला लगा। जिसमें जन सैलाब उमड़ा। जुलूस की शक्ल में दर्जनो अखाड़े व समितियों की टीम गाजे-बाजे व महावीरी झंडे के साथ आयोजन स्थल तक पहुंचे। इस दौरान कई झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रही। खिलाड़ियों ने पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन कर सबको रोमांचित कर दिया। वहीं रामनवमी मेले में उच्चे झंडे की होड़ लगी रही। रामनवमी मेला में आये विभिन्न समितियों व अखाड़ों के विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा मेडल-ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर रामनवमी मैदान में जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के मदेनजर भीड़ पर ड्रॉन कैमरा से नजर रखी जा रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सह पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम व संचालन कोषाध्यक्ष योगेश दांगी, मीडिया प्रभारी रितेश मिश्रा अमित साहु ने संयुक्त रूप से किया। अवसर पर मुख्य रूप से

पतरातू प्रखंड प्रमुख कौशल्या देवी, जिप उपाध्यक्ष रीता देवी, प्रखंड उपप्रमुख बबीता पांडेय सहित रामफल बेदिया, दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव, जगतार सिंह, अमरेश सिंह, राजेश्वर शर्मा, शिवचरण महतो, संजय वर्मा, देवानंद महतो, अशोक सोनी, संजय मिश्रा, संतन सिंह, बैजनाथ कुमार, प्रह्लाद पांडेय सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे।

इन अखाड़ों द्वारा निकाली गई आकर्षक झांकियां : रामनवमी के अवसर पर विभिन्न अखाड़ों द्वारा आकर्षक झांकियां निकाली गयी। जिसमें मतकमा, अम्बेडकर क्लब लादी, महावीर मंडल लादी, शिवनगर चिकोर, उपर चिकोर, लपंगा, महुआ टोला, कुरसे, देवरिया, रेलवेस्टेशन हनुमान मंदिर भदानीनगर, संकट मोचन मंदिर भुरकुंडा, हनुमानगढ़ी जवाहर नगर, भुंइया टोला जवाहर नगर, पगला आश्रम जवाहर नगर, सनातन सेवा पटेलनगर, नवयुवक संघ भुरकुंडा सहित कई जगहों से महावीर पताकों के साथ भारी संख्या में रामभक्तों ने जुलूस निकाला।

विभिन्न संस्थाओं ने श्रद्धालुओं के लिए कर रखी थी पानी-शरबत, चना-गुड़ की व्यवस्था : रामनवमी के पावन अवसर पर भुरकुंडा बाजार स्थित साईं मंदिर समिति, सौंदा डी मंदिर समिति, थाना चौक स्थित स्वर्णकार संघ द्वारा श्रद्धालुओं के लिए ठंडा शुद्ध पेयजल शरबत, चना, गुड़ प्रसाद आदि की व्यवस्था की गयी थी। वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में साईं समिति के अशोक सोनी, जगतार सिंह, राकेश सिंह, पप्पू सिंह, अनुपम पाठक, गुड्डू सिन्हा एवं सौंदा डी में जयंत तुरी, तारा, दीपक सिंह, राकेश सिन्हा, डब्लू पांडेय, उपेंद्र शर्मा, संजय यादव, रिशु जायसवाल, राकेश पासवान सहित दर्जनों लोगों का विशेष योगदान रहा।

मेला को सफल बनाने में इनका रहा विशेष योगदान : रामनवमी मेला को सफल बनाने में श्रीश्री रामनवमी पूजा महासमिति के महासचिव प्रदीप मांझी, संरक्षक टिकेश्वर महतो, शिवचरण महतो, उपाध्यक्ष राजेंद्र मुंडा, कैलाश साहू व राणा प्रताप सिंह, सह कोषाध्यक्ष अमित फौजी, सचिव विश्वरंजन सिन्हा, बिरेंद्र यादव, सतीश मोहन मिश्रा, फुलेष्वर राम, अजय साहू, लक्खी राणा, भोला खान, रंजीत गुप्ता, बाबा टेंट हाउस के इन्द्रजीत छाबड़ा, शंकर मांझी, बिहारी मांझी, डोका, मनोज मांझी, दीपक हेम्ब्रम, अभिषेक प्रसाद, सुनील कुमार, शशि भूषण श्रीवास्तव, शैलेश कुशवाहा, संतोष मिश्रा, संजय मिश्रा, दिलीप अग्रवाल सहित दर्जनों लोगों का विशेष योगदान रहा, और मुख्य अतिथि रामगढ़ एस डी ओ मो जावेद आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी पतरातु सीओ शिवशंकर पांडेय बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद,पतरातु एसडीपीओ डॉ वीरेंद्र चौधरी शमिल थे।

हवन-पूजन के साथ नव दिवसीय महायज्ञ की पूर्णाहुति, भंडारा आज

गिदी (आजाद सिपाही)। रेलिगडा स्थित गढ़ेश्वर महादेव धाम मंदिर परिसर में आयोजित वार्षिक नव दिवसीय महायज्ञ के गुरुवार को यज्ञाचार्य शंकर पांडेय, अचार्य भैरों शास्त्री, सुभम पाण्डेय अरुण पाण्डेय, दिलिप, संतोष, आशिष एवं रामायणा आचार्य राम जी दास महाराज के द्वार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान से हवन-पूजन के पश्चात कुमारी कन्याओं का पूजन किया गया इसके साथ ही नव दिवसीय महायज्ञ का पूर्णाहुति हो गया 31 मार्च शुक्रवार को ब्राह्मण भोजन व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। वहीं इस बावत जय श्री राम के जय घोष से पूरा क्षेत्र गुंजामय हो गया। मौके पर मुख्य यजमान दीपू अखोरी, राधा कान्त दूबे, दुर्गा शर्मा, लक्ष्मी साव, सुरज साव सह पत्नी उपस्थित थे। जब की मौके पर मुखिया गुंजन साव, अरविन्द उपाध्याय, श्याम सुंदर पाण्डेय, सुकेश दूबे, मुकेश दूबे, सतीश कुमार, रवि वर्मा, दिलिप सिंह, महेन्द्र, सोनू महतो, छोट्टू, सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत गीता वितरित और भव्य भंडारा के साथ यज्ञ संपन्न

कुजू (आजाद सिपाही)। डटमामोड़ कुजू निवासी सह समाजसेवी गोपाल ठाकुर के आवास पर चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह गुरुवार को श्रीमद्भागवत गीता का वितरित, हवन, पूणार्हुति व भव्य भंडारा के साथ संपन्न हुयी। इससे पूर्व, यज्ञाचार्य मनोज कुमार पांडेय द्वारा यजमान गोपाल ठाकुर और उनकी धर्मपत्नी रीता देवी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वेदी पूजन, भागवत कथा, भागवत यज्ञ में आवाहित देवी-देवताओं का विसर्जन समेत कई धार्मिक अनुष्ठान कराये गए। तत्पश्चात कन्या पूजन, ब्राह्मण पूजन समेत महाभंडारा के साथ ज्ञान यज्ञ सप्ताह संपन्न हुयी। महाभंडारा में आसपास के सैकड़ों की संख्या में पहुंचे धर्मप्रेमियों ने पूड़ी, सब्जी, हलवा व बुंदिया स्वरूप प्रसाद का ग्रहण किया। वही, अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक वैदेही शरण महाराज द्वारा अंतिम दिन श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया गया। इस दौरान आयोजक गोपाल ठाकुर द्वारा कथावाचक बैदेही शरण महाराज, यज्ञाचार्य मनोज कुमार पांडेय, उनके सहयोगी समेत मौजूद धर्म प्रेमियों को श्रीमद्भागवत गीता का वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कई लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

रामनवमी में श्रीराम भक्तों में दिखा उत्साह, राम जी के नारों से गूंजा रामगढ़

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामनवमी का त्यौहार रामगढ़ जिले में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर राम भक्तों का उत्साह सिर चढ़कर बोल रहा था। जय श्रीराम के नारे से हर गली और चौराहा गूंज रहा था। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव को लेकर रामगढ़ के कई स्थानों पर अस्थाई झांकी और चलंत झांकी का भी आयोजन किया गया था। गुरुवार की सुबह से हनुमान जी के मंदिरों में लंबी कतारें लग गई थी। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। जबकि मंदिरों में पंडितों द्वारा पूजा अर्चना करवाकर ध्वजारोहण कराया। लोगों ने भक्ति भाव एवं श्रद्धापूर्वक, शांतिपूर्वक रामनवमी का त्योहार मनाया। इस दौरान पंचमुखी हनुमान मंदिर, प्राचीन काली मंदिर, वीर शिवाजी युवा संघ, भारती मंडली, किला मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, पुरनी मंडप, रामगढ़ युवा संघ, बिजुलिया हनुमान मंदिर, श्री श्री पवन पुत्र रामनवमी समिति के द्वारा झांकी निकाली गयी।

विभिन्न अखाड़ा समितियों ने निकाली शोभायात्रा : रामनवमी पूजा को लेकर विभिन्न अखाड़ा समितियों द्वारा भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी है। जिसमें श्रद्धालु डीजे की धुन पर जमकर थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। वही, कई अखाड़ा समितियों द्वारा चलंत झांकी भी निकाली गयी।

स्थाई झांकी देखने को लेकर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ : राम नवमी पूजा को धूमधाम से मनाने को लेकर विभिन्न अखाड़ा समितियों द्वारा स्थाई झांकी बनाए गए थे। झांकी में कलाकारों के द्वारा नृत्य पेश कर श्री राम सीता, राधा-कृष्ण, हनुमान जी, सहित विभिन्न प्रकार के नाटक किये रूप से प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

आकर्षक विद्युत सज्जा रहा केंद्र : राम नवमी पूजा को लेकर विभिन्न अखाड़ा समितियों द्वारा मंदिरों से लेकर आसपास के क्षेत्रों में आकर्षक विद्युत सज्जा से पाट दिया गया था, जो आकर्षक का केंद्र बना रहा।

रामनवमी झांकी का डीजे जब्त करने पर फैला आक्रोश, विधायक की पहल पर शांत हुआ मामला : रामनवमी की पूर्व संध्या पर अष्टमी की झांकी और डीजे को लेकर बवाल हो गया था। पुलिस प्रशासन की कारवाइ के विरोध में सैकड़ों लोग सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करने लगे थे। रामगढ़ थाना का सैकड़ों लोगों ने घेराव किया। इस मुद्दे पर विधायक सुनीता चौधरी ने पहल की तब जाकर मामला शांत हुआ। विधायक ने रामगढ़ जिला प्रशासन से जप्त किए गए डीजे को तत्काल छोड़ने की मांग की। रामगढ़ डीसी से उन्होंने धरना स्थल से ही बात की थी। जब डीजे थाने से छोड़ा गया तब घेराव और प्रदर्शन समाप्त हुआ। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में शहर के चट्टी बाजार, लोहार टोला सहित पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया था। शहर के कई स्थानों में बनाये गए स्थायी झांकी को विरोध स्वरूप बंद कर दिया गया था।

रामगढ़ में डीजे जब्ती के बाद खुलकर सामने आयी विधायक

रामगढ़(आजाद सिपाही)। श्री श्री राम नवमी पूजा के अवसर पर प्रशासन के द्वारा साउंड गाड़ी जब्ती के बाद विधायक सुनीता चौधरी खुलकर सामने आयी। उन्हें रामनवमी महासमिति रामगढ़ के अध्यक्ष छोटू वर्मा एवं दीपक मिश्रा के द्वारा सूचना दी गई कि रामगढ़ प्रशासन के द्वारा डीजे लगी गाड़ी को जब्त कर थाना ले गयी है। जिसके विरोध में हम सभी अखाड़ा वाले से साउंड सिस्टम एवं लाइट को बंद करवा कर प्रशासन की विरोध कर रहे हैं। सूचना पर तुरंत चट्टी बाजार पहुंची विधायक, डीसी से बात कर जब्त वाहन छोड़ने की बात कही मौके पर विधायक सुनिता चौधरी तुरंत चट्टी बाजार पहुंचकर प्रशासन के कार्यवाई के विरोध में रामभक्तों के साथ धरना स्थल पर बैठ गई। धरना स्थल से ही जिला उपायुक्त माधवी मिश्रा से बात कर जब्त वाहन को छुड़वाने का आग्रह किया ' हालांकि बाद में बड़ी संख्या में लोग थाना पहुंचे। जिसके बाद जब्त वाहन को छोड़ दिया गया। मौके पर सुनीता चौधरी ने कहा कि प्रशासन की कार्यवाई गलत है।। मैं हर समय सनातन धर्म के साथ खड़ी हूं। विधायक के प्रति लोगों ने जताया आभार, मौके पर नगर सचिव नीरज मंडल ने कहा की हम सभी राम भक्त विधायक सुनीता चौधरी को धन्यवाद देते है। उन्होंने बताया कि देर रात्रि रामगढ़ जिला प्रशासन के द्वारा रामनवमी समित का जो साउंड सेटअप जप्त कर लिया गया था। जिसके विरोध में सैकड़ों की संख्या में राम भक्त सड़कों पर उतर आए थे और जैसे ही विधायक को जानकारी हुई मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत उन्होंने रामगढ़ डीसी से फोन से संपर्क कर जप्त साउंड सिस्टम गाड़ी को छोड़ने का आग्रह किया। रामनवमी महापर्व को शांतिपूर्ण तरीके से सभी सनातन धर्म प्रेमियों के द्वारा साउंड गाना बजाया जा रहा है। जिस पर बेवजह परेशान करना उचित नहीं है। इसलिए रामनवमी महापर्व शांति एवं धूमधाम से रामगढ़ की जनता मना सके। इसके लिए उचित पहल करते हुए जब्त वाहन को छोड़ने का कार्य करें । मौके पर जिला प्रशासन ने भी विद्यायक के आग्रह को सुनते हुए तुरंत जब्त साउंड सिस्टम गाड़ी को छोड़ दिया गया। कौन कौन थे उपस्थित

मौके पर आजसू नेता विमल बुधिया, अरुण अग्रवाल, नीरज मंडल, लालू शर्मा, कुलदीप वर्मा, अनुपमा सिंह, राजेश गोयनका, रोहित सोनी, राजेश महतो, प्रभात अग्रवाल, डीया महतो, साजन शर्मा, बीजू गोइंका, बीजेपी नेता संजय सिंह, बिनोद मिश्रा, राजेश ठाकुर, साहित सैकड़ों राम भक्त मोजूद थे।

पतरातू में निकला रामनवमी का भव्य जुलूस

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू सहित आसपास क्षेत्रों में गुरुवार को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी पर्व पूरे धूमधाम और भक्ति में से मनाया गया। सुबह से ही बजरंगबली के मंदिरों में भक्तों द्वारा पूजा अर्चना करते नजर आये। वही विभिन्न क्षेत्र से आए दर्जनों अखाड़ों और राम भक्त गाजे-बाजे रंग-बिरंगे महावीर पताको और वानर सेना के वेशभूषा धारण किए आकर्षक झांकी के साथ जुलूस की शक्ल में देर शाम भगत सिंह चौक पर पहुंचने पर श्री राम नवमी पूजा महासमिति के द्वारा महावीर झंडा का मिलान किया गया। इस दौरान राम भक्तों के जय श्री राम जय हनुमान गली गली बजरंगबली के जयकारों से पूरा पतरातू क्षेत्र गुंजायमान होता रहा।दर्जनों की संख्या में आए उसके शक्ल में आए दर्जनों अखाड़े भगत सिंह चौक होते हुए मेन रोड पतरातू बाजार पहुंचे जहां लाठी भाला अस्त्र शास्त्र आदि और शास्त्र हैरत अंगेज करतब दिखाये गए । इस मौके पर श्री राम नवमी पूजा महासमिति के अध्यक्ष निशी पांडेय, उपाध्यक्ष सह पतरातु मुखिया गिरिजेश कुमार ,सचिव शशि कुमार शर्मा, पुनीत पाठक, उदय अग्रवाल, ज्योति गुप्ता महानंद सिंह, सुभाष साहू, मनोज साव, रवि दत्ता, महेंद्र गोप, सुशील सिंह, भीम ठाकुर, दिगंबर सिंह शहीद श्री राम नवमी पूजा महासमिति के सदस्य गण शामिल थे।

हथियार के साथ तीन अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा । कुन्दा थाना क्षेत्र के ग्राम गेन्दरा के घटमरवा पुल के पास एक व्यक्ति का शव होने की सूचना कुंदा पुलिस को मिली थी। पुलिस ने घनस्थल पर पहुंच शव की पहचान ग्राम-टुनूदाग, थाना-पिपराटांड, जिला- पलामू के कलाम खलीफा के रूप में हुयी। जिस संबंध में कुन्दा थाना कांड संख्या - 08/2023, 28 जनवरी 23, धारा 302/120 (इ)/201 भादवि एवं 27/35 आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। यह कांड का उद्भेदन पुलिस कप्तान राकेश रंजन के गुप्त सूचना पर सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल एसआईटी गठन कर किया गया। अनुसंधान के क्रम में, कांड का उद्भेदन करते हुए हत्या में प्रयुक्त हथियार (देशी कट्टा) के साथ अपराध में शामिल 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं उक्त सभी अपराधी ने घटना की अंजाम स्वीकारी है। साथ ही इनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा को बरामद किया गया है घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों के खिलाफ अनुसंधान एवं गहन छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। यह जानकारी गुरुवार को एसडीपीओ ने प्रेस कांफ्रेंस में दी। गिरफ्तार अपराधियो में मन्टू शर्मा उम्र करीब 23 वर्ष, थाना-पिपराटांड़, जिला-पलामू, मुफील भुईयां उम्र 42, सा०-टुनूदाग, थाना-पिपराटांड़, जिला-पलामू, शंकर भारती उर्फ तुफान, थाना-पिपराखंड, जिला-पलामू का रहने वाला है। इनके पास से एक देशी कट्टा एवं 02 जिन्दा गोली, एक एक आठ एमएम का खोखा। 02 विभिन्न कम्पनी का मोबाईल फोन के साथ एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाईकिल जप्त किया गया। अपराधिक इतिहास अभियुक्त मन्दु शर्मा पाटन थाना कांड संख्या-37/16, दि०-20.04.16, धारा-302/120 (इ) / 34 आईपीसी 27 आर्म्स एक्ट. 101. हेरहंज थाना कांड संख्या-24/15, दि० 10.05.15, धारा-120 है। एसडीपीओ साथ छापेमारी अभियान टीम में पुअनि सह कुंदा थाना प्रभारी परमानन्द कुमार मेहरा, थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सी.आर.पी.एफ केटीम ने बच्चो में बैग का किया वितरण

टंडवा (आजाद सिपाही संवाददाता)। प्रखंड के किचटो पंचायत के ग्राम करमटांड में एक्शन प्रोग्राम चतरा 22 बटालियन द्वारा सीआरपीएफ के द्वारा उत्कर्मित प्राथमिक विद्यालय में शिविर एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। कैंप लगाकर पढ़ने वालों को बच्चों एव महिलाओ को स्कूली बैग,रेडियो इत्यादि सामग्री का वितरण कर साहस और मनोबल को बढ़ाया गया। स्कूली बच्चों के बैग में दस-दस कॉपी, दस दस पेन, पेंसिल बैग के सेट शामिल थे। चतरा सीआरपीएफ 22 बटालियन के टीम ने बताया की ग्रामीणों को अपने तरफ से कुछ ऐसी सामग्री की वितरण दिया गया।मौके पर चतरा 22 बटालियन के स्पेक्टर जीडीअभिराम शर्मा ने अपने हाथों से गरीब परिवार को सामग्री कॉपी, पेन जीमेट्रिक्स सेट बैग अपने हाथो से वितरण किया।इस मौके पर सीआरपीएफ के जवानो में संजय कुमार, रवि कुमार, किचटो मुखिया मंजू देवी स्कूल शिक्षक एवं सैकड़ों लोग उपस्तिथ थे।

महा रामनवमी पर रजरप्पा क्षेत्र में महावीरी झंडा की धूमधाम से की गयी पूजा अर्चना

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। रजरप्पा कोयला क्षेत्र के गांव से लेकर शहर तक महा रामनवमी पूजा के अवसर पर विधि विधान से राम भक्तों द्वारा बजरंग मंदिर परिसर में महावीरी झंडा की गयी पूजा अर्चना किया गया एवं राम भक्तों द्वारा जोरदार उद्घोष के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए गए जबकि राम लखन जानकी जय बोलो हनुमान की और रामजी की निकली सवारी रामजी की लीला है न्यारी न्यारी के भक्ति में नारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा इस मौके पर विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के अखाड़ों में राम भक्तों द्वारा हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन क्या गया जगह जगह पर विभिन्न अखाड़ों में तलवार फरसा लाठी डंडा आदि का प्रतियोगिता मे खेल का प्रदर्शन किया गया कहीं-कहीं पर चैत्र दुर्गा पूजा को लेकर काफी चहल-पहल रही और महिला श्रद्धालुओं द्वारा महा अष्टमी एवं महानवमी की पूजा अर्चना की गयी एवं सुख समृद्धि शांति की मनोकामना की रजरप्पा आवासीय कॉलोनी के पठवा हनुमान सेवई पंचायत के मुखिया कुलदीप सिंह के द्वारा राम नवमी के अवसर पर मंदिर परिसर में पूड़ी सब्जी बुंदिया खीर महाप्रसाद आदि का वितरण किया गया जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अमृत्तुल्य प्रसाद का ग्रहण किया गया रामनवमी को लेकर चारों तरफ महावीरी झंडा से चौक चौराहों पर पटा रहा जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति में डूबा रहा जगह जगह पर विभिन्न अखाड़ों में लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

क्या है दांव पर

चुनाव आयोग ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा चुनावों का एलान कर दिया। दक्षिण के इस अहम राज्य पर फिलहाल बीजेपी काबिज है। उसके लिए कई कारणों से यह महत्वपूर्ण है कि यहां उसका कब्जा बना रहे। कर्नाटक दक्षिण का ऐसा पहला राज्य है, जहां 2008 में सरकार बनाकर बीजेपी ने अपने ऊपर लगे नॉर्थ इंडियन पार्टी का ठप्पा हटाया था। इस बीच पार्टी पूर्वोत्तर राज्यों में भी कामयाबी के झंडे गाड़ चुकी है, लेकिन दक्षिण में आज भी कर्नाटक इकलौता राज्य है, जहां चुनाव हारते-जीतते हुए भी वह अपनी अच्छी खासी पैठ का दावा कर सकती है। इस बार वह सरकार में जरूर है, लेकिन चुनावों के लिहाज से उसके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के रूप में उसके पास लिंगायत समुदाय का सबसे बड़ा नेता उपलब्ध है, लेकिन यह देखना बाकी है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा कर इसी समुदाय के बीआर बोम्मई को सीएम बनाने के फैसले से उपजे द्वंद्व को पार्टी कैसे हल करती है। इस बीच ऐसे संकेत भी मिले हैं कि समुदाय का एक हिस्सा इन दोनों ही नेताओं से नाराज है। खास कर, कुछ दिनों पहले इन दोनों नेताओं के घरों का घेराव होना, इसी नाराजगी का सबूत माना गया था, लेकिन चुनाव से पहले ऐसी नाराजगी का उभरना और फिर दूर होना कोई बड़ी बात नहीं है। सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि पार्टी नेतृत्व इसे कितनी कुशलता से निपटाता है। कांग्रेस की जहां तक बात है, तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद यह पहला ही चुनाव है, जिसमें बीजेपी के मुकाबले कांग्रेस के प्रदर्शन पर सबकी नजरें टिकी होंगी। विपक्षी खेमे में कांग्रेस की स्थिति भी कमोबेश इस प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। वैसे राज्य में मुकाबला तिकोना ही होगा, क्योंकि जेडीएस भी एक प्रमुख प्लेयर के रूप में मैदान में है, फिर भी केंद्रीय प्रश्न यही रहेगा कि चुनाव बाद सरकार बीजेपी के प्रभाव वाली बनती है या कांग्रेस के प्रभाव वाली। वहीं, जेडीएस यही उम्मीद कर रही होगी कि इतनी सीटें मिल जायें, जिससे उसके सपोर्ट के बगैर राज्य में कोई सरकार न बने। जाहिर है, अगर बीजेपी या कांग्रेस की अपने दम पर सरकार नहीं बनती है, तो जेडीएस के समर्थन से किसी एक की सरकार बनेगी या फिर हो सकता है कि इनमें से किसी के समर्थन की बदौलत जेडीएस सरकार बना ले। 2018 में आयी त्रिशंकु विधानसभा के बाद सरकार गठन के जितने प्रयोग हुए पहले येदियुरप्पा ने सरकार बनायी और बहुमत परीक्षण से पहले इस्तीफा दे दिया, फिर कुमारस्वामी ने सरकार बनायी और 14 महीने बाद इस्तीफा देने को मजबूर हुए और फिर बीजेपी की ओर से येदियुरप्पा ने सरकार बनायी- उसके मद्देनजर तो सबसे बड़ी उम्मीद यही होनी चाहिए कि वोटर स्पष्ट जनादेश दें, ताकि राज्य को कम से कम राजनीतिक अस्थिरता से न गुजरना पड़े।

पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के रूप में उसके पास लिंगायत समुदाय का सबसे बड़ा नेता उपलब्ध है, लेकिन यह देखना बाकी है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा कर इसी समुदाय के बीआर बोम्मई को सीएम बनाने के फैसले से उपजे द्वंद्व को पार्टी कैसे हल करती है।

अभिमत
आजाद सिपाही

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, अब तक महाराष्ट्र में कोरोना के कुल 2,117 एक्टिव केस पाये गये हैं, जिनमें 161 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज किये गये हैं। वहीं गुजरात में कोरोना के 1,697 एक्टिव केस मिले हैं, जिनमें 168 नए केस पिछले 24 घंटों में देखे गये हैं। देश की राजधानी दिल्ली में 528 एक्टिव केस हैं और 57 नये केस पिछले 24 घंटों में सामने आये हैं।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच जांच में कमी न आये

ऋषभ मिश्रा

हम सबने अब मास्क पहनना छोड़ दिया है। सोशल डिस्टेंसिंग को भी हम भूल चुके हैं। कोरोना के समय ये काम हम बार-बार करते थे लेकिन आज हम हाथ धोने से भी कतराते हैं। यहां तक कि अगर आज हमें कोई मास्क लगाये दिखता है, तो उसका मजाक बनाते हैं। कुल मिला कर हम कोरोना काल में बरती गयी सावधानियों को भूल चुके हैं। हम उन दर्दनाक तस्वीरों को भी भूल गये हैं, जब अस्पतालों में चीख-पुकार मची हुई थी।

अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए बेड तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। श्मशान में दाह-संस्कार के लिए भी लंबी लाइनें लगी हुई थीं। सवाल यह है कि क्या हम उसी रास्ते पर दोबारा से जा रहे हैं? क्योंकि देश में कोरोना वायरस की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ रही है जो बहुत बड़े खतरे का संकेत है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, अब तक महाराष्ट्र में कोरोना के कुल 2,117 एक्टिव केस पाये गये हैं, जिनमें 161 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज किये गये हैं। वहीं गुजरात में कोरोना के 1,697 एक्टिव केस मिले हैं, जिनमें 168 नए केस पिछले 24 घंटों में देखे गये हैं। देश की राजधानी दिल्ली में 528 एक्टिव केस हैं और 57 नये केस पिछले 24 घंटों में सामने आये हैं। कर्नाटक में 792 एक्टिव केस हैं और यहां पिछले 24 घंटों में 109 नए केसों का पता चला है। तमिलनाडु में कुल 608 एक्टिव केस हैं और यहां पर भी वायरस ने अपनी रफ्तार बढ़ायी है। यहां पिछले 24 घंटों में 26 नये केस दर्ज किये गये हैं, तो वहीं केरल का सबसे बुरा हाल है। यहां कुल एक्टिव केसों की संख्या 2,471 है, जिनमें 160 केस पिछले 24 घंटों में दर्ज किये गये हैं।

खतरा इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यह वैक्सीन से बनी इम्युनिटी को भी बाईपास कर सकता है।

केंद्र सरकार ने कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों की तैयारियों को जांचने के उद्देश्य से अप्रैल माह में राष्ट्रव्यापी 'मॉक ड्रिल अभियान' चलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद की तरफ से सभी जिलों के सार्वजनिक अथवा निजी स्वास्थ्य केंद्रों को इस अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

भारत में 8 मार्च तक कोरोना के कुल 2,082 एक्टिव केस थे, जो 15 मार्च तक बढ़ कर 3,264 हो गये। वहीं 16 मार्च को एक दिन में कोरोना के 700 से ज्यादा केस दर्ज हुए हैं और अब देश में एक्टिव केस 10,000 से ज्यादा हैं। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल की सरकारों को चिट्ठी लिखकर सावधानी बरतने के साथ 'मैक्रो लैवल' पर 'सर्विलांस टैस्टिंगस' और 'मॉनिटरिंग' बढ़ाने के निर्देश दिये हैं।

केंद्र सरकार ने कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों की तैयारियों को जांचने के उद्देश्य से अप्रैल माह में राष्ट्रव्यापी 'मॉक ड्रिल अभियान' चलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद (आइसीएमआर) की तरफ से सभी जिलों के सार्वजनिक अथवा निजी स्वास्थ्य केंद्रों को इस अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

कोरोना के केस जितनी तेजी से दोगुने हुए हैं, उससे भारत में कोरोना महामारी की अगली लहर की आशंका बन गयी है। कोरोना के नए मामलों में बढ़ोत्तरी के पीछे इसके सब-वैरिएंट BB.1.16 एंव BB.1.15 के होने की संभावना जतायी जा रही है।

खतरा इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यह वैक्सीन से बनी इम्युनिटी को भी बाईपास कर सकता है। इस वेरिएंट को लेकर पूरी दुनिया में 'जीनोम सीक्वेंसिंग' भी की गयी है, जिसमें BB.1.16 सब-वेरिएंट के सबसे ज्यादा 48 मामले भारतीय सैंपल में ही मिले हैं, जबकि ब्रुनेई में 22, अमरीका में 15 और सिंगापुर के 14 सैंपलों में यह मिला है। कोरोना और एच3एन2 इन्फ्लुएंजा का एक साथ आना बहुत घातक संयोजन हो सकता है।

इस सबके बीच पिछले कुछ सप्ताह से कुछ राज्यों में कोविड-19 की जांचों में कमी देखी गयी है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक (प्रति 10 लाख की आबादी पर 140 जांच) की तुलना में वर्तमान जांच का स्तर अपर्याप्त पाया गया है। उत्तर प्रदेश में भी कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, जहां अब तक कोरोना के 246 एक्टिव केस मिले हैं, 62 नये केस पिछले 24 घंटों में दर्ज किये गये हैं। हालांकि संक्रमण से बचाव के लिए चलाया जा रहा टीकाकरण अभियान भी काफी सुस्त रफ्तार में चल रहा है। किसी भी सरकारी अस्पताल में अब वैक्सीन नहीं है, जिस कारण सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण नहीं हो पा रहा।

प्राइवेट अस्पतालों में 'काबोर्वैक्स' का टीका 400 रुप/२ में लगाया जा रहा है। यह टीका 12 वर्ष से 14 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को लगाया जाता है। वहीं वयस्कों को इसकी सतर्कता (प्रीकॉशन) डोज का भी न लग पाना वास्तव में चिंता का विषय है। सिर्फ 23 प्राइवेट अस्पताल ऐसे हैं जिनमें काबोर्वैक्स का टीका लग पा रहा है। 'कोविशील्ड' एवं 'कोवैक्सीन' का टीका उपलब्ध ही नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से टीके उपलब्ध कराने और दिशा निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है।

जमशेदपुर/ओड़िशा और देश-विदेश की खबरें

गढ़हाबासा में जग कल्याण कामना के साथ 31 ज्योति कलश और ज्वारा का हुआ विसर्जन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। श्रीश्री शीतला माता मंदिर गढ़हाबासा में चल रहे चैत्र नवरात्रि पर आयोजित ज्वारा महोत्सव का भव्य विसर्जन सह शोभा यात्रा निकाला गया. ज्ञात हो की इस वर्ष 31 ज्योति कलशों की स्थापना की गई थी, जिनकी पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ नौ दिनों तक की गई। प्रत्येक दिनों संध्या में जश गीत के माध्यम से माता को प्रसन्न किया गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु माताएं व बहने ज्योति कलश एवं जंवारा सिर पर लेकर पंक्तिबद्ध होकर विसर्जन के लिए चल रहीं थी। हजारों लोग भजन गाते हुए शोभायात्रा में साथ चल रहे थे। भक्तिमय वातावरण में ज्योति कलशों का विसर्जन हुआ। शोभा यात्रा में सैकड़ों लोगों के अलावा प्रमुख रूप से राम प्रकाश साहू, खेम लाल साहू, दिनेश कुमार, खेमलाल चौधरी, परमानंद कौशल, ईश्वर दयाल, देवनारायण साहू, गंगा राम, वेदबती यादव, सोनामुनी सांडिल, ओली चक्रवर्ती, अरूणा देवी, चन्द्ररेखा, द्रोपदी देवी, कौशल्या देवी, जमुना देवी आदि हजारों लोग उपस्थित थे।

ओढ़ो-ओढ़ो म्हरी माता रानी आज भक्त लाया थारी चुदड़ी, जैसे भजनों पर झूमे श्रद्धालु

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री महासर माता परिवार जमशेदपुर (कोल्हान) द्वारा कुलदेवी महासर माता का छठवां मासिक कीर्तन उत्सव साकची श्री अग्रसेन भवन में धूमधाम से मनाया गया। यजमान अनिल भालोटिया सपत्नी द्वारा पूजा अर्चना कर ज्योत प्रज्जवलित की गयी। पंडित रामजी पारिक ने पूजा की और सबको रक्षा सूत्र बांधा. इस अवसर पर भजन गायक सुमित्रा बनर्जी, महावीर अग्रवाल, बंटी चांगिल द्वारा गणेश वंदना से भजनों का शुभारंभ किया गया। कलाकारों द्वारा माता के चरणों में भजनों की अमृत वर्षा कर कुलदेवी का गुणगान किया गया। कलाकारों द्वारा भक्तों ने ज्योत जलाई मैया दौड़ी चली आयी ओढ़ों-ओढ़ो म्हरी माता रानी आज भक्त लाया थारी चुदड़ी, चांद सा सुंदर मुखड़ा जिसका, छोटी सी प्यारी सी., बांटो रे बांटो बधाई जम के मईया आयी सिंह चढ़ के.., कृपा अपनी मइया जी बनाये रखियो, हम मैया वाले हैं सुनो जी हम मैया वाले हैं, ये मईया का परिवार है ये मईया का परिवार हैं, महासर जाके मैया मेरी मौज हो गईङ्क, हनुमान को खुश करना आसान होता है आदि भजनों की शानदार की गयी प्रस्तुति पर भक्त माता के जयकारे लगाते हुए झूमते रहे. मुख्य आकर्षण माता का आलौकिक दरबार, भजनों की अमृत वर्षा, छप्पन भोग, महाप्रसाद आदि रहा। आरती के बाद 56 भोग का प्रसाद वितरण किया गया। इसे सफल बनाने में संजय भालोटिया, कृष्णा भालोटिया, राजेश पसारी, प्रदीप मित्तल, ललित डांगा, पंकज छावछरिया, प्रवीण भालोटिया, शिव सिंधानिया, प्रमोद भालोटिया, गोविंद अग्रवाल, टोनी भालोटिया, संगीता मित्तल, सुनीता पसारी, सुमन भालोटिया, नमिता मित्तल आदि का योगदान रहा।

पीएम मोदी ने नये संसद भवन का औचक दौरा किया

विभिन्न कार्यों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार शाम यहां नये संसद भवन का औचक दौरा किया और विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया तथा निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने भवन के अंदर एक घंटे से अधिक समय बिताया। सूत्रों ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ मोदी ने संसद के दोनों सदनों के लिए सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के साथ भी बातचीत की।

कटक रेलवे स्टेशन पर भद्रक-नयागड टाउन मेमू ट्रेन का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर/कटक। आज दो केंद्रीय मंत्रि धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव ने कटक रेलवे स्टेशन में भद्रक-नयागड़ टाउन मेमू ट्रेन का उद्घाटन किया। भद्रक-नयागड टाउन-भद्रक मेमू ट्रेन कटक स्टेशन से रवाना होगी लेकिन इस ट्रेन की नियमित सेवा कल से दोनों दिशाओं में शुरू होगी। यह ट्रेन चलने से भद्रक और नयागड़ दोनों जिलों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के शिलान्यास समारोह में भद्रक से भुवनेश्वर के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने की घोषणा किए थे। 08555/08556 भद्रक-नयागड टाउन-भद्रक मेमू ट्रेन भद्रक से सुबह 5:45 बजे छूटेगी और 11:55 बजे नयागड टाउन पहुंचेगी। वापसी के रूट पर ट्रेन नयागड टाउन से शाम 5:55 बजे रवाना होगी और रात 10:45 बजे भद्रक पहुंचेगी। इस ट्रेन दोनों दिशाओं में भद्रक और नयागड टाउन के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेगी।

वेदांत एल्युमीनियम ने महीने भर चलने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

वेदांता एल्युमीनियम ने हमेशा कंपनी के भीतर लैंगिक विविधता को बढ़ाने का प्रयास किया है, इसके विकास रोडमैप को न्यायसंगत कार्यस्थल प्रथाओं के मूलभूत स्तंभों पर आधारित किया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वेदांता एल्युमिनियम ने अपनी महिला कर्मचारियों और स्थानीय समुदायों के सदस्यों के लिए एक महीने तक चलने वाले उत्सव का आयोजन किया, जिसकी थीम 'थीम' थी। इक्विटी को गले लगाओ'। वेदांता एल्युमिनियम ने हमेशा कंपनी के भीतर लैंगिक विविधता को बढ़ाने का प्रयास किया है, इसके विकास रोडमैप को न्यायसंगत कार्यस्थल प्रथाओं के मूलभूत स्तंभों पर आधारित किया है। लैंगिक समानता के प्रति वेदांता की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री सुनील गुप्ता सीइओ- वेदांत लिमिटेड झारसुगुडा ने कहा, वेदांत एल्युमिनियम में विविधता और समावेश लैंगिक समानता के प्रति हमारे दृष्टिकोण में विश्वास और संस्कृति के जुड़वां स्तंभ हैं। जबकि औसत वैश्विक लिंग विविधता धातु, खनन और भारी इंजीनियरिंग उद्योगों में निम्न एकल अंकों के भीतर है, हमारे उद्योग-अग्रणी लोक प्रथाओं के कारण हमारे पास एक स्वस्थ लिंग विविधता प्रतिशत है। हम समान अवसरों तक पहुंच की इस संस्कृति को स्थानीय समुदायों तक भी पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

इंदौर में मंदिर की बावड़ी धंसी, 14 की मौत

रामनवमी पर हवन कर रहे करीब 30 से ज्यादा लोग 40 फीट नीचे गिरे, 17 को बचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

इंदौर। इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में रामनवमी के हवन के दौरान बावड़ी की छत धंसने से 14 लोगों की मौत हो गई। 10 महिलाओं समेत कुल 11 शव बाहर निकाले गये। जबकि दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने रस्सियों के सहारे 19 लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती किया था। बावड़ी में 30 से ज्यादा लोग गिरे थे। यह 40 फीट गहरी है। इसमें 4-5 फीट पानी है। नगर निगम ने तीन पंप की मदद से पानी निकाला। जिसके बाद दोबारा रेस्क्यू शुरू किया है। ऑक्सीजन के साथ गोताखोरों को उतारा गया है। मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। महू से आर्मी की टीम भी आ रही है। हादसा सपना संगीता रोड स्थित स्नेह नगर में हवन के दौरान हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक लोग बावड़ी की छत पर बैठे थे। वजन से उसकी छत टूट गई और लोग नीचे गिर गये। यह मंदिर करीब 60 साल पुराना है। कलेक्टर ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच कराने की बात कही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के परिजन को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। सरकार घायलों का इलाज करायेगी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से भी मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट कर ये जानकारी दी गई है। जिस मंदिर में ये हादसा हुआ। उसके एक तरफ सर्वोदय नगर, दूसरी तरफ पटेल नगर और तीसरी तरफ स्नेह नगर क्षेत्र आता है। इसलिए यहां आयोजित हवन-पूजन के कार्यक्रम से तीनों ही क्षेत्र के लोग पहुंचे थे।

राष्ट्रपति से लेकर पीएम और राहुल गांधी ने जताया दुख

इंदौर हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति शोक-संवेदनाएं व्यक्ति की, साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि इंदौर में हुए हादसे से बेहद आहत हूं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात कर स्थिति की जानकारी ली। राज्य सरकार बचाव और राहत कार्य में तेजी से आगे बढ़ रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी हादसे पर दुख जताया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

महत्वपूर्ण न्यूज

मंत्री मिथिलेश ने मां काली एवं गढ़देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर की गढ़वा की सुख समृद्धि की कामना

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने रामनवमी के मौके पर गढ़वा स्थित मां काली मंदिर एवं मां गढ़देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंत्री श्री ठाकुर ने पूजा-अर्चना कर गढ़वा के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंत्री ने लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री राम के आदर्श को सभी को अपनाना चाहिए। भगवान राम के राज्य में किसी को किसी से कोई बैर नहीं था। सभी जीव, जंतु, मानव सुख, शांति पूर्वक एक साथ मिलकर रहते थे। आज हमारा देश भारत भी विविधता में एकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भगवान श्री राम के आदर्श को दर्शाता है। मौके पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री मिथिलेश का सगमा में किया स्वागत

सगमा (आजाद सिपाही)। पेयजल मंत्री मिथलेश ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अब्दुल्ला हक के यहां से एक निजी कार्यक्रम में शामिल होकर लौटने के दौरान सगमा प्रखंड मुख्यालय के जेएमएम कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों ने बुधवार को शाम पेयजल मंत्री मिथलेश ठाकुर को सगमा बाजार में गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। मिथलेश ठाकुर को पेयजल मंत्री बनने के बाद पहली बार सगमा के रुट होते हुए धुरकी में उनका आगमन को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। लोगों ने पेयजल मंत्री के समक्ष कहा कि सगमा बीडीओ द्वारा हमेशा अभद्र व्यवहार किया जाता है। लोगों ने एक स्वर में सगमा बीडीओ सत्यम कुमार को सगमा प्रखंड से हटाने को मांग की। लोगों ने कहा कि अगर सगमा बीडीओ को तत्काल नहीं हटाया जाता है तो लोग उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मौके पर मंत्री ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप लोगों की मांगें बहुत जल्द पूरी की जाएगी।

श्री रघुनाथ अखाड़ा हनुमान मंदिर में आयोजित महायज्ञ में भाजपा नेता गिरिनाथ सिंह ने किया भंडारा का आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। श्री रघुनाथ अखाड़ा हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण महायज्ञ में पूर्व मंत्री सह भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह के सौजन्य से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे का शुभारंभ स्वयं गिरिनाथ सिंह ने अपने हाथों लोगों को पूड़ी परोसकर किया। मौके पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी राजीव राज तिवारी, आचार्य भोलानाथ पांडेय, रंकाकला मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, राम बाबू ठाकुर, उतम पांडेय, हथाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, एसआई श्रवण कुमार, सुनील माली, शुभम झा सहित काफी संख्या में राम भक्त शामिल थे।

जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष ने मंत्री के सौजन्य से पूजा कमेटियों को सहयोग राशि प्रदान की

रंका (आजाद सिपाही)। श्री रघुनाथ अखाड़ा हनुमान मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीरामचरित मानस नवाह्न परायण महायज्ञ में मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश ठाकुर के प्रतिनिधि के रूप में जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष नितेश कुमार सिंह ने पूजा कमेटी के अध्यक्ष सुल्पानी सिंह को मंत्री के सौजन्य से सहयोग के रूप में 51000 एवं प्रवचनकर्ता आराधना चतुर्वेदी जी को भी पांच हजार रुपए प्रदान किये। मौके पर पूजा कमेटी की मंदिर के प्रांगण में मार्बल टाइल्स लगाने की मांग पर सहमति जताते हुए रामनवमी के दो दिनों के बाद मंत्री जी के सौजन्य से मार्बल टाइल्स लगाने की बात कही। वहीं खरडीहा पंचायत के बजनवां हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित संध्या गंगा आरती में शामिल होकर पूजा कमेटी को 51000 रुपए एवं गंगा आरती में पहुंचे बनारस के पंडा ब्राह्मणों को दस हजार रुपए तथा सोनदाग मां अंबे पूजा कमेटी के द्वारा आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में भाग लेकर पूजा कमेटी को 51000 रुपए सहयोग राशि प्रदान की। मौके पर झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, युवा सचिव सह खरडीहा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि पप्पू यादव, आशुतोष जी, 20 सूत्री उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, किशोर कुमार ओझा, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, राजकिशोर रवि, संतोष कुमार रवि, लवली उरांव, रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रामनवमी : मेराल प्रखंड में महावीरी झंडों के साथ निकला भव्य रामनवमी जुलूस

'एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम' से गूंजा क्षेत्र

विभिन्न अखाड़ों ने निकाली रामदरबार की झांकी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड भर में हर्षोल्लास के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी का पर्व मनाया गया। प्रखंड मुख्यालय सहित सभी पंचायत क्षेत्रों में महावीरी झंडा के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। साथ ही विभिन्न अखाड़ों द्वारा रामदरबार की झांकी निकाली गई।

मेराल बाजार स्थित देवी धाम मंदिर से भव्य जुलूस के साथ राम लक्ष्मण एवं जानकी की झांकी निकाली गयी। इसी तरह पूर्वारा टोला, मुड़ल टोला, बस स्टैंड, श्रीराम सेना लगमा आदि अखाड़ों द्वारा राम लक्ष्मण जानकी जय बोलो हनुमान की जयकारे के साथ निकाले गये भव्य जुलूस का थाना चौक पर मिलन के बाद बस स्टैंड, पुरानी बाजार होते प्राचीन शिव मंदिर, देवी धाम मंदिर पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस का नेतृत्व सभी टोलों के प्रमुख तथा गणमान्य लोग कर रहे थे। जुलूस शांतिपूर्ण तथा समय से समापन करने के लिए थाना प्रभारी नीतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के जवान जुलूस में शामिल थे। जिसका नेतृत्व बीडीओ प्रवेश कुमार साव कर रहे थे। इसी तरह करकोमा में जय श्री राम सेना के नेतृत्व में भव्य जुलूस निकाला गया साथ ही दलेली, पचफेड़ी, हासनदाग, बाना, दुलदुलवा, अटोला, बंका अभी जगहों में भी भव्य जुलूस निकाला गया। मुख्यालय सहित सभी पंचायत क्षेत्रों में महावीरी झंडा के साथ भव्य जुलूस निकाला गया।

रामकथा का कोई अंत नहीं होता: संत प्रपन्नाचार्य जी

राम कथा के अंत में रामदरबार की आकर्षक झांकी निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नरगीर स्थान, गढ़वा में चल रहे रामकथा ज्ञान गंगा यज्ञ के आठवें और अंतिम दिन अयोध्या के पूज्य संत श्री अवधेंद्र प्रपन्नाचार्य जी ने कहा कि रामकथा समाप्त नहीं होती यह विराम लेती है। रामकथा अनवरत चलती रहती है इसका कोई अंत नहीं होता। आज अंतिम दिन की कथा में शबरी से भेंट, सूर्पनखा प्रकरण, मारीच वध, बाली वध, जटायु को मुक्ति, हनुमान जी का लंका दहन, कुंभकर्ण एवम मेघनाथ सहित रावण वध का संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित विवेचन किया। आज अंतिम दिन की कथा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ के कारण नरगिर स्थान मे जगह कम पड़ गयी थी। कथा के अंत में रामदरबार की आकर्षक झांकी निकाली गयी जिसने दर्शकों को खूब लुभाया।

श्रीरामजी ने छुआ छूत और ऊंच नीच का कभी भेद नहीं किया। शबरी के यहां जाकर उसके जूठे बेर खा कर उन्होंने यह दर्शाया कि वे केवल प्रेम और भाव के भूखे हैं। भगवान ने शबरी को भक्ति के नौ प्रकार या नवधा भक्ति का उपदेश दिया। पहली भक्ति है संतों का सत्संग, दूसरी भक्ति है मेरे कथा प्रसंग में प्रेम और तीसरी भक्ति है गुरु की सेवा। ऋष्यमूक पर्वत वानरों की राजधानी किष्किंधा के निकट स्थित था। इसी पर्वत पर श्रीराम जी की हनुमान से भेंट हुई थी। भक्ति रूपी हनुमान ने जीव रूपी सुग्रीव को ब्रह्म रूपी श्री राम से भेंट कराया। प्रपनाचार्य जी ने बताया कि सातवां काण्ड सुंदरकांड में हनुमान जी के शौर्य और पराक्रम का वर्णन है जिसके पाठ से घर में सुख शान्ति आती है और आत्मबल में आशातीत वृद्धि होती है।

राम रावण का युद्ध काफी भयंकर और विध्वंसक था। राम ने रावण के दस सिरों और भुजाओं में दस-दस बाण मारे लेकिन वे फिर नये हो गये। ऐसा उन्होंने कई बार किया लेकिन रावण को मार पाने की सारी चेष्टा बेकार हो गई। तब विभीषण के कहने पर राम रावण की नाभि में अग्नि बाण मारते हैं और उसके अमृत को सूखा देते हैं उसके पश्चात श्रीराम रावण का वध कर देते हैं। कथा के अन्त में रामकथा आयोजन समिति नरगीर स्थान के अध्यक्ष चन्दन जायसवाल ने प्रपन्नाचार्य जी और उनकी पूरी टीम को, उपस्थित सभी श्रद्धालुओं तथा व्यवस्था में लगे कार्यकताओं का कथा के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

कथा में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष चंदन जायसवाल, करीमन जी, भगत सिंह साहू, जगजीवन बघेल, संजय सिंह, भरत केशरी, नितेश कुमार, अरविंद पटवा, सुदर्शन मेहता, गुड्डू हरी, रविन्द्र पटेल, दीनानाथ बघेल टूना बाबा जयशंकर बघेल, सोनू बघेल, गौतम चंद्रवंशी, आकाश बघेल, सांतनु केशरी, मुन्ना बघेल, देव बाबू, गोलू बघेल, मोनू बघेल, नीरज चंद्रवंशी, आदित पंचोली, अवधेश कुशवाहा, डा. मुरली गुप्ता, मनीष कमलापुरी, द्वारिका पाण्डेय,

बसपा के नाम पर लोग दूसरों को भ्रमित कर रहे हैं : राजन मेहता

गढ़वा जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष को पार्टी से किया गया निष्कासित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला बहुजन समाज पार्टी के कुछ पदाधिकारी पार्टी के नाम पर लोगों को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। वैसे लोगों को पार्टी में रहने की कोई जरूरत नहीं है। उक्त बातें विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्यशी सह बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता ने गुरुवार को चिनियां रोड स्थित मनीष सिंह के आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान कही। राजन मेहता ने बताया कि पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष द्वारा बिना आदेश के कार्यक्रम कर कुछ लोगों को पार्टी में शामिल करने का काम किया है। वैसे लोगों को अनुशासनहीनता का परिचय देते हुए पार्टी से निष्कासित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सिर्फ सुप्रिमो मायावती के दिशा-निर्देश पर चलती है। पार्टी विरोधी कार्य करने वाले लोगों को पार्टी में रहने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी 30 मार्च 2023 को सुबह 11 बजे भंग कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्सर्व गार्डेन में जो कार्यक्रम किया गया है मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि जिसको भी पार्टी में शामिल होना है उसके लिए बहुजन समाज पार्टी पूरी तरह से स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी संविधान के नीति व सिद्धांतों पर चलती है और आगे भी चलने का काम करेगी।

इस मौके पर मनीष सिंह सहित कई बहुजन पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रेस कांफ्रेंस : नगर उंटारी पुलिस ने 26 मार्च को खेत में मिली लावारिश लाश के मामले का किया उद्भेदन

सास और दामाद ने मिल कर की थी कुल्हाड़ी से मार कर हत्या

सास और दामाद के अवैध संबंध के बीच मृतक मुस्लिम अंसारी बन रहा था रुकावट : डीएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। सास ने दामाद के साथ अवैध संबंध के चक्कर में आकर अपने दामाद के साथ मिलकर पति की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी थी। जिसका उद्भेदन करते हुए नगर उंटारी पुलिस ने बताया कि नगर उंटारी थाना को 26 मार्च 2023 को सोनवर्षा एवं बिशनपुर गांव के बीच खेतों में एक लावारिस लाश बरामद की गयी थी। जिसकी पहचान मुस्लिम अंसारी पिता सादिक अंसारी, ग्राम सोनबरसा के रूप में की गयी थी। नगर उंटारी थाना ने मामला दर्ज कर छानबीन करने के पश्चात हत्या में संलिप्त मृतक की पत्नी जुलेखा बीवी (40) एवं मृतक का दामाद नाजिर अंसारी (22) को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। साथ ही हत्या में उपयोग की गयी टांगी को जब्त कर लिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी प्रमोद कुमार केसरी ने प्रेस वार्ता में बताया कि पिछले 26 मार्च को सोनवर्षा गांव के खेत में एक लाश बरामद की गयी थी। जिसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे। नगर उंटारी पुलिस पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त मामले का उद्भेदन किया है। जिसमें हत्या में शामिल मृतक की पत्नी एवं उसके दामाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 25 मार्च को रात्रि में दोनों के द्वारा मिलकर हत्या की गई। उन्होंने बताया कि मृतक मुस्लिम अंसारी एवं उसका दामाद नाजिर अंसारी दोनों साथ में बाहर काम करते थे। काम से दोनों साथ लौटे। 25 मार्च को रात्रि में नगर उंटारी से घर सोनबरसा जाने के क्रम में पूरी योजना के अनुसार नाजिर अंसारी एवं जुलेखा बीवी के द्वारा मिलकर खेत में टांगी से वार कर मुस्लिम अंसारी की हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के बयान के अनुसार जुलेखा बीबी एवं उसके दामाद नाजिर अंसारी के बीच पिछले कुछ वर्षों से अवैध संबंध था। उसी दौरान जुलेखा बीवी ने नाजिर अंसारी की अपनी बेटी हसबुन बीबी के साथ शादी करवा कर उसे अपना दामाद बना लिया। दोनों के बीच में मुस्लिम अंसारी बार-बार आ रहा था। मुस्लिम अंसारी को भी दोनों के बीच के संबंध का शक था। इसलिए दोनों ने उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया। उसी दौरान दोनों ने पूर्व नियोजित योजना के अनुसार दांगी से वार कर हत्या कर दी।

पुलिस की छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केशरी, पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार, थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह, पुआनि राहुल कुमार, जितेंद्र भगत, विक्रम सिंह, कुणाल किशोर, श्रीकांत पांडे सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

रंका सीएचसी में स्वास्थ्य मेला का आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक डा. गोपाल प्रसाद की अध्यक्षता में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डॉ गोपाल प्रसाद, बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मेला में हर बीमारी से संबंधित स्टाल भी लगाए गए थे। मौके पर लेखा अधिकारी दिनेश प्रसाद गुप्ता, कार्यक्रम प्रबंधक सुधीर कुमार, एएनएम चंद्रकांती कुमारी, बीटीटी पिंकी कुमारी, सहिया साथी प्रमिला देवी, डॉ गोरखनाथ पाण्डेय, प्रिती सिंह, इस्तेयाक अंसारी, एएनएम कंचन कुमारी, आभा कुमारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

श्रीराम का आदर्श मानव चेतना का उत्कर्ष है : सत्येंद्रनाथ तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। रामनवमी के मौके पर गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में विभिन्न संघों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कई जगहों पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने सदर प्रखंड के पचपड़वा, लगमा के अलावा रंका, भलुवानी, मेराल सहित शहरी क्षेत्र में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान वह कई जगहों पर शोभा यात्रा में भी शामिल हुए। मौके पर पूर्व विधायक ने क्षेत्रवासियों को रामनवमी की शुभकानाएं देते हुए कहा कि सभी को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने माता रानी और भगवान श्री राम से गढ़वा सहित पूरे देश में एकता एवं अखंडता बनाये रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रीराम का आदर्श मानव चेतना का उत्कर्ष है। असुरों का संहार करने के लिए भगवान राम ने पृथ्वी पर अवतार लेकर अपने जीवन में मर्यादा का पालन करते हुए मर्यादा पुरूषोत्तम कहलाये। उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति में भगवान राम आदर्श व्यक्तित्व के प्रतीक हैं। इसीलिए सभी को अपने जीवन में भगवान राम के आदर्श को अपनाना चाहिए। मौके पर भाजपा नेता जवाहर पासवान, जिला महामंत्री संतोष दुबे, ओम सिंह, सुप्रित केशरी, जिला मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे, लक्ष्मीकांत पांडेय, विकास तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कसौधन वैश्य समाज महिला मंच ने स्टॉल लगा कर की रामभक्तों की सेवा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। कसौधन वैश्य समाज महिला मंच के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज गढ़वा मेन रोड में राम भक्तों के लिए शीतल पेयजल, मुरब्बा एवं चना गुड़ का स्टॉल लगाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मंच की अध्यक्ष शोभा कश्यप के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गढ़वा महिला थाना प्रभारी सीमा कुमारी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अध्यक्ष शोभा कश्यप के द्वारा थाना प्रभारी को अंग वस्त्र एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष ममता कश्यप के द्वारा थाना प्रभारी को तलवार भेंट की गयी। कार्यक्रम का संचालन सचिव अर्चना कश्यप के द्वारा किया गया। महिला थाना प्रभारी सीमा कुमारी के द्वारा कहा गया कि बहुत ही गर्व की बात है कि समाज की महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकल कर सामाजिक कार्य में लगी हुई हैं और इन सभी के द्वारा राम भक्तों की सेवा की जा रही है। इनके कार्य और जज्बे को देखकर लोगों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। कार्यक्रम में संगठन मंत्री नमिता कश्यप, उपाध्यक्ष कंचन बाला, संरक्षक किरण देवी, श्यामा देवी, तारा देवी, सगीता देवी एवं अन्य और महिलाएं उपस्थित थीं।

भवनाथपुर प्रखंड क्षेत्र में रामनवमी पर्व के साथ नौ दिवसीय चैत्र नवरात्र पूजा संपन्न

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में रामनवमी पर्व के साथ ही नौ दिवसीय चैत्र नवरात्र पूजा संपन्न हो गया। मंदिरो में सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं भीड़ लगी रही। जबकि कई मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा कन्या पूजन कर उपवास खोला गया। चैत रामनवमी को लेकर भवनाथपुर टाउनशिप मुख्य मार्ग स्थित देवी धाम मंदिर, नटवीर बाबा धाम, अधौरा स्थित मांडर महारानी मंदिर, सिंघिताली स्थित मंदिर, अरसली उतरी दुर्गा मंदिर, टाउनशिप स्थित महावीर मंदिर एवं दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के नवमी के दिन सुबह से सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर मत्था टेककर सुख समृद्धि एवं क्षेत्र में शांति के लिए मन्नते मांगी। राम नवमी पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों के बाहर व्यापक पैमाने पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उधर नवरात्रि पर्व के नवमी के दिन देवीधाम मंदिर एवं नटवीर बाबा धाम पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर श्रीराम सेना के गौरव सिंह, सुभाष गुप्ता, अमन सिंह, गौतम, अंकित, अमृत सिंह, नटवीर बाबा धाम के आयोजक रामदेव राम, जमुना राम, डबलू सिंह, लखन भुंइया, जयराम बैठा, नंदू, संजय सिंह, अमरेश सिंह, भरत कुमार, धर्मेंद्र आदि उपस्थित थे।

सगमा के मकरी गांव में देवी जागरण का आयोजन

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत मकरी गांव के नवजागरण मां भगवती संघ समिति के द्वारा नवरात्र के अष्टमी के दिन बुधवार को देवी जागरण का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिप सदस्य अंजू यादव, प्रखंड प्रमुख अजय साव, थाना प्रभारी सदानंद कुमार, बीरबल मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा, पूर्व जिप सदस्य नंदगोपाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व नवजागरण मां भगवती संघ समिति के द्वारा आये हुए मुख्य अतिथियों एवं सभी कलाकारों को फूल माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सोनभद्र के रावट्सगंज से आयी भोजपुरी गायिका पूजा कैमुरी व अनपरा सोनभद्र के लोक गायक गणेश ग्वाला के साथ गांव के गायक मनीष मौर्या ने भक्ति जागरण की शुरुआत देवी पचड़ा भजन से करते हुए रातभर भजन एवं लोक गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन विहिप के खंड प्रमुख रामजन्म गुप्ता ने किया। आयोजन को सफल बनाने में संघ के अध्यक्ष सुधीर सिंह यादव, उपाध्यक्ष रामचन्द्र शाह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर प्रजापति, सचिव महेंद्र जयसवाल, महामंत्री अजय कुशवाहा, उमेश शर्मा, जयप्रकाश यादव, धीरज जयसवाल, अनिल ठाकुर, महेंद्र शाह, अजित कमलापूरी, कुंदन प्रजापति, उमेश ठाकुर, बिहारी प्रजापति, मोनू जयसवाल, गोरख शाह, पारसनाथ यादव, मनी प्रसाद के साथ अवधेश प्रसाद के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यक्रम को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी।

शोभायात्रा भगवामय रही, बजरंगियों ने लगाये जय श्रीराम जय हनुमान के नारे

लोहरदगा में निकली रामनवमी की भव्य शोभायात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जिले में गुरुवार को भव्य तरीके से श्री रामनवमी की शोभायात्रा निकाली गयी। हर ओर जय श्री राम जय हनुमान के नारे लगाए जा रहे थे। पूरा शहर भगवामय हो गया। शहरी क्षेत्र सहित कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक रूप से रामनवमी की शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें पारंपरिक अस्त्रों व महावीरी पताकों के साथ शामिल होकर हर आयु वर्ग के लोग रामभक्ति की धुन पर खूब झूमे। जुलूस में पारंपरिक अस्त्र शस्त्र के खेल का भी प्रदर्शन हुआ। भगवामय शोभा यात्रा में बजरंगियों ने जय श्रीराम के खूब नारे लगाये। रामायण व श्रीराम और हनुमान पर आधारित झांकिया भी निकाली गयी। बीआईडी अखाड़ा के युवाओं ने आग के खेल का भी प्रदर्शन किया। महिलाएं व युवतियों ने भी जुलूस में शामिल होकर नारी शक्ति की मिशाल पेश की। इस दौरान श्री राम, लखन जानकी जय बालो हनुमान की। जैसे गगन भेदी नारों से शहर पूरी तरह गुंजायमान रहा। अखाड़ों के लोगों ने अस्त्र और शस्त्रों के साथ कलाबाजियों का प्रदर्शन किया। वहीं, रामायण और महाभारत पर आधारित आकर्षक झांकियों की भी प्रस्तुति दी गयी। परंपरागत रूप से थाना टोली अखाड़ा से आरंभ हुई शोभा यात्रा की अगुवाई केंद्रीय महावीर मंडल के संरक्षकों, पदाधिकारियों व गणमान्य लोगों ने की। केंद्रीय महावीर मंडल पदाधिकारी और काफी संख्या में सनातन धर्मावलंबी ने अपनी भागीदारी दी.रामनवमी जुलूस को लेकर विशेषकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। शोभायात्रा में शामिल दर्जनों अखाड़ा दलों के युवाओं ने केसरिया वस्त्र धारण कर पारंपरिक हथियारों के साथ जुलूस में शामिल हुए। पूरा शहर भगवामय में तब्दील हो गया। इधर पुलिस प्रशासन की ओर से ड्रोन से निगरानी सहित सुरक्षा की अभूतपूर्व व्यवस्था की गयी थी। सुरक्षा व्यवस्था में खुद उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी आर रामकुमार की अगुवाई में एसडीपीओ बीएन सिंह, एसडीओ अरविंद कुमार लाल, डीएसओ अमित बेसरा, टाउन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल उरांव, नप पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, आदि घंटो विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में कैंप किए थे। जुलूस में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आये। इधर रामनवमी की शोभायात्रा में रामायण काल पर आधारित निकली झांकियां रामायण की याद दिला रही थी। महिलाएं व युवतियों की टोली भी हाथों में अस्त्र शस्त्र लिए आगे चल रही थी। कोई हाथों में गदा लिए तो कोई हाथों में तलवार लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए थे। हर हाथ में भगवा ध्वज और हाथों में पारंपरिक अस्त्र शस्त्र था। लोग शांतिपूर्ण तरीके से कतारबद्ध होकर नियत रास्ते से शोभायात्रा में चल रहे थे।

रामभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ

लोहरदगा। लोहरदगा में रामनवमी की शोभायात्रा पर प्रतिकूल मौसम का कोई असर नहीं दिखाई दिया। अपराह्न लगभग चार बजे से असामयिक बारिश होती रही। इसके बावजूद रामभक्त युवाओं में उत्साह नजर आया। लोग भींगते हुए भी रामनवमी की भक्तिमय धुन पर झूमते नाचते नजर आए। लोग डीजे की साउंड पर जमकर थिरके। जय श्री राम के गानों से पूरा शहर गुंजायमान हो गया।

रामनवमी को लेकर जिले को 26 जोन में बांटा गया था

लोहरदगा। लोहरदगा में रामनवमी को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने पूरे जिले को 26 जोन में बांट दिया था। इसके तहत संवेदनशील मोहल्लों और गांवों का चयन किया गया था. जिसमें लोहरदगा शहरी क्षेत्र के जोन एक में बड़ी मस्जिद, बगडू मोड़, सोमवार बाजार, पावरगंज, बेलाल मस्जिद, वीर शिवाजी चौक, बरवाटोली चौक, हनुमान मंदिर, गुदरी बाजार, तेतरतर बालिका उच्च विद्यालय, इमली चौक, ईदगाह निंगनी, जोन दो में रेलवे साइडिंग, मैना बगीचा, जुरिया, समाहरणालय, पतराटोली, ढोढहा टोली, दुपट्टा चौक और कुटमु, जोन तीन में रामपुर, इरगांव, भठखिजरी, मुंदो, तिगरा, भक्सो और अरकोसा, जोन चार में हिरही, कुजरा, मन्हों, हेंदलासो, जोरी, हेसल, ओयना को शामिल किया गया था। इसी तरह से कुडू प्रखंड में चार जोन, किस्को प्रखंड में तीन, भंडरा प्रखंड में तीन, कैरो प्रखंड में चार, बगडू थाना क्षेत्र में तीन जोन बनाये गये थे। सभी जोन के पदाधिकारियों को कंट्रोल रूम से जोड़ा गया था, ताकि पल-पल की खबर कंट्रोल रूम के माध्यम से पुलिस प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों तक पहुंचती रहे. जबकि संवेदनशील स्थानों में एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह, बीडीओ प्रतिभा कुजूर और पुलिस अवर निरीक्षक सह लोहरदगा थाना प्रभारी अनिल उरांव को विधि-व्यवस्था और सुरक्षा-व्यवस्था के लिए जोनल पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया था।

8 अप्रैल को समाहरणालय सभागार में होगी नीलामी

जब्त वाहनों की नीलामी को लेकर खनन विभाग ने निकाली निविदा

निविदा 8 अप्रैल को समाहरणालय सभागार उपायुक्त द्वारा गठित समिति के समक्ष होगी

संतोष सिन्हा

बालूमाथ। उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जिला खनन विभाग के द्वारा जब्त वाहनों की नीलामी को लेकर निविदा निकाली है। निविदा 8 अप्रैल को समाहरणालय सभागार उपायुक्त द्वारा गठित समिति के समक्ष होगी। जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि लातेहार जिलांतार्गत कोयला खनिज के अवैध, परिवहन, भंडारण में जब्त वाहनों की नीलामी की जायेगी, जिसके लिए निविदा आमंत्रित किये गये है। उन्होंने बताया कि निविदा 8 अप्रैल को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त द्वारा गठित समिति के समक्ष 3:00 बजे खोली जायेगी एवं निविदा में भाग लेने वालों को नीलामी में दिये गये शर्तो को पूरा करना अनिवार्य होगा।

निविदा में भाग लेने के लिए शर्त

जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि नीलामी में भाग लेने वाले संवेदको को सुरक्षित जमा राशि का दस प्रतिशत की राशि निर्धारित प्रतिभूति रकम के रूप में जिला खनन पदाधिकारी के नाम बैंक ड्राफ्ट, आयकर निर्टन की छायाप्रति, पासपोर्ट साइस फोटो की दो प्रति, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पहचान पत्र की छाया प्रति आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।

संवेदक पर अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन से संबंधित थाना में मामला दर्ज नहीं हो

जिला खनन विभाग की ओर जब्त वाहनों की नीलामी को लेकर निकाली गयी निविदा में भाग लेने के लिए संवेदक पर किसी भी थाने में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन को लेकर मामला दर्ज नहीं होना चाहिए एवं किसी भी विभाग के द्वारा उनका नाम संस्था का नाम काली सूची में दर्ज नहीं हो।

सेन्हा में कुएं में डूबने से महिला की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। झालजमीरा के छापर टोली में कुएं में डूबने से अधेड़ महिला की मौत हो गयी। वही ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुंए से निकाल गया। सूचना पर सेन्हा थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए अग्रतर कारवाई में पुलिस जुट गयी। बताया जाता है कि छापर टोली निवासी एते उरांव की 50 वर्षीय पत्नी भगवनिया उरांव घर के समीप अपने ही कुएं में सुबह पानी भरने गयी थी। उसी क्रम में कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों को तब हुआ जब काफी देर तक भगवनिया उरांव को घर में नही देखा गया। एक दूसरे से पूछते हुए छानबीन करने लगा तभी बताया गया कि पानी भरने गयी थी। उसके बाद कुएं में झांक कर देखा तो रस्सी को देख संदेह होने पर बांस के सहारे घुस कर देखा तो पानी के अंदर डूबा हुआ था। जिसे ग्रामीणों के सहयोग से बाहर निकाल सेन्हा थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान को घटना की सूचना दिया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही उनके निर्देश पर सआनि जमशेद खान दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। वहीं परिजनों द्वारा बताया गया की पूर्व से मिर्गी बीमारी से ग्रस्ति थी। और बीच बीच मे अचेत हो जाती थी। बताते हुए कहा की पानी भरने के दौरान मिर्गी आ गया जिससे कुएं में गिर गयी और उसकी मौत हो गया। वहीं पुलिस पदाधिकारी का कहना है कि प्रथमा दृष्टया कुएं में गिरने एवं डूबने से मौत होने का प्रतीत होता है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदु पर जांच कर रही है।

झारखंड आंदोलनकारी कयूम खान की पत्नी का निधन

लोहरदगा। वरिष्ठ पत्रकार व झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी कयूम खान की धर्मपत्नी शबनम परवीन का निधन गुरुवार को हो गया। 52 वर्षीय शबनम परवीन पिछले कई माह से गंभीर बीमारी से जूझ रही थी तथा इनका इलाज भी राज्य के विभिन्न अस्पतालों से चल रहा था। गुरुवार को भी सुबह इनको लेकर परिजन डॉक्टर के पास रांची जाने वाले थे इससे पूर्व ही सुबह उनका निधन हो गया। वरिष्ठ पत्रकार कयूम खान की धर्मपत्नी के निधन की सूचना से जिले में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जिसके बाद हर धर्म और समुदाय के लोगों ने कयूम खान की पत्नी के निधन पर अफसोस व्यक्त करते हुए अपनी संवेदनाएं प्रकट की तथा उनके निवास स्थान पहुंचकर परिवार से मुलाकात की। इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े होने का एहसास दिलाया। मृतिका अपने पीछे पति सहित दो पुत्री को छोड़ गई है मृतिका शबनम परवीन का अंतिम संस्कार लोहरदगा कब्रिस्तान में किया गया जहां सैकड़ों की संख्या में हर धर्म समुदाय के लोग पहुंचकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। शोक व्यक्त करने वालों में राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत, स्थानीय विधायक रामेश्वर उरांव, पूर्व विधायक सुखदेव भगत, आजसू नेत्री नीरू शांति भगत समेत जिले व प्रखंड के प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी पत्रकार शामिल है।

हर्षोल्लास के साथ सेन्हा में मना रामनवमी पर्व

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के सेरेंगहातु तोड़ार पंचायत क्षेत्र में हर्षोउल्लास व सौहार्द के साथ रामनवमी पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर रामभक्तों ने महावीर मंडल कमिटी सेरेंगहातु के नेतृत्व में अस्त्र शस्त्र के साथ शोभायात्रा निकाला। शोभायात्रा के दौरान अंजुमन इस्लामिया द्वारा पगड़ी पोशी कर रामभक्तों को स्वागत किया और सभी रामभक्तों को जलपान में चना पानी सुविधा मुहैया कराया उसके बाद शोभायात्रा में शामिल सभी अखाड़ा मेल स्थल पहुंच अपने अस्त्र शस्त्र का परिचालन कर खेल का प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि सेरेंगहातु में पूर्व से एक दूसरे समुदाय के पर्व में सहयोग किया जाता है। आपसी सौहार्द का परिचय दे मिशाल कायम करने के दिशा में कार्य किया जाता है। शोभायात्रा के दौरान केंद्रीय महावीर मंडल कमिटी के राजू साहू जगेश्वर साहू,मुनेश्वर साहू द्वारा बताया गया है कि पर्व खुशियों का त्योहार है। ऐसे अवसर पर खुशियां बाटते पर्व मनाने में काफी आनन्द मिलता है। यह परंपरा हमारे यहाँ दोनों समुदाय के लिए चर्चित है। शोभायात्रा स्वागत में अंजुमन इस्लामिया के सदर मनौवर अंसारी,सेकेट्री आजम अंसारी सफरूद्दीन अंसारी,मुस्तकीम अंसार समसुद्दीन अंसारी इम्तियाज अंसारी सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा पगड़ी पोसी एवं स्वागत किया गया।

सीआरपीएफ नें मनाया गया रामनवमी

लोहरदगा। सीआरपीएफ 158 बटालियन मुख्यालय में राम नवमी का त्यौहार बड़े हर्षो उल्लास से मनाया गया। राम नवमी के इस अवसर पर 158 बटालियन के कमांडेन्ट, राहुल कुमार ने जवानों एवं उनके परिवारजनों को बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी। तदोपरान्त मुख्यालय 158 बटालियन में प्रातः राम नवमी की पूजा-अर्चना की गई एवं बटालियन परिसर में भंडारा का भी आयोजन किया गया जिसमें बटालियन के समस्त अधिकारीगण तथा सभी जवान परिवार सहित सम्मिलित हुए। इसके अलावे स्थानीय बच्चों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

महुआडांड़ में रामनवमी का त्योहार पूरे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न

विधि व्यवस्था संधारण को लेकर प्रशासन पूरी तरह से रहा मुस्तैद

आजाद सिपाही संवाददाता

महुआडांड। महुआडांड प्रखंड में रामनवमी का त्योहार गुरूवार को पूरे धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रामनवमी के इस पावन बेला पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद, महुआडांड हिन्दू महासभा एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में महावीरी झण्डे का मिलान समारोह का आयोजन स्थानीय शास्त्री चौक पर किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की भारी संख्या में महावीरी झंडे के साथ रामभक्त पहुंचे। इस दरम्यान रामभक्तों के जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारो के द्वारा अपने अपने करतब भी दिखाये गये, वही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में महुआडांड एसडीएम नीत निखिल सुरीन, लातेहार जिला मुख्यालय के सदर डीएसपी डॉ. कैलाश करमाली, महुआडांड एसडीपीओ राजेश कुजूर, बीडीओ अमरेन डांग, सर्किल इंस्पेक्टर धर्मदेव पासवान, महुआडांड थाना प्रभारी आशुतोष यादव समेत काफी संख्या में गणमान्य व प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को महुआडांड हिन्दू महासभा के द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रामभक्तों ने महावीरी झण्डे के साथ नृत्य करते हुए कई खेल और करतब दिखाये। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रामभक्तों को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। रामनवमी के अवसर पर अष्टमी को निकला भव्य जुलूस, तो वहीं नवमी को निकाला गया मोटरसाइकल जुलूस...जय हनुमान, जय श्रीराम से गुंजायमान हुआ इलाका। महुआडांड हिन्दू महासभा, बजरंग दल एवं बिहिप के संयुक्त तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महुआडांड प्रखण्ड में रामनवमी के अवसर पर अष्टमी की संध्या को भव्य जुलूस एवं नवमी को मोटरसाइकल जुलूस निकला गया। ये जुलूस दुर्गा बाड़ी से शुरू होकर शास्त्री चौक, बिरसा मुंडा चौक, अम्बवाटोली, होते पुरे बाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस दुर्गा बाड़ी मे पहुंच कर संपन्न हुई। इस दौरान हर जगह राम भक्त अपने जौहर व कला का प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में महुआडांड हिन्दू महासभा के अध्यक्ष मनोज जायसवाल, महामंत्री संजय जायसवाल, बजरंग दल के पलामू प्रमंडल विभाग के संयोजक सुरज प्रसाद, प्रदीप जायसवाल, उज्जवल धनुष, निरंजन जायसवाल, नितिश साहू आदि का योगदान सराहनीय रहा। विधि व्यवस्था संधारण को लेकर प्रशासन पुरी तरह से रहा मुस्तैद।

ड्रोन कैमरे से की जा रही थी निगाहबानी

लातेहार उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार विधि व्यवस्था संधारण को लेकर महुआडांड एसडीएम नीत निखिल सुरीन, लातेहार जिला मुख्यालय के सदर डीएसपी डॉ. कैलाश करमाली, महुआडांड एसडीपीओ राजेश कुजूर, बीडीओ अमरेन डांग, सर्किल इंस्पेक्टर धर्मदेव पासवान एवं महुआडांड थाना प्रभारी आशुतोष यादव के संयुक्त नेतृत्व में महुआडांड प्रखंड प्रशासन पुरी तरह से रहा मुस्तैद रही। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह-जगह पुलिस बल के जवान तैनात थे। ड्रोन कैमरे से भी की जा रही थी निगाहबानी।

भगवान राम के गुणों से युवाओं को सीख लेनी चाहिए : मिशन बदलाव

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मिशन बदलाव के युवाओं द्वारा रामनवमी के जुलूस के स्वागत के लिए श्रद्धालुओं को फूलों से स्वागत किया गया। सभी श्रद्धालुओं के लिये चना, पानी और शरबत की भी व्यस्था की गयी। मिशन बदलाव के संस्थापक सदस्य अमित सिंह एवं राज कुमार ने कहा कि रामनवमी में भगवान राम के आदर्शों से सभी युवाओं को सीख लेने की आवश्यकता है। उनके द्वारा माता शबरी की बेर को जिस तन्मयता के साथ ग्रहण किया गया वह हमारे लिये आदर्श है। सभी लोगों को उंच-नीच भावनाओं से दूर रहना चाहिए। मिशन बदलाव के महिला जिला सचिव सैयदा खातुन ने कहा कि सभी युवाओं को अपने पिता और माता का सम्मान करना चाहिए। ज्योति वर्मा ने कहा कि आदर्श पुत्र के गुणों को उनके द्वारा दिखाया भी गया। मिशन बदलाव के नंद किशोर मंत्री ने कहा कि इस पर्व का विशेष महत्व है। रामनवमी के साथ ही मां दुर्गा के नवरात्रों का समापन भी होता है। मिशन बदलाव के लखन गोप और बिनय गोप ने कहा कि भगवान श्रीराम ने धर्मयुद्ध में विजय पाने के लिए देवी दुर्गा की पूजा की। देवी दुर्गा से उन्हें असीम शक्ति प्राप्त हुई। बिनोद साहू और अशोक तिग्गा ने पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन स्वयं भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लिया था। यही वजह है कि हिंदुओं के द्वारा रामनवमी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम में मिशन बदलाव की ज्योति वर्मा, गलोरिया कुजूर, प्रीति कुमारी, बिनोद साहू, अशोक तिग्गा, सचिदानंद कुमार, तबरेज खान, आनंद कुमार, रविकांत भूषण एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रामनवमी : तेज बारिश में भी कम नहीं हुआ राम भक्तों का जुनून

गुमला में रामनवमी जुलूस में उमड़ी राम भक्तों की भीड़

साउंड सिस्टम से पूरा शहर जयश्री राम के नारों से गूंज रहा था

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। रामनवमी का जुलूस जिला मुख्यालय में धूमधाम से निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व केन्द्रीय महावीर मंडल समिति के पदाधिकारियों ने किया। केन्द्रीय महावीर मंडल समिति महावीरी झंडा और पारम्परिक ढोल नगाड़ा के साथ जुलूस की अगुवाई कर रहा था। बाकी सारे अखाड़े केन्द्रीय महावीर मंडल समिति के महावीरी झंडा के पीछे-पीछे चल रहे थे। जुलूस में शामिल नौजवान डंका बाजा की धुन पर थिरकते नजर आये। कई संस्थान द्वारा जुलूस में साउंड सिस्टम का प्रयोग किया था। साउंड सिस्टम से पूरा शहर जयश्री राम के नारों से गूंज रहा था। भारत का बच्चा-बच्चा जय श्री राम बोलेगा, मुझे चढ़ गया भगवा रंग, राम जी की निकली सवारी जैसे गीतों से जिला मुख्यालय आस्था के गढ़ में तब्दील हो गया।

जुलूस के दौरान लोग जय श्री राम और जय हनुमान के नारे लग रहे थे। कहीं ढोल नगाड़ा तो कहीं डंका और कहीं लाउडस्पीकर से भक्ति गीत की गुंज सुनाई पड़ रही थी। केन्द्रीय महावीर मंडल समिति का महावीरी झंडा गाजे बाजे के साथ टावर चौक पहुंचा। टावर चौक से आरंभ हो कर रामनवमी जुलूस पालकोट रोड, घाटो बगीचा से सिसई रोड, टावर चौक होते हुए मेन रोड, काली मंदिर पहुंचा। वहां से वापस डाकघर रोड दुन्दुरिया से वापस थाना रोड होते हुए टावर चौक में समाप्त हो गया। रामवनमी जुलूस देखने के लिए गांव-गांव से लोग आये थे।

बारिश के वावजूद फीका नहीं पड़ा जूलूस का जुनून : रामनवमी का जुलूस निकलने के ठीक थोड़ी देर बाद जमकर बारिश शुरू हो गई। लेकिन बारिश में भी कर भी राम भक्त जुलूस में राम भजनों के धुन पर थिरकते रहे। बारिश भी राम भक्तों के जुलूस का जुनून फीका नहीं नहीं कर सका। काफी देर तक बारिश होती रही और जुलूस निरंतर अपने मार्गों पर आगे बढ़ता रहा।

कांग्रेसियों ने लगाया स्टॉल : कांग्रेस पार्टी ने जूलूस के स्वागत के लिए टावर चौक पर स्टॉल लगाकर शरबत पानी पिलाया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चैत्तु उरांव ने केंद्रीय महावीर मंडल के पदाधिकारियों को गले लगा कर रामनवमी की बधाई दी। मौके पर मुख्य रूप से रमेश कुमार चीनी, फिरोज आलम, राजीव रंजन महतो, सनी राम, अकील रहमान, तरुण गोप, डॉक्टर अशरफ, कलाम राय,मुख्तार आलम,रफी अली, मोहम्मद खालिद हनदु भगत, जासमीन लुगुन, विष्णु राम साहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

जारी में रामनवमी पर प्रखंड वासियों के लिए ड्रोन कैमरा रहा आकर्षण का केंद्र

जारी (आजाद सिपाही)। जारी प्रखंड में रामनवमी पर्व पर प्रखंड वासियो के लिए ड्रोन कैमरा रहा आकर्षण का केन्द्र। जारी प्रखंड मे रामनवमी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वहीं प्रखंड में जारी, गौखर्रा, तिल्हैटोली, कोमड़ो, गोबिन्दपुर, हूटार आदि जगहों पर झण्डा मिलान का कार्यक्रम किया गया। झण्डा मिलान कार्यक्रम में लोगों ने जमकर कीर्तन भजन किया और अपने कला का प्रदर्शन कर लोगों को मन्त्रमुग्ध किया। वहीं दूसरी ओर रामनवमी का त्योहार शांतिपूर्ण संपन्न कराने में एलआरडीसी सुषमा लकड़ा, बीडीओ सुमन गुप्ता, सीओ रेशमा रेखा मिंज, प्रशिक्षु डीएसपी प्रदीप कुमार, इंस्पेक्टर बैजू उरांव, जारी थाना प्रभारी मनीष कुमार, अंकु कुमार ने पुलिस बल के साथ जुलूस पर पैनी नजर रख रहे थे। सभी जगह जुलूस पर एसपी के निर्देश पर थानेदार के द्वारा ड्रोन कैमरा से भी नजर लगाये हुए थे।

डुमरी में धूमधाम से निकला रामनवमी जुलूस

डुमरी (आजाद सिपाही)। मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह में श्रद्धालुओं द्वारा रामनवमी झंडा का भक्तिपूर्वक पूजा की गयी। चना-गुड प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। उसके बाद सभी पूजा समितियो के सदस्यों द्वारा पूजा स्थल से रामनवमी झंडा को लेकर जय श्रीराम, जय बजरंग बली के नारे के साथ घर घर का भ्रमण कराया गया। उसके बाद मिलन स्थल जाकर झंडा मिलन किया गया, जहां पर सैकड़ों राम भक्तों के जय श्री राम और जय बजरंग बली का जयकारा और रामनवमी गीत से पूरा माहौल भक्तिमय रहा। डुमरी समिति द्वारा राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की झांकी निकाली गई। मिलन स्थल पर मेले जैसा माहौल था। इस दौरान पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

जय श्री राम एवं बजरंग बली की जय के नारों से गूंजा पालकोट प्रखंड

पालकोट (आजाद सिपाही)। प्रखंड अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्र के गांव में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पूरा प्रखंड जय श्री राम व बजरंग बली की जय के नारे से गूंज उठा। राम नवमी के अवसर केंद्रीय महावीर मण्डल, सुभाष नगर के अलावे विभिन्न सगठनों ने भव्य जुलुस निकाला। जिसमें देर शाम तक लोग जमकर थिरके। राम नवमी का त्योहार पालकोट के विभिन्न क्षेत्रों में उत्साह और भक्ति के साथ शांति पूर्वक मनाया गया। रामनवमी जुलूस पालकोट के हनुमान मंदिर से होते हुए बस स्टैंड थाना, अम्बाटोली, राजा मैदान में अस्त्र शस्त्र चालन किया गया। वहीं झंडा मिलान कराकर लाठी डंडे का खेल हुआ। जुलूस को राहत देने के लिए थाना के बाहर सरबत, चना-गुड़ की व्यवस्था की गयी थी। जुलूस में केंद्रीय महावीर मंडल पूजा समिति, सुभाष नगर रामनवमी पूजा समिति, विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की भूमिका काफी सराहनीय रही। साथ ही शांति व्यवस्था व सुरक्षा हेतु थाना के अधिकारी भी जुलूस के साथ साथ चल रहे थे। जिसमें विकाश गुप्ता, बसन्त गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, सूरज देव सिंह, रामअवध साहू, मनोज केसरी, महादेव केसरी, गोपाल प्रसाद केसरी, मनोज नायक, मनोज साव, थाना प्रभारी अनिल लिंडा थाना के अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

नवरात्र के समापन पर गायत्री शक्तिपीठ गुमला में पंच कुंडीय यज्ञ का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। गुरुवार को लगातार नौ दिनों से चले आ रहे नवरात्र के आखिरी दिन एवं रामनवमी के अवसर पर बड़ाईक मुहल्ला स्थित गायत्री शक्तिपीठ गुमला में भव्य रूप से विश्व शांति के उद्देश्य से एवं गुमला जिला के सुख समृद्धि हेतु पंच कुंडीय यज्ञ कार्यक्रम एवं पूजन का आयोजन किया गया। इसमें परिवार्जक बलिराम भगत एवं ब्रह्मदेव जी के द्वारा हवन पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। हवन के पश्चात कलश में स्थापित जल को स्वास्थ्य लाभ हेतु सभी भक्तों के ऊपर छिड़काव किया गया एवं प्रसाद के रूप में अमृतासन और खीर का प्रसाद भक्तों के बीच वितरण किया गया। हवन कार्यक्रम के पश्चात सरस्वती देवी द्वारा रामनवमी ध्वज फहराकर पूजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्रह्मदेव जी, प्रमोद सिंह, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार दास, आशा देवी, राधा देवी, उर्मिला बहन, मुद्रिका सिंह, संध्या बहन, कुलदीप जी, लक्ष्मी विश्वकर्मा, विश्वनाथ जयसवाल, मीना देवी, प्रतिमा देवी, नीरजा राय, गीता देवी, सुरेंद्र राय, ज्ञानदीप कुमार सिंह, सरस्वती देवी, लक्ष्मी देवी, बबीता देवी, सरिता देवी, मालती देवी, सुचिता देवी, शिल्पा देवी, सीमा देवी, अमृता कुमारी, प्रिया विश्वकर्मा, नीलम देवी, मीरा देवी सहित सैकड़ों की संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

कामडारा प्रखंड में धूमधाम से निकला रामनवमी जुलूस

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल कामडारा ने तासा के साथ झांसी निकाली

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा। प्रखंड मुख्यालय के अलावे प्रखंड क्षेत्र के कई गांव में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पूरा प्रखंड जय श्री राम व बजरंग बली की जय के नारे से गूंज उठा। राम नवमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल कामडारा के द्वारा तासा व झांसी निकाली गई। जिसमें देर शाम तक लोग जमकर थिरके। राम नवमी का त्योहार को कामडारा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्साह और भक्ति के साथ शांति पूर्वक मनाया गया। बजरंग बली की पूजा कर हाथ में भगवान झंडा लेकर सड़क में जुलूस निकाला गया ये जुलूस कामडरा महादेव मांडातांड़ से होते हुए प्रिंस चौक गया फिर रांची-सिमडेगा मुख्य पथ से ब्लॉक चौक होते कामडारा हॉस्पिटल बजरंग बली मंदिर में झंडा मिलन करा कर लाठी डंडे का खेल हुआ। जुलूस को राहत देने के लिए युवा सरना समिति, मिशन बदलाव, राहुल टेन्ट हाउस, जैन ट्रेडर्स और कामडरा थाना के लोग शर्बत एवं गुड़-चना का वितरण किया गया। इस जुलूस को सफल बनाने में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की भूमिका काफी सराहनीय रही। साथ ही शांति व्यवस्था व सुरक्षा हेतु थाना के अधिकारी भी जुलूस के साथ-साथ रहे जिसमें अनिरुद्ध ठाकुर, राममोहन साहू, जमुना प्रसाद, तुलराज कांशी (टुलु साहू), बबलू रजक, बिनोद ठाकुर, अवध बिहारी गुप्ता, अनुप तिवारी, सुधीर महतो, तुला सिंह, रामबालक बड़ाईक, सतीश बड़ाईक, सुनील साहू, रंजन साहू, मुकेश साहू, पहलाद साहू, संतोष साहू, हीरा साहू, घनश्याम साहू, पितांबर साहू, मिंटू सोनी, आसीस सिंह, सिकन्दर सिंह, नमन टोपनो, मारवाड़ी बिरहोर, मकुन्द नायक, सुमित्रा कुमारी, दिनेश सिंह, श्याम कुमार सिन्हा, खुशबहाल साहू, थाना प्रभारी कौशलेंद्र कुमार एवं थाना के अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

महाअष्टमी शोभायात्रा का पूर्व विधायक एवं वार्ड पार्षद ने किया स्वागत

गुमला (आजाद सिपाही)। डीएसपी रोड में बुधवार की रात शिविर लगाकर पूर्व विधायक कमलेश उरांव तथा वार्ड पार्षद शैल मिश्रा की अगुवाई में महाअष्टमी शोभायात्रा का नेतृत्व कर रहे महावीर मंड़ल केन्द्रीय समिति के पदाधिकारियों तथा नगर के विभिन्न अखाड़ों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्यों को रामनामी पट्टा ओढ़ा कर और चना, शरबत देकर स्वागत किया गया। मौके पर भाजपा नेता विकास श्रीवास्तव, गोलू सहित वीरेन्द्र कुमार सिन्हा, द्वारिका मिश्र, महावीर मिश्र, संजीव राव, श्यामा कांत मिश्र, निशिथ प्रसून, प्रियेस कुमार राव, संतोष कुमार, दिपशिखा, नंदिता प्रसून, रिमझिम, वंदना सोनी, नीधि प्रसून, बबिता देवी, दीपा सिन्हा आदि उपस्थित थे।

बिशुनपुर में बारिश में भी भक्तों का एक ही नाम जय श्रीराम जय श्रीराम गूंजा

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। राम नवमी के अवसर पर गुरुवार अहले सुबह ही प्रखंड क्षेत्र के हिंदू परिवारों ने अपने घरों के आंगन में महावीर झंडा निकालकर हनुमान एवं भगवान राम की श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना की। वहीं दूसरी पहर चट्टी, सेरका, नवागढ़, एवं बनारी क्षेत्र के समितियों द्वारा जुलूस निकाला गया। इसी बीच अचानक भारी बारिश शुरू हुई एवं बिजली की जोरदार गड़गड़ाहट से जहां एक और लोग सहम गये वहीं दूसरी ओर राम भक्तों के द्वारा जय हनुमान जय श्री राम के नारों के साथ जुलूस निकाला गया। जहां छोटे-छोटे बच्चे से लेकर बड़े राम भक्तों ने भीगते हुए जुलूस में शामिल होकर लिया एक ही नाम जय श्रीराम जय श्रीराम।

इस दौरान बच्चों के द्वारा झांकी की तैयारियां भी की गई थी लेकिन अचानक हुई बारिश ने सबकी तैयारी फीकी कर दी। फिर भी बच्चे व बड़े जुलूस में शामिल होकर परंपरागत अस्त्र-शस्त्र के साथ कला कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान वाद्य यंत्रों की धुनों पर नाचते गाते जय श्री राम का उद्घोष किया। रामनवमी जुलूस में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सजग रहा एवं समितियों के द्वारा पहुंचे राम भक्तों के बीच गुड़ चना प्रसाद के रूप में वितरण किया गया।

जुलूस संरक्षक के रूप में मुख्य रूप से भिखारी भगत, केदार साहू, देवी सिंह, आलोक उरांव, जगत ठाकुर, प्रदीप उरांव, आशीष साहू, अनीश सिंह, राधेश्याम सिंह, सुरेंद्र मांझी, प्रकाश गिरी, रोहित साहू, राजेंद्र लोहरा सहित कई लोग उपस्थित थे।

रामनवमी जुलूस में जय श्री राम के उदघोष से गूंजा रायडीह प्रखंड क्षेत्र

रायडीह (आजाद सिपाही)। जय श्री राम के उदघोष से गुंजायमान रहा रायडीह प्रखंड क्षेत्र। रामनवमी के मौके पर प्रखंड के बासुदेव कोना, अरंडा, बांसडीह, केमटे, जमगाई, बिरकेरा, सुरसांग आदि अनेक जगहों पर मेला का आयोजन हुआ और झंडा का मिलान किया गया। अरंडा में मांझाटोली, कटकांया, तुलमुंगा, छतरपुर, रायडीह गांवों का झंडा का मिलान किया गया। उसके बाद ग्रामीणों के द्वारा अस्त्र शस्त्र का खेल दिखाया गया। बच्चों के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर सुंदर झांकी प्रस्तुत की गयी। मौके पर बीडीओ अमित कुमार मिश्रा, अंचल निरीक्षक खीस्टोफर किड़ो, एएसआई रंजय सिंह, प्रेम प्रसाद, प्रभु सिंह, अर्जुन मल्लाह, प्रमोद प्रसाद, कोमता प्रसाद, सुमित प्रसाद, प्रवीण सिंह, मदन बैगा, बसंत प्रसाद, कमलेश झा, जमाल ताज, लालो राय, बिनोद प्रसाद और गणमान्य व्यक्ति और हजारों श्रद्धालु मौजूद थे।

शोकसभा : सर्व धर्म सद्भावना मंच के प्रथम अध्यक्ष सलीम खान को दी गयी श्रद्धांजलि, वक्ताओं ने कहा

सलीम साहब गुमला जिला में सद्भावना के मिसाल थे

उनके सफल मार्गदर्शन एवं सूझबूझ से कई बार गुमला का माहौल बिगड़ने से बचा था

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सर्व धर्म सद्भावना मंच के प्रथम अध्यक्ष दिवंगत सलीम खान साहब की याद में शोक सभा का आयोजन कर गहरी संवेदना एवं दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

सद्भावना मंच के अध्यक्ष फादर क्रिस्टोफर लकड़ा द्वारा गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि सलीम खान साहब एक सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता एवं कुशल नेतृत्वकर्ता थे। गुमला में अनेकों बार माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया था लेकिन सलीम साहब की सूझबूझ एवं अथक प्रयास से उन्होंने गुमला के माहौल को संभाला था। मंच के कार्यकारी अध्यक्ष एनएमपी श्रीवास्तव ने कहा कि सलीम साहब सद्भावना के मिसाल थे। उन्होंने हमेशा आपसी भाईचारे की सांप्रदायिक सद्भाव पर जोर दिया। मंच के रमेश कुमार चीनी ने कहा कि सलीम खान साहब गुमला अंजुमन के 27 वर्षों तक सदर रहे। उनके सदारत में अनेकों बार ऐसे मौके आये जब सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने की स्थिति आ गयी थी। उनके सफल मार्गदर्शन एवं सूझबूझ से गुमला का माहौल बिगड़ने से बचा था। सही मायने में सलीम साहब गुमला जिले में भाईचारा की मजबूत स्तंभ थे। मुरली मनोहर प्रसाद ने कहा सलीम खान साहब बहुत ही अच्छे फुटबॉलर और खेल प्रेमी थे। अनेकों सामाजिक कार्यक्रम में भाग लिया करते थे। उनको हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सरदार रंजीत सिंह ने कहा कि सलीम साहब के निधन से हमारे समाज की परिवारिक क्षति हुई है। सद्भावना मंच को भी गहरा सदमा लगा है।

शोकसभा में फादर क्रिस्टोफर लकड़ा, एनएमपी श्रीवास्तव, रमेश कुमार चीनी अखिल रहमान सरदार रंजीत सिंह, मुरली मनोहर प्रसाद, अमर कुजूर, चंदन मिंज, रॉबर्ट टोप्पो, अभिषेक कुमार चंदन, जॉर्ज तिर्की, अजय कुमार, फिरोज आलम, रमजान खान, कलाम आलम, चुमनू उरांव उपस्थित थे।

बसिया में धूमधाम से मना रामनवमी पर्व

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के बसिया, कोनबीर, लौंगा, कलिगा, ससिया, तुरबुंगा, मोरेंग, नारेकेला, कुम्हारी समेत पूरे प्रखंड क्षेत्र में रामनवमी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान रामनवमी जुलूस, आकर्षण झांकी आकर्षण का केंद बना रहा। बसिया और कोनबीर कि ओर से निकाले गए जुलूस का समापन दक्षिणी कोयल नदी स्थित नकटी देवी पूजास्थल में अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन से हुआ। प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरा से सभी जगहों पर नजर बनाए रखा गया। मौके पर जिप सदस्य बसंती डुंगडुंग, एसडीओ संजय पीएम कुजूर, एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी, बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता, सीओ रविन्द्र कुमार पांडेय, थाना प्रभारी छोटू उरांव समेत अनेक जनप्रतिनिधि और गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिसई प्रखंड क्षेत्र में 35 अखाड़ों ने निकाली भव्य रामनवमी शोभायात्रा

सिसई (आजाद सिपाही)। सिसई प्रखंड में रामनवमी के अवसर पर पिलखी मोड़ स्थित पारंपरिक रामनवमी मिलन स्थल सत्तासिल्ली रामनवमी मैदान में विभिन्न गांवों की कुल 35 अखाड़ों की शोभा यात्रा मिलन स्थल पहुंची। मिलन स्थल से शोभा यात्रा मेन रोड होते हुए थाना रोड, शिव मंदिर परिसर और मेन रोड स्थित धर्मशाला के समीप पहुंची। जहां विभिन्न अखाड़ों के रामभक्त कलाकारों द्वारा अपने मनमोहक कला-कौशल का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात केन्द्रीय महावीर मंडल सिसई के द्वारा कलाकारों व सभी अखाड़ा को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। रामनवमी शोभा यात्रा में पुलिस-प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किये गये थे। मौके पर जिप अध्यक्ष किरण बाड़ा, जिप सदस्य विजय लक्ष्मी कुमारी, मुखिया शोभा देवी, सुगिया देवी, सुनिता देवी, अलवीना देवी, केन्द्रीय महावीर मंडल सिसई अध्यक्ष संदीप कुमार गुप्ता, सचिव मुकेश ताम्रकार, सुधीर साहु, संरक्षक तेजमोहन साहु, निरंजन सिंह, दिलीप गुप्ता,दीपक गुप्ता, सुजीत जायसवाल, कोषाध्यक्ष सुमित महली, देवेन्द्र साहु, उपाध्यक्ष रामानंद सिंह, अरुण नारायण सिंह, विनय केशरी, आकाश लाल, रोहित शर्मा, गौतम ताम्रकार सहित हजारों लोग शामिल थे।

हुसैनाबाद के दंगवार में कड़ी सुरक्षा में निकला रामनवमी का भव्य जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के दंगवार में गाजे बाजे के साथ गुरुवार को धूमधाम से रामनवमी का भव्य जूलूस निकाला गया। जूलूस दंगवार देवी स्थान से शुरू होकर दंगवार बाजार क्षेत्र भ्रमण करते हुए अंबागढ़ शिव मंदिर होकर दंगवार ओ पी होते हुए नदियाइन पहुंचा। इस दौरान बाहर से आए भोजपूरी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति संगीत प्रस्तुत कर मधुर आवाज से लोगों को आकर्षित किया। जूलूस के दौरान जय श्री राम, जय हनुमान, सहित कई धार्मिक नारे से पूरा दंगवार क्षेत्र गूंज उठा। वहीं जूलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए हुसैनाबाद थाना प्रभारी जगन्नाथ धान एवं दंगवार ओपी प्रभारी चंदन शर्मा अपने जवानों के साथ तैनात रहे। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मुस्तैद रहे। मुखिया अमरेंद्र ठाकुर एवम पूर्व मुखिया रामलखन यादव ने सभी को रामनवमी पर्व की बधाई दी। कमेटी के सदस्यों ने सभी को अंग वस्त्र एवं तलवार देकर सम्मानित किया। रामभक्तों ने अद्भूत तलवार एवं डंडा का प्रदर्शन किया।

इस मौके पर दंगवार के मुखिया अमरेंद्र ठाकुर, पूर्व मुखिया रामलखन यादव, दंगवार ओ पी प्रभारी चन्दन शर्मा, अयोध्या सिंह, बिगन प्रजापति, श्यामदयाल मेहता, समाजसेवी अरुण चंद्रवंशी, रामप्रवेश यादव जीपीएस वशिष्ठ तिवारी, दंगवार में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह जे ई पंकज यादव, उपाध्यक्ष विवेक गुप्ता, योगेंद्र सिंह, संतोष राम, नितेश कुमार, अरविंद गुप्ता, दिलीप गुप्ता आदि उपस्थित थे।

रामनवमी के अवसर पर जगह-जगह भव्य कार्यक्रम आयोजित कर मनाया गया त्योहार

श्रीराम का जन्म ही कमजोर तबके को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था: अविनाश देव

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। रामनवमी की पूर्वसंध्या पर श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल की ओर से छह हमुहान चौक पर सम्मान समारोह सह सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के तमाम समाजसेवियों को फूलमाला, अंगवस्त्र, तलवार व पगड़ीपोशी कर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद हाऊसिंग कॉलोनी नवयुवक दल के अध्यक्ष पंकज ने पगड़ीपोशी की रश्म अदायगी की। यह कार्यक्रम मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के संदेश को जन-जन तक प्रसारित करने व रामराज्य की स्थापना के लिए एवं जनांदोलन बनाने के लिए आयोजित किया गया। इस मौके पर युवा समाजसेवी सह झामुमो नेता अविनाश देव ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम अपने पिता का वचन निभाने के लिए राजमहल छोड़ वन को गमन कर गए थे। उनकी

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य सदस्य।

जिंदगी इतनी आसान नहीं थी। वे जहां भी गए, शोषितों को शोषण मुक्त कर उसके राज-पाठ को लौटाए। हम कह सकते हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का जन्म ही कमजोर तबकों को शोषण से मुक्ति के लिए हुआ था। पर आज चारों ओर लूट, झूठ व भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इसलिए जरूरत है ईमानदारी से श्रीराम जी के विचारों को आत्मसात करने की। तभी समाज का भला हो सकता है। इस मौके पर विधायक आलोक चौरसिया, श्री महाबीर नवयुवक दल जेनरल युगल किशोर, वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान शंकर, पंकज जी, रामलखन मेहता, युवा समाजसेवी व वरिष्ठ एडवोकेट ओंकार नाथ तिवारी आदि उपस्थित रहे।

राम भक्त को डराने वाले हो जायें सचेत : डॉ शशिभूषण मेहता

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी के रामभक्तों को गोला टोपी पहन, भेष बदल कर नकली हनुमान बनकर पूजा महासमिति को धमकाने वाले सचेत हो जायें। पांकी विधानसभा में रावण राज नहीं चलेगा। धमकियों से डरनेवाले नहीं। उक्त बातें पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने कही। वे गुरुवार की दोपहर पांकी रामजानकी मंदिर परिसर मे आयोजित भक्ति जागरण के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। रावणराज्य को समाप्त करने के उद्देश्य से ही डॉ शशिभूषण को पांकी की जनता ने आशीर्वाद व सत्ता देकर सेवक चुना है। उन्होंने कहा कि तरहसी के मीडिल स्कूल चौक पर शहीद मंगल पांडेय की आदमकद प्रतिमा लगाई जाएगी जो इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री शामिल होंगे। पांकी की जनता के सुख दुख को जानने के लिए दो-दो पूर्व मुख्यमंत्री पांकी विधानसभा क्षेत्र मे भ्रमण करेंगे। महाशिवरात्रि के पर्व मे लगाये जाने वाले तोरणद्वार निर्माण को रोककर महाशिवरात्रि पूजा को अवरुद्ध करने की नाकाम कोशिश की गई। ऐसे सनातन विरोधी शक्तियों को मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। विधायक डॉ मेहता ने कहा कि पांकी की जनता का एक ही नारा है जो हिन्दू हित की बात करेगा, वहीं यहां पर राज करेगा। लवली गुप्ता ने कहा कि जिसके मन मे श्रीराम हों उनके पास ही वैकुण्ठ धाम हो। पिता के वचन को पूरा करने के लिए राम ने राजगद्दी त्याग वनगमन स्वीकार कर लिया। इसके बाद ही आसुरी शक्तियों का संहार कर भगवान और मयार्दा पुरुषोत्तम की उपाधि पाई। मौके पर प्रो. बच्चन ठाकुर, अजय गुप्ता, प्रमुख पंचम प्रसाद, उपप्रमुख अमित चौहान, रामनवमी पूजा महासमिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद, उपाध्यक्ष पप्पू यादव, शंकर प्रसाद, मुरली प्रसाद, सपा प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव,अरविन्द गुप्ता,सीओ निर्भय कुमार,थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव आदि उपस्थित थे।

जीवन को प्रकाशमान बनाने के लिए आध्यात्मिक अनुष्ठान का है विशेष महत्व : गोपाल पाठक

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। श्री महावीर जी मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से गुरुवार को महावीर जी भवन परिसर में रामचरितमानस नवाह परायण यज्ञ का समापन सह आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसका संचालन राकेश तिवारी ने किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश अग्रवाल, दिनेश कश्यप, आलोक कुमार, लोकनाथ केशरी, कृष्णकांत दूबे, अरविंद ओझा, संजय कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह, अविनाश कश्यप, सचिन आनंद, कामाख्या नारायण सिंह, श्रवण कुमार अग्रवाल आदि ने संयुक्त रूप से यज्ञ आचार्य सह मंदिर पुजारी गोपाल पाठक, पाठकर्ताओं हरिओम पाठक, संजय पाठक, चितरंजन पाठक, अमरेंद्र पाठक,

महाबीर जी प्रबंधन समिति की ओर से यज्ञ आचार्यों को किया गया सम्मानित

प्रफुल पाठक, अमित मिश्रा, प्रेम पाठक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। गोपाल पाठक ने कहा कि जीवन को प्रकाशमान के लिये आध्यात्मिक अनुष्ठान की विशेष महता है। व्याधियों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस ऐसा पूज्य ग्रन्थ है जिसमें जीवन जीने की सभी कला की जानकारी मिलती है। हर घरों में इस उत्प्रेरक व पवित्र ग्रंथ का पाठ होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस महाग्रंथ में दायित्वबोध की जानकारी मिलती है। अनुष्ठान से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर प्रबंधन समिति के संरक्षक प्रकाश लाल अग्रवाल, मिंटू लाल अग्रवाल, श्रवन लाल, दिनेश प्रसाद कश्यप, सचिन आनंद, अजीत अग्रवाल, अध्यक्ष राकेश तिवारी, उपाध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह, सचिव उत्तम कुमार, कोषाध्यक्ष संजय कुमार सोनी, सहसचिव राजीव ठाकुर उर्फ कल्लू, मंजय चौधरी, अमित कश्यप, अजय गुप्ता, छोटेलाल गुप्ता, राजकुमार कश्यप, पंकज गुप्ता, अनिमेष अग्रवाल, राजीव रंजन सौंडिक, सूरज प्रसाद गुप्ता, कृष्ण मुरारीअग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अविनाश कुमार सिन्हा, दिलीप भगत, अंकित कुमार, दीनानाथ सोनी और पंकज गुप्ता आदि सक्रिय रहे।

युवा, खेल, कला, संस्कृति और वन सभी पर्यावरण के अंग और राष्ट्र की धरोहर : कौशल

पर्यावरणविद ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। छतरपुर अनुमंडल के पंचायत डाली बाजार के बैकुंठपुर धाम (नवाटोली) में रामनवमी त्योहार के अवसर पर नवयुवक कमेटी की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम गायन मुकाबला के मुख्य अतिथि विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि युवा,खेल, कला और संस्कृति ये सभी वन और पर्यावरण के अंग ही नहीं बल्कि राष्ट्र के धरोहर भी है। इन सबकी हिफाजत की जिम्मेवारी समाज के सभी लोगों का परम कर्तव्य है। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की जिक्र करते हुए कहा कि हाल की दिनों में हमारे देश की सभ्यता संस्कृति पर पाश्चात्य सभ्यता बेतहासा हावी होते जा रहा है। हमारी वैदिक संस्कृति के अनुरूप जब शादी विवाह या फिर कोई धर्मिक अनुष्ठान होता है तब वर-वधु को गांठ जोड़ने की परंपरा है

पर्यावरण धर्मगुरु कौशल समेत कार्यक्रम में उपस्थित लोग ।

न कि अलग करने की। उसी सभ्यता संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से वे केवल झारखंड ही नहीं देश के अन्य राज्यों में भी जब कभी किसी कार्यक्रम का शुभारंभ करते है तो फीता जोड़कर ही करते रहे हैं।

वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि किसी भी मुल्क के युवा वहां के विकास का बुनियाद होते हैं और ग्रामीण क्षेत्र में मेला और दुगोला मनोरंजन का प्रमुख साधन होता हैं। इससे कई तरह के असाध्य बीमारियां भी दूर हो जाती हैं। इसलिए मनुष्य को जीवन में भोजन और मनोरंजन दोनों जरूरी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम दुगोला में व्यास गुड्डू रंगीला (बिहार) और अजीत हलचल (पलामू)के बीच गायन मुकाबला हुआ। श्रोताओं ने गीत संगीत का जमकर लुफ्त उठाया।

कार्यक्रम के आयोजक अरुण पासवान, नवयुवक कमेटी के अध्यक्ष राजू रंजन विश्वकर्मा, सचिव प्रसाद सिंह, अध्यक्षता श्यामदेव पासवान व संचालन श्रवण जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोगों में पंचायत के उप मुखिया अफजाल अंसारी,मुखिया प्रतिनिधि जुबेर अंसारी, रामजी प्रसाद, रघुनाथ प्रसाद, रमेश विश्वकर्मा, राजेश्वर विश्वकर्मा, कृष्णा सिंह, धर्मदेव यादव, भूषण प्रसाद, रामप्रवेश प्रसाद, लल्लू प्रसाद, विकास कुमार,विनोद यादव, श्याम बिहारी सिंह,अर्जुन शर्मा,संतोष प्रसाद, जगदीश राम, द्वारिक ठाकुर, कैलाश यादव, रामजन्म, यासीन अंसारी, बिंदा प्रसाद, शमीम अंसारीआदि उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

प्लेयर

बांग्लादेश ने तीन दिवसीय टी-2- सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड को हराकर सीरीज अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही शाकिब उल हसन से अंतरराष्ट्रीय टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी बनाया

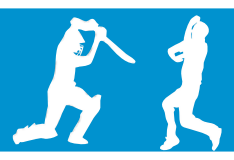

सफलता : अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में शाकिब उल हसन के सबसे ज्यादा विकेट

आयरलैंड को दूसरे टी-20 में 77 रन से हराकर बांग्लादेश ने टी-20 सीरीज पर जमाया कब्जा

एजेंसी

चटगांव। बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज खेली जा रही है। पहले मुकाबला जीतने के बाद बांग्लादेश ने बुधवार को चटगांव में खेले गए दूसरे मुकाबले में भी आयरलैंड को हराया। टाइगर्स ने आयरलैंड को 77 रन से शिकस्त दी, साथ ही सीरीज भी जीती। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 202 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 125 रन ही बना सकी। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला चटगांव में कल यानी शुक्रवार को खेला जाएगा।

सीरीज जीतने के साथ बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल

हसन ने भी नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। शाकिब इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाडी बन गए है। न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पीच छोड़ अब उनके कुल विकेट 136 हो गए है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में उन्होंने 5 विकेट लिए।

बारिश की वजह से 17 ओवर का हुआ मैच

मैच से पहले टॉस के 10 मिनट बाद ही चटगांव में बारिश होने लग गई। करीब 40 मिनट बाद बारिश रुकी और अंपायर ने 17 ओवर का मैच कराने का फैसला लिया। मैच करीब 100 मिनट बाद मैच स्टार्ट हुआ।

आयरलैंड ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम के सलामी बल्लेबाज लिटन दास और रॉनी तालुकदार ने टीम को शानदार शुरूआत दी। दोनों ने साथ टीम के लिए 9.2 ओवर में 13 चौको और 5 सिक्स की मदद से कुल 124 रन जोड़े। मैच में दोनों ने बांग्लादेश के लिए फास्टेस्ट टीम फिफ्टी और फास्टेस्ट टीम हंड्रेड भी स्कोर की। रॉनी के आउट होने के बाद कप्तान शाकिब अल हसन बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने 24 बॉल में 38 रन स्कोर किए ,वहीं, तौहीद ह्रिदौए ने 13 बॉल में 24 रन बनाए। बांग्लादेश ने 3 विकेट खो कर 202 रन का स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की ओर से बेन वाइट ने 2 और मार्क अडायर को 1 विकेट मिला।

आयरलैंड ने 6 ओवर में ही गवांए 6 विकेट

आयरलैंड की शुरूआत खराब रही। ओपनिंग करने उतरे कप्तान पॉल स्टर्लिंग पहली की बॉल पर तस्कीन अहमद का शिकार बन गए। इसके बाद टीम के विकेट गिरते ही चले गए। रॉस अडायर 6, लोर्कन टकर 5, हैरी टेक्टर 22, गेराथ डेलनि 6 और जॉर्ज डॉकरेल 2 रन बना कर पवेलियन लौटे। 6 ओवर में 43 के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर गए। इसके बाद कर्टिस कैम्फर ने पारी संभालने की कोशिश की। उन्होंने 30 गेंद में 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। लेकिन वे भी तस्कीन अहमद की बॉल पर आउट हो गए। इसके बाद मार्क अडायर 6, फिओन हैंड 2 रन बना कर आउट हुए। ग्रैहम ह्यूम 20 और बेन वाइट 2 रन बना कर नाबाद रहे। सिमित 17 ओवर में आयरलैंड 9 विकेट खो कर 125 रन ही बना सकी।

हुसैनाबाद नगर पंचायत ने चलाया स्वच्छता अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद । नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए नगर प्रतिनिधियों, महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व नपं कर्मियों ने मशाल जुलूस निकालकर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान नगर अध्यक्ष शशि कुमार, उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी, वार्ड पार्षद नजीर अहमद, सुहैल आलम, उमा देवी, अर्जुन गुप्ता,सुनीता

महिलाओं व नपं कर्मियों ने निकाला मशाल जुलूस

देवी, नगर प्रबंधक एन अंसारी, धीरज गुप्ता व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने शहर का भ्रमण करते हुए को कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने व डस्टबिन में रखने के लिए आम लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कोरोना के बाद पहली बार दिखा श्रीराम जन्मोत्सव का ऐसा उल्लास, सड़कों पर देर रात तक अखाड़ों के खिलाड़ी दिखाते रहे हैरतअंगेज करतब

धनबाद कोयलांचल में शांति-सौहार्द से मना रामनवमी का त्योहार

आजाद सिपाही टीम

धनबाद। योग लगन ग्रहवार तिथि सकल भए अनुकूल, चर अरू अचर हर्ष युत राम जनम सुख मूल...रामजन्म का प्रसंग निरूपित करती श्रीरामचरित मानस की यह पंक्ति रामजन्मोत्सव के दौरान साकार होती दिखी। रामनवमी की पूर्व संध्या बुधवार से ही पूरा कोयलांचल शहर उत्सव के रंग में सराबोर हो गया। कोरोना महामारी के चलते तीन साल बाद बिना किसी बंदिश के मनाए जा रहे रामजन्मोत्सव के दौरान कोयलांचल वासियों का उल्लास देखते ही बन रहा था। मंदिरों से लेकर जिले में निकले अखाड़ों के दौरान गीत-संगीत में डूबे युवाओं की टोली, ढोल नगाड़ों की आवाज के बीच जय श्री सिया राम के गूंजते नारे रामनवमी का उत्साह बताने के लिए पर्याप्त थे। जिला मुख्यालय में पुलिस लाइन, हीरापुर हरि मंदिर, पुराना बाजार आदि दो दर्जन से अधिक अखाड़े एकत्रित हुए और पारंपरिक हथियारों के साथ अपनी कला का जौहर दिखाया। हीरापुर हटिया व्यवसायी की ओर से हीरापुर हरी मंदिर परिसर में करतब और झांकियों का प्रदर्शन किया गया। यहां मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन हमले के बाद वहां फंसे भारतीय छात्रों को निकालने की झांकी प्रदर्शित की गई। इसके अलावे मां दुर्गा, भारत माता, बजरंग बली और भगवान शिव की झांकी प्रदर्शित की गई। वहीं पुराना बाजार में आसपास के दो दर्जन अखाड़ों के लोगों का रत्नेश्वर मंदिर के समीप जुटान हुआ। जहां हर अखाड़े ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन किया। यहां किसी को कोई परेशानी न हो इसके लिए मारवाड़ी युवा मंच और पुराना बाजार नौजवान कमेटी के सदस्य पूरी तरह मुस्तैद और सक्रिय दिखे। मंच बनाकर लोगों पर नजर रख रहे थे।

कतरास में युवतियों ने हथियार लेकर निकाला शोभायात्रा

कतरास में हथियार लेकर जुलूस में शामिल हुई महावीर दल शिव मंदिर अखाड़ा समिति की युवतियां।

रामनवमी की झांकी में भगवान हनुमान के भेष में बच्चे, करतब दिखाती युवतियां।

जय श्री राम के नारों से पूरा दिन गूंजता रहा चिरकुंडा, कुमारधुबी और मैथन क्षेत्र

चिरकुंडा, कुमारधुबी, मैथन, पंचेत आदि क्षेत्रों में रामनवमी को लेकर श्रद्धालु सुबह से ही मंदिरों में पूजा अर्चना करते दिखे। चिरकुंडा क्षेत्र के रानी सती मंदिर, पंच मंदिर, कल्याण केंद्र पंच मंदिर, मैथन मोड, शीतला मंदिर, रक्षा काली मंदिर, मंगलमूर्ति धाम सहित कई मंदिरों में राम नवमी की पूजा अर्चना श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत रूप से की गई। वहीं चिरकुंडा से लेकर कुमारधुबी तक सड़क किनारे लगा श्री राम लिखा विशाल ध्वज पूरे क्षेत्र में भगवाम श्री राम के जन्मोत्सव के उल्लास का दर्शा रहा था। हजारों श्रद्धालुओं द्वारा शोभायात्रा व अखाड़ा निकाला गया।अखाड़ों में उस्तादों और रामभक्तों द्वारा पारंपरिक अस्त्र शस्त्र का जमकर प्रदर्शन किया गया। श्री राम भक्त हनुमान की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा इलाका जय श्रीराम के नारे से गूंजता रहा। शोभा यात्रा में शामिल लोगों के लिए जगह जगह शरबत, पानी इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। क्षेत्र के हर एक संवेदनशील स्थल पर पुलिस बल की विशेष निगरानी थी।

बेरमो में रामनवमी पर करतब दिखाते आखाड़ा के खिलाड़ी।

रामनवमी के जुलूस में शामिल क्षेत्र के गणमान्य लोग।

रमनवमी की पूजा के लिए कतार में खड़े होकर अपनी पारी का इंतजार करते लोग।

लोयाबाद में दिखा सौहादं का अनूठा नजारा, मुसलिम कमेटी ने राम भक्तों को पिलाया शरबत

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। लोयाबाद क्षेत्र में रामनवमी का त्योहार गुरुवार को धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा नजारा भी देखने को मिला। मुस्लिम कमेटी इलाका लोयाबाद ने राम भक्तो के बीच शिविर लगाकर कौमी एकता व भाईचारे का संदेश देते हुए शर्बत का वितरण किया। संकटमोचन मंदिर समिति की ओर से मंदिर के सामने अखाड़ा जुलुस का स्वागत कर शर्बत वितरण किया गया। मोड़ पर जय हनुमान सेवा समिति की ओर से अखाड़ा दलों के स्वागत के लिए तोरण द्वार लगाया गया था। पूरा इलाका भगवा झंडे से पट गया था। हटिया मैदान मे क्षेत्र के सभी अखाड़ा दल पहुंचा। खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक नुमाइशी खेलों का प्रदर्शन किया और अपने-अपने कला के जौहर दिखाये। लोयाबाद मोड़ स्थित श्री संकट मोचन मंदिर मे सुबह से ही पूजा अर्चना के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। मंदिर को आर्कषक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान जयप्रकाश पांडेय, कृपाशंकर सिंह, नइम मिस्त्री, गुलाम जिलानी, अनवर मुखिया, शंकर केसरी, मनोज मुखिया, मनोज वर्णवाल, सुनिल पांडेय, बिनोद पासवान, संजू विश्वकर्मा, रंजीत सहानी, मन्नु सिंह, सुरेश यादव, लालू चौबे, चिकू सतनालिका,शैलेष वर्णवाल आदि थे।

झरिया में खिलाड़ियों ने दिखाया करतब

झरिया में गुरुवार को पूरे दिन राम जन्मोत्सव की धूम रही। सुबह से ही लोग पूजा अर्चना में जुटे रहे। मंदिर से लेकर घरों तक हनुमान पताका लहराता रहा। वहीं जैसे-जैसे दिन ढलते गया राम जन्मोत्सव का उल्लास अपने चरम तक पहुंचते गया। शाम ढलते ही झरिया मेन रोड में अखाड़ों का जमावड़ा शुरू होने लगा। यहां देर रात तक अखाड़ों के खिलाड़ी अपने पारंपरिक हथियारों से हैरतअंगेज कारनामे दिखा लोगों को दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर करते रहे। वहीं दूसरी ओर अखाड़ों में मौजूद राम भक्तों को कोई परेशानी न हो इसके लिए कतरास मोड़ से लेकर अखाड़ों के गुजरने वाले मार्गों व पूरे मेन रोड में दर्जनों संगठनों द्वारा पानी शर्बत के कई स्टाल लगाए गए थे। अखाड़ों के दलों द्वारा कई प्रकार की झांकियां लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रहीं। वही झरिया के विभिन्न क्षेत्रों में शरीर सौष्ठव का प्रदर्शन किया गया।

कतरास में शांतिपूर्ण तरीके से निकला रामभक्तों का जुलूस

कतरास क्षेत्र में रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पूरे इलाके में विभिन्न अखाड़ों द्वारा आकषर्क झांकी के साथ राम भक्तों ने भव्य जुलूस निकाल पारंपरिक हथियारों के साथ खेल का प्रदर्शन दिखाया। बरोरा थाना क्षेत्र के पोचरी कालीपुर बस्ती मे साम्प्रदायिक सौहार्द की मिशाल भी देखने को मिली। कालीपुर बस्ती से निकले राम भक्तो के जुलूस में शामिल भक्तों का बस्ती में अवस्थित मस्जिद के समीप झामुमो के बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष अजमूल अंसारी के नेतृत्व में पगड़ी पहनाकर व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही मुस्लिम समाज के लोगों ने राम भक्तों को लस्सी व पानी वितरण कर कौमी एकता व भाईचारे का संदेश दिया। हरिणा बाजार में संकटमोचन मंदिर के पास बरोरा पुलिस जनसहयोग समिति के सदस्यों ने अखाड़े का स्वागत कर शर्बत वितरण किया। कतरासगढ़, कतरास थाना चौक, गुहीबांध, श्यामडीह मोड, कालीपुर, हरिणा बाजार, भीमकनाली, बाघमारा बाजार सहित कई अन्य जगहों पर राम भक्तो ने भव्य जुलूस निकाला।

कतरास में युवतियों ने किया शोभायात्रा का नेतृत्व

कतरास बाजार गांधी चौक स्थित महावीर दल शिव मंदिर अखाड़ा समिति की युवतियां शोभआयात्रा का नेतृत्व कर रही थीं। खुली जीप में सवार युवतियों के हाथों में महावीरी झंडे के साथ एक युवती राइफल, तो कुछ तलवार लिये नजर आयी।

आरएसएस ने 14 अखाड़ा को उपहार देकर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

जैनामोड़/बेरमो। जरीडीह प्रखंड में गुरुवार को धूमधाम से श्री राम नवमी उत्सव मनाया गया। वहीं जैनामोड़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से 14 अखाड़ा को उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें बजरंगबली अखाड़ा टाड़मोहनपुर, जरीडीह पुर्नवास क्षेत्र अखाड़ा, बजरंगबली सेवा समिति पेटरवाररोड, बजरंग नवयुवक अखाड़ा, मांझीडीह, बजरंग अखाड़ा, आसमानथान बांधडीह, जय भारती क्लब नीचे टोला बांधडीह, रासमंच अखाड़ा, रजवारडीह अखाड़ा, भुचुनडीह अखाड़ा, दूध उत्पादन संघ अखाड़ा, हरी सेठ मंदिर अखाड़ा, पंचमुखी हनुमान मंदिर अखाड़ा तेतरियाडीह, बजरंग अखाड़ा मंडल टोला, बजरंग अखाड़ा तेतरियाडीह आदि शामिल है। निर्णायक मंडली में चित्रकूट धाम के संत स्वामी सीताराम शरण जी महाराज, पहलाद सिंह, आरएसएस के सह विभाग कार्यवाह धीरेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह भोला कुमार, समाजसेवी अशोक मिश्रा, व्यवस्था में अर्जुन सिंह, मनोज सिंह, महेंद्र कुमार, सुनील सिंह, अरविंद ठाकुर, रवि शंकर सिंह, विक्की सरदार, विनोद कुमार, मुन्ना प्रसाद, सुरेश प्रसाद, उपेंद्र हेंब्रम, बालेश्वर मुर्मू, रमेश बेसरा, अमित सोरेन, दिनेश बरनवाल, वकील कुमार, दीपक सिंह, मनोज महतो, राकेश सिंह, विजय बरनवाल आदि थे।

पिछरी में कन्या पूजन कर की गयी सुख-शांति की कामना

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। बेरमो क्षेत्र में बासंतीय नवरात्र व चैती दुर्गा पूजा पूरे श्रद्धा-उल्लास के साथ मनाया गया। हिंदू धर्म में नवरात्रि के पर्व को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। नवरात्रि में मां दुर्गा की विशेष उपासना और पूजा की गई। वहीं पेटवार प्रखंड के पिछरी पंचायत स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के नौवें दिन गुरुवार को मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा विधि पूर्वक की गईं। मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करती हैं। वहीं मां दुर्गा सिद्धिदात्री की पूजा करने बाद आचार्य द्वारा हवन किया गया। इसके बाद मां के नौ स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। नौ कन्याओं की पूजा की गई। जहां बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित डॉ रविंद्र उषा सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन के चेयरमैन सह समाजसेवी डॉ उषा सिंह ने नवरात्रि व रामनवमी महोत्सव के आयोजन में शामिल होकर मां दुर्गा की प्रतिमा का पूजा-अर्चना कर माथा टेका और क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण रखने की कामना किया। डॉ उषा सिंह ने मुख्य पुजारी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मौजूद आचार्य कुमुद भट्टाचार्य, पुजारी आचार्य सुखदेव पांडेय, पवन पाठक, यजमान मुकेश मिश्रा, भानु मिश्रा, पूजा समिति के अध्यक्ष गणेश मिश्रा, सचिव व्यास मिश्रा, कोषाध्यक्ष बजरंगी मिश्रा, तपन मिश्रा, चुन्नू मिश्रा, उपसचिव मनीष मिश्रा, शुभम मिश्रा, पूर्व मुखिया छत्रधारी मिश्रा, पूर्व सरपंच रतन कुमार मिश्रा, नकुल मिश्रा, बिरंची मिश्रा, उपमुखिया चीकू मिश्रा, दीपक मिश्रा, कौशल मिश्रा, धीरज मिश्रा, पंकज मिश्रा, सूरज मिश्रा, गिरधारी मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, रितेश मिश्रा, बाटुल मिश्रा, लव मिश्रा, विनोद साव आदि उपस्थित रहे।

नौवे दिन कन्यापूजन करते लोग।

एक नजर में रामनवमी के दौरान निकाली गयीं झाकियां

धूमधाम से निकला रामनवमी का जुलूस

चतरोचट्टी (आजाद सिपाही)। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्म दिवस पर चतरोचट्टी प्रशासन की सुरक्षा के बीच बडकीसीधावारा, छोटकीसीधावारा, तुस्को, तिसकोपी, तिसरी, चिलगो, चुट्टे, चिदरी, हुरलुंग आदि गांवों में रामनवमी का जुलूस निकाला गया। जिसे लेकर चौक-चौराहों पर पुलिस बल को तैनात किया गया था। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद और शरबत वितरण किया गया। चतरोचट्टी क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस निकाला गया। कई जगहों पर श्रद्धालुओं द्वारा झांकियों को जगह-जगह रुककर आरती उतारी गई। इस दौरान पूरे भव्यता एवं ढोल नगाड़ों के साथ भगवान राम एवं हनुमान के जयकारे लगाए गए। इस अवसर पर भक्तों द्वारा तलवार लाठी से तरह-तरह के करतब दिखाए गए। भगवा व पीले वस्त्र का साफा बांधे जुलूस में चल रहे श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बनता था।

दवाइयों में गड़बड़ी के बाद मिलान करने के लिए की गयी है छापामारी

लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल में विजिलेंस का छापा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोयाबाद। लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल में गुरुवार को विजलेंस के अधिकारारियों ने छापामारी की। दो सदस्यीय टीम ने अस्पताल के ओपीडी, मेडिसिन, अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की। विजलेंस के अधिकारी की एक तरफ जांच कर रहे थे, वहीं, दूसरी और जांच से अस्पताल कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अस्पताल परिसर में घूम रहे कुछ कर्मी अपनी-अपनी ड्यूटी में मुस्तैद हो गए। विजलेंस के अधिकारी सीधे डिप्टी सीएमओ के चेंबर में पहुंच गए। उन्होंने तीनों विभाग को रजिस्टर दिखाने को कहा। बारी-बारी से तीनों विभागीय काम काज की जांच की। हालांकि दोनों अधिकारी जांच के दौरान मीडिया से बोलने से बचते रहे। करीब दो घंटे तक दोनों अधिकारी अस्पताल में रुके। उन्होंने कोई रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किया। वहीं, डिप्टी सीएमओ के कार्यभार संभाल रहे डॉक्टर अनुज कुमार ने कहा कि टीम किसी गड़बड़ी की जांच करने पहुंची थी। कहा जा रहा है कि क्षेत्र संख्या छह में दवा में पाई गडबडी के मद्देनजर इस अस्पताल का भी दवा के आमद और वितरण को लेकर मिलान की जांच की गई है।

बिना सीएमओ के संचालित हो रहा अस्पताल

विजलेंस के जांच के दौरान कुछ कर्मचारियों ने कहा कि यह अस्पताल बिना सीएमओ के संचालित हो रहा है। महीनों बीत गए। पर अबतक डिप्टी सीएमओ का पद खाली है। इस समय डाक्टर पुष्पा डिप्टी सीएमओ का काम देख रही है। गुरुवार को छुट्टी पर थी। कर्मचारियों ने कहा कि मैडम पुष्पा डिप्टी सीएमओ का पद संभालने को तैयार नहीं है। वो कई बार वीआरएस देने की बात भी कर चुकी है। बताया जाता है कि डाक्टर उदय सिन्हा के वीआरएस के बाद यह पद खाली है। अस्पताल तीन चिकित्सक जैसे तैसे इस पद को संभाल रहे है।

धूमधाम से निकला रामनवमी जुलूस, लगे जय श्रीराम के नारे

आजाद सिपाही संवाददाता

नावाडीह/बेरमो। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म दिवस पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी और प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच नावाडीह प्रखंड के नावाडीह, सुरही, चिरुडीह, खरपीटो, सहरिया, गुंजरडीह आदि गांवों में रामनवमी जुलूस निकाला गया। साथ ही बाराडीह पंचायत के तिलैया टांड, बोदरो, बाराडीह गांव में रामनवमी पूजा धूमधाम से मनाया गया। आचार्य श्री कृष्णा पांडेया द्वारा विधि व्यवस्था के साथ पूजन किया गया। जुलूस को लेकर चौक-चौराहों पर पुलिस बल को प्रशासन के द्वारा तैनात किया गया था। नावाडीह मुखिया संघ के अध्यक्ष विश्वनाथ महतो ने बताया कि सुरही में शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस निकाला गया। इसमें सभी का सहयोग मिला है। प्रशासन ने भी जुलूस के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखा। सुरही में भव्य झांकी निकाली गई जहां श्रद्धालुओं द्वारा झांकियों को जगह-जगह रुककर आरती उतारी गई। पूरे भव्यता एवं ढोल नगाड़ों के साथ भगवान राम एवं हनुमान के जयकारे लगाए गए। भक्तों ने तलवार-लाठी से तरह-तरह के करतब दिखाये। वहीं एसडीओ अनंत कुमार, एसडीपीओ सतीश चंद्र झा, इंस्पेक्टर नूतन मोदी, सीओ अशोक सिन्हा, बीडीओ संजय सांडिल्य, थाना प्रभारी मनीष कुमार आदि विधि व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर प्रतिबिंब पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सत्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय के सुनाबेड़ा परिसर में कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने किया

ओड़िशा (आजाद सिपाही)। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'भारत में विकास का इतिहासः स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर प्रतिबिंब' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय के सुनाबेड़ा परिसर में कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने किया। इस दौरान अन्य लोगों के अलावा, प्रसिद्ध पत्रकार और द न्यू इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी संपादक प्रभु चावला, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय राजीव गांधी जनजातीय अध्ययन केंद्र की अध्यक्ष, प्रोफेसर प्रकाश चंद्र पटनायक भी उपस्थित थे। सम्मेलन की संयोजक अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. मिनाती साहू, और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ. सौरभ गुप्ता उपस्थित थे।

पत्रकारिता की भूमिका पर प्रकाश डाला: पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात पत्रकार प्रभु चावला मुख्य वक्ता थे और उन्होंने समाज में पत्रकारिता की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अब तक की यात्रा सुगम नहीं रही है। भारतीय पत्रकारिता काफी संघर्ष के बाद इस स्तर पर पहुंची। उन्होंने मीडिया की स्थिति और तकनीकी नवाचारों के बारे में भी बात की। प्रो. प्रकाश चंद्र पटनायक, प्रोफेसर, राजीव गांधी चेयर फॉर ट्राइबल स्टडीज, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की और बहु-विषयक शिक्षण और अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर दिया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. सौरभ गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभाग की प्रमुख और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की संयोजक डॉ. मिनाती साहू ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अकादमिक और प्रशासनिक सलाहकार प्रोफेसर सुधेंदु मंडल, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज के डीन प्रोफेसर एनसी पांडा और विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ फगूनाथ भोई भी उपस्थित थे। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हस्तियों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। उद्घाटन समारोह के बाद दो पूर्ण सत्र आयोजित किये गये, जिसमें देश और विदेश की प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपने विचार रखे। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख। अफगानिस्तान के एक प्रमुख पत्रकार प्रशांत पांडा और अमेरिका में सेंट जोस स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता फैसल करीमी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. प्रदीप पांडा, आर्थिक क्षेत्र के प्रमुख, एसडीजी, योजना और समन्वय विभाग, ओड़िशा सरकार, प्रोफेसर तापस मिश्रा, प्रोफेसर और बैंकिंग और वित्त के प्रमुख, साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके, प्रो केके मिश्रा, जनसंचार विभाग, चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश की मोहम्मद शाहिदुल्लाह ने सम्मेलन में भाग लिया।

मंडल रेल प्रबंधक संबलपुर ने स्टेशन का निरीक्षण किया

कर्मचारियों के साथ बातचीत की और सभी मामलों में संरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी। बरगढ़ रोड पर नवनिर्मित सहायक मंडल अभियंता कार्यालय भवन का भी उद्घाटन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर विनीत सिंह ने 29/03/2023 को संबलपुर मंडल के संबलपुर-टिटलागढ़ खंड में बरगढ़ रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध करायी जाने वाली विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और स्टेशन में चल रही विकासात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों के साथ बातचीत की और सभी मामलों में संरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने बरगढ़ रोड पर नवनिर्मित सहायक मंडल अभियंता कार्यालय भवन का भी उद्घाटन किया और बरगढ़ रोड-संबलपुर के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।

सीएम ने भुवनेश्वर में टेनिस सेंटर का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भुवनेश्वर में शुरू होने वाली कळऋ एशिया अंडर 14 और अंडर डेवलपमेंट चैंपियनशिप 2023 में कुछ ही दिन बचे हैं, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज कलिंग स्टेडियम स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में टेनिस सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने आगामी अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का लोगो और जर्सी भी लॉन्च की। टेनिस सेंटर अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ द्वारा प्रमाणित है और इसमें 1400 के लिए एक गैलरी बैठने के साथ एक सिंथेटिक सेंटर कोर्ट, व्यायामशाला, खिलाड़ियों के बदलते कमरे, सभागार और गणमान्य व्यक्तियों के लिए कमरे, मीडिया कक्ष, प्रसारण और प्रशासनिक उद्देश्य हैं। टेनिस सेंटर को 25 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। कलिंग स्टेडियम में 8 सिंथेटिक के साथ टेनिस परिसर अब अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ और एशियाई टेनिस महासंघ के तत्वावधान में मैचों की मेजबानी करने में सक्षम है। मुख्यमंत्री पटनायक ने राज्य में टेनिस के विकास के लिए मिलकर काम करने के लिए ओड़िशा टेनिस संघ और खेल विभाग को बधाई दी। कहा कि यह छिपी हुई प्रतिभाओं को खोजने और संभावित पदक विजेताओं को तैयार करने में भी मदद करेगा। गौरतलब है कि ओड़िशा के टेनिस खिलाड़ी कबीर हंस, देबाशीष साहू, सोहिनी संजय महांति और आराध्या वर्मा ने टेनिस में अपनी पहचान बना रखा हैं और ओटीए और राज्य खेल विभाग राज्य के युवा टेनिस खिलाड़ियों के सतत उच्च प्रदर्शन के लिए एक रोड मैप बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पटनायक ने इस अवसर पर अर्चना मांझी (खो खो), स्वाधीन मांझी (एथलेटिक्स), देबाशीष साहू (टेनिस) और जयंती बेहेरा (पैरा एथलेटिक्स) को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी उपलब्धियों के लिए अभिनंदन किये। इसके अलावा, उद्घाटन से पहले, खेल मंत्री तुषारकांति बेहेरा ने 45 एथलीटों को विभिन्न राष्ट्रीय आयोजनों में उनकी उपलब्धियों के लिए नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस उद्घाटन में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में मुख्य सचिव पीके जेना, विकास आयुक्त अनु गर्ग, मुख्यमंत्री के सचिव (5टी) वी के पांडियन, खेल और युवा सेवा सचिव विनील कृष्णा, अध्यक्ष ओटीए असित त्रिपाठी, सचिव सत्यजीत महांति और ओटीए और खेल विभाग के अन्य अधिकारी शामिल हैं।

ओकाया इवी को अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एआइएस 156 संशोधन 3 फेज 2 सर्टिफिकेशन मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत के तेजी से विकसित होते इलेक्ट्रिक वाहनों के ब्रांड आकाया इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को एआइएस 156 संशोधन 3 फेज 2 के तहत इसके इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आइ चैट सर्टिफिकेशन मिला है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सुरक्षा की सभी जरूरतों को कवर करता है, जिसमें बैटरी पैक और इसके कंपोनेंट्स की डिजाइनिंग, निर्माण, टेस्टिंग शामिल हैं। यह सर्टिफिकेशन सुनिश्चित करता है कि ईवी सरकार द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का अनुपालन करता है। अक्र 156 फेज सर्टिफिकेशन के साथ ओकाया इवी नियमों का संपूर्ण अनुपालन करने वाला अब दोपहिया वाहन सेगमेन्ट में पहला इवी निर्माता बन गया है। ओकाया इवी बैटरी की सुरक्षा, विश्वसनीयता और परफोर्मेंस को समर्थन देता है, जिसमें शामिल हैंः ओवरचार्जिंग से सुरक्षित उच्च मानकों के वायर एवं चार्जर, थर्मल प्रोटेक्शन, ऑडियो विजुअल वार्निंग सिस्टम्स और स्मार्ट बीएमएस। कंपनी ने बजर के रूप में अतिरिक्त सुरक्षा फीचर भी शामिल है, जो थर्मल रनअवे से कम से कम 5 मिनट पहले ही राइडर को एलर्ट कर देता है। इसके अलावा इसमें आइपी 67 रेटिंग भी है जो सुनिश्चित करती है कि वाहन के सभी महत्वपूर्ण कंपोनेन्ट्स धूल और पानी से सुरक्षित रहें। कंपनी के उच्च परफोर्मेंस देने वाले इवी दोपहिया वाहन एलएफपी (लिथियम आयरन फॉस्फेट) बैटरी से युक्त हैं, जो वाटरप्रूफ और डस्टप्रूफ है और एनएमसी बैटरी की तुलना में लम्बे लाइफस्पैन के साथ आती है। एलएफपी बैटरियां बेहद सुरक्षित है और भारतीय मौसम की उच्च तापमान वाली परिस्थितियों में भी बेहतरीन परफोर्मेन्स देती हैं। इनकी डिस्चार्ज और चार्ज की क्षमता में भी सुधार किया गया है। एलएफपी बैटरी स्थिर आउटपुट देती है जो हर परिस्थिति में लम्बे समय तक अच्छा परफोर्मेंस देती है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**